मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	27.9	15.7
जमशेदपुर	29.5	13.4
डालटनगंज	28.8	10.1

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

शुभम संदेश

धनबाद, रांची एवं पटना से प्रकाशित

एक राज्य - एक अखबार

रविवार, 04 फरवरी 2024 ● माघ कृष्ण पक्ष 10, संवत 2080 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~6~~ ● वर्ष : 1, अंक : 287 आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

भारत जोड़ो न्याय यात्रा : गोड्डा में केंद्र सरकार पर बरसे राहुल गांधी, कहा-

सरना कोड लाने की कोशिश की,लेकिन लाने ही नहीं दिया

शुभम संदेश टीम। गोड्डा

झारखंड के लोगों ने मेरे स्वागत में कोई कसर नहीं छोड़ी. बिना बोले ही यहां मोहब्बत की दुकानें खोल दी हैं. इसके लिए दिल से धन्यवाद करता हूं. कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को यहां जनसभा में केंद्र सरकार पर निशाना साधा. उन्होंने मोदी सरकार को आड़े हाथों लेते हुए कहा, जो भाजपा नफरत फैला रही, हम उसके खिलाफ आए हैं.

उन्होंने कहा कि हमने सरना कोड लाने की कोशिश की, उसे भी लाने नहीं दिया. कांग्रेस भूमि न्यायाधिकरण बिल लायी, लेकिन पीएम मोदी ने उसे भी रद्द कर दिया. भूमि न्यायाधिकरण में यह प्रावधान किया जाना चाहिए था कि अगर गरीब किसान से जमीन ली जाए, तो पंचायत से और उससे पूछ कर ली जाए. उसे बाजार से चार गुना अधिक पैसे दिये जाएं. राहुल ने केंद्र पर निशाना साधते हुए कहा कि देशभर में युवाओं के साथ अन्याय हो रहा है. किसानों के साथ अन्याय हो रहा है. गरीब और कमजोर वर्ग के साथ अन्याय हो रहा है. सबके साथ अन्याय हो रहा है. मतलब सिर्फ अडाणी के साथ न्याय और बाकी लोगों के साथ अन्याय हो रहा है.

मैं आपकी बात सुनने आया हूं : राहुल ने जीप से ही रैली को संबोधित करते हुए कहा कि जिन्हें भी अपनी बात रखनी हो, वो मेरे साथ जीप में बैठ जाएं और अपनी बातों को रखें. मैं आपकी बात सुनने आया हूं. मीडिया पर भी तंज कसते हुए कहा कि मीडिया के मित्रों को भी गुलाम बना कर रखा हुआ है. 24 घंटे मेरे पीछे पड़ गए हैं, मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता. राहुल पाकुड़ के लिट्टीपाड़ा से सुंदरमोड़ होते हुए शनिवार की सुबह गोड्डा पहुंचे. सरकंडा चौक पर कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया. इसके बाद सरकंडा चौक से गोड्डा कॉलेज तक राहुल गांधी ने भारत जोड़ो जोड़ो न्याय यात्रा की. जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया. यात्रा में राहुल गांधी के साथ कांग्रेस नेता जयराम रमेश समेत कांग्रेस के कई बड़े नेता भी शामिल हुए.

बाबाधाम में लगे मोदी-मोदी के नारे: इस बीच, कांग्रेस नेता राहुल गांधी जब बाबाधाम में भोले बाला का दर्शन करने जा रहे थे, तो कुछ लोगों ने मोदी-मोदी के नारे भी लगाए. लेकिन राहुल गांधी ने इन नारों पर ध्यान नहीं दिया और मुस्कुराते हुए आगे बढ़ गए.

देवघर में बाबा बैद्यनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना की

भारत जोड़ो न्याय यात्रा के क्रम में राहुल गांधी शनिवार को देवघर पहुंचे. बाबा बैद्यनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना की. राहुल गांधी के आगमन पर बाबाधाम को फूलों से सजाया गया. राहुल गांधी ने कहा कि झारखंड की जनता ने मेरा इतना भव्य स्वागत किया है कि मैं दिल से झारखंड की जनता को धन्यवाद देता हूं.

बोले राहुल

- झारखंड के लोगों ने बिना बोले ही मोहब्बत की दुकानें खोल दीं हैं
- देश में सबके साथ हो रहा अन्याय, सिर्फ अडानी के साथ ही न्याय

ईडी के सहारे भाजपा कर रही थी सरकार की चोरी, हमने रोका

राहुल गांधी ने कहा कि भाजपा ईडी के सहारे सरकार की चोरी करना चाह रही थी, जिसे हमने रोका. इसके अलावा उन्होंने विरोधियों पर जमकर निशाना साधा. गोड्डा के सरकंडा चौक पर रुक कर उन्होंने लोगों को संबोधित किया. कहा कि झारखंड में मोदी सरकार ने चोरी का प्रयास किया, जिसे हम सबने मिल कर विफल कर दिया. केंद्र सरकार सरकारी एजेंसियों का दुरूपयोग कर रही है, जिसमें ईडी, सीबीआई, आईटी व अन्य एजेंसियां शामिल हैं. अडानी व अंबानी को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि किसानों का ऋण माफ नहीं होता, लेकिन उद्योगपतियों के1700 करोड़ के ऋण माफ हो जाते हैं.

पीएम मोदी बोले-मेरे लिए अत्यंत भावुक क्षण

एजेंसी। नयी दिल्ली

पीएम नरेंद्र मोदी ने शनिवार को घोषणा की कि भाजपा के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी को सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार भारत रत्न से नवाजा जाएगा और उन्होंने इसे अपने लिए अत्यंत भावुक क्षण बताया. घोषणा के बाद आडवाणी ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और पीएम मोदी का आभार जताया और कहा कि यह एक व्यक्ति के रूप में न केवल उनका, बल्कि उन आदर्शों और सिद्धांतों का भी सम्मान है, जिनका पालन करने का उन्होंने प्रयास किया. आडवाणी ने कहा, संघ में शामिल होने के बाद से जीवन में मुझे जो जिम्मेदारी मिली, उसे निभाते हुए अपने देश की समर्पित और निःस्वार्थ सेवा की. इससे पहले मोदी ने एक्स पर पोस्ट में कहा, हमारे समय के सबसे सम्मानित राजनेता आडवाणी का भारत के विकास में महान योगदान है. आडवाणी ने अपने सार्वजनिक जीवन में दशकों तक सेवा करते हुए पारदर्शिता और अखंडता के प्रति अटूट प्रतिबद्धता जताई और राजनीतिक नैतिकता में एक अनुकरणीय मानक स्थापित किया. मोदी ने कहा, आडवाणी ने राष्ट्र की एकता और सांस्कृतिक पुनरुत्थान को आगे बढ़ाने के लिए अद्वितीय प्रयास किए. उन्हें भारत रत्न से सम्मानित किया जाना मेरे लिए भावुक क्षण है. मैं इसे अपना सौभाग्य मानूंगा कि मुझे उनसे सीखने के अनगिनत अवसर मिले.

एलके आडवाणी ने देश की जनता का आभार जताया

इस घोषणा के पश्चात आडवाणी ने अपने आवास से मीडियाकर्मियों का अभिवादन किया और उनकी बेटी प्रतिभा आडवाणी ने पत्रकारों से कहा कि उनके पिता देश का सर्वोच्च राजकीय सम्मान दिए जाने की घोषणा से बहुत खुश हैं. उन्होंने कहा, उन्होंने (आडवाणी ने) प्रधानमंत्री मोदी और देश की जनता को धन्यवाद दिया. उन्होंने कहा कि उनके पिता ने अपना पूरा जीवन देश को समर्पित कर दिया.

लाल कृष्ण आडवाणी एक नजर

- **8 नवंबर 1927** -सिंध (अब पाकिस्तान) में जन्म
- **सितंबर 1947** -देश के बंटवारे के बाद सिंध से दिल्ली आए
- **1936-1942** -कराची के सेंट पैट्रिक्स स्कूल में पढ़ाई की
- **अप्रैल 1970** -राज्यसभा के रास्ते संसद में प्रवेश
- **मई 1986** भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बने
- **जून 2002 से मई 2004**- देश के सातवें उप-प्रधानमंत्री बने

हेमंत सोरेन को कल फ्लोर टेस्ट में शामिल होने की मिली अनुमति

सौरभ सिंह/विनीत उपाध्याय। रांची

पूर्व सीएम हेमंत सोरेन को कोर्ट से फ्लोर टेस्ट के लिए सोमवार को होने वाली वोटिंग में शामिल होने की कोर्ट से अनुमति मिल गयी है. दरअसल 5 फरवरी (सोमवार) को फ्लोर टेस्ट में हेमंत के शामिल होने को लेकर पीएमएलए कोर्ट में अर्जी दाखिल की गयी. अर्जी में कहा गया कि राज्यपाल ने सोमवार को सुबह 11 बजे चंपई सोरेन सरकार के विश्वास मत के लिए समय तय किया है. हेमंत अभी ईडी की न्यायिक हिरासत में हैं. इसलिए उन्हें 5 फरवरी को 11 बजे एक घंटे के लिए विधानसभा सत्र में विश्वास मत के दौरान उपस्थित रहने की अनुमति दी जाए. इस अनुमति के लिए हेमंत सोरेन के अधिवक्ता ने कोर्ट में पूर्व में पारित किये गये कई आदेश पेश किये. ईडी के विशेष जज दिनेश राय की कोर्ट ने अर्जी पर सुनवाई करते हुए हेमंत को विश्वास मत के दौरान सुबह 11 बजे विधानसभा में उपस्थिति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया. हेमंत की ओर से महाधिवक्ता राजीव रंजन ने पक्ष रखा. बताते चलें कि हेमंत पांच दिनों के ईडी के रिमांड पर हैं. ईडी ने हेमंत सोरेन को 31 जनवरी की रात गिरफ्तार किया था.

ईडी की टीम अगले 5 दिनों तक हेमंत से करेगी पूछताछ

ईडी अब हेमंत से लैंड स्कैम से जुड़े केस में पूछताछ शुरू करेगी. पीएमएलए (प्रीवेन्शन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट) की विशेष कोर्ट ने एजेंसी को हेमंत सोरेन से पांच दिनों तक पूछताछ करने की अनुमति दे दी है. जमीन घोटाले के आरोप में जेल में बंद राज्य के पूर्व सीएम हेमंत सोरेन से ईडी शनिवार से अगले पांच दिनों तक पूछताछ करेगी. बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा होटवार में बंद हेमंत सोरेन को ईडी ने शनिवार को अपने कब्जे में ले लिया. गौरतलब है कि ईडी ने हेमंत सोरेन को 31 जनवरी की रात गिरफ्तार किया था. इसके बाद एक फरवरी को हेमंत सोरेन को ईडी ने पीएमएलए कोर्ट में पेश किया. कोर्ट ने मामले में सुनवाई के बाद अपना फैसला सुरक्षित रख लिया. फिर दो फरवरी को कोर्ट ने तीन फरवरी से पांच दिनों तक हेमंत सोरेन को ईडी रिमांड पर भेजा दिया. कोर्ट ने ईडी को पुलिस रिमांड के दौरान हेमंत सोरेन का मेडिकल चेकअप कराते रहने का निर्देश दिया. साथ ही किसी तरह की शारीरिक और मानसिक प्रताड़ना नहीं करने को भी कहा. इसके अलावा कोर्ट ने पूछताछ के दौरान हेमंत को अपने परिवार के सदस्य और अपने वकील से मुलाकात करने की छूट दी. मुलाकात की अवधि 30 मिनट होगी.

हेमंत से रिमांड के दौरान इन सवालों का जवाब मांगेगी ईडी

बड़गाईं के हल्का कर्मी ने सीएमओ के निर्देश पर की थी नोटिंग!

रांची। सीएमओ के निर्देश पर तत्कालीन अंचल अधिकारी ने हल्का कर्मचारी भानु प्रताप को उक्त भूखंड का निरीक्षण करने के लिए कहा. जिसके बाद हल्का कर्मचारी भानु ने खुद जा कर भूखंड का निरीक्षण किया और उसके बाद अपनी नोटिंग की. जिस भूखंड के लिए पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को आरोपी बनाया गया है, वह रांची के बड़गाईं में स्थित है और उसका कुल रकबा (क्षेत्रफल) लगभग 8.50 एकड़ है. खतियान में यह भूखंड लोढ़ा पाहान के नाम से दर्ज है और इसका नेचर बकास्त भुईहरी और गैर भुईहरी दर्ज है.

एजेंसी हेमंत सोरेन से रिमांड के दौरान इन सवालों के जवाब जानना चाहती है. वो ये हैं...

1. ईडी के पास जो साक्ष्य हैं, उन्हें आरोपी के समक्ष रख कर पूछताछ की जाएगी. जिससे यह पता चल पाए कि आरोपी के साथ भूमि के अवैध अधिग्रहण में और-कौन कौन लोग शामिल हैं.
2. **आरोपी व्यक्ति के साथ इस पूरे प्रकरण में शामिल अन्य लोगों की भूमिका का पता लगाने के लिए पूछताछ जरूरी है.**
3. धन और संपत्ति के उन स्रोतों की जांच करना, जिसके जरिए बड़े भूखंड पर कब्जा किया गया और आरोपी द्वारा अर्जित की गयी अन्य संपत्तियों की जांच के संबंध में पूछताछ जरूरी है.

हल्का कर्मी के फोन से मिली अवैध रूप से अर्जित जमीन की जानकारी : लैंड स्कैम से जुड़े केस में तलाशी के दौरान ईडी को बड़गाईं अंचल के हल्का कर्मचारी भानु प्रताप का मोबाइल फोन मिला था, जिसे एजेंसी ने जब्त कर लिया था. उक्त मोबाइल में नकद लेनदेन, भूमि अधिग्रहण में दूसरों को अवैध लाभ पहुंचाने से संबंधित कई चैट और जानकारियां मिली थीं. उसी जानकारी में हेमंत द्वारा अवैध रूप से अर्जित की गयी जमीन की जानकारी मिली.जो उसके हल्के (बड़गाईं अंचल) में स्थित थे. भूमि का कुल क्षेत्रफल 8.5 एकड़ है.

ईडी का बड़ा एक्शन बड़गाईं के पूर्व हल्का कर्मी से जल्द हो सकती है पूछताछ

भानु व हेमंत का हो सकता है आमना-सामना

शुभम संदेश टीम। रांची

ईडी ने बड़गाईं के राजस्व निरीक्षक (हल्का कर्मचारी) भानु प्रताप प्रसाद को गिरफ्तार कर लिया है, उन पर भूमि के सरकारी रिकॉर्ड में हेराफेरी, मूल रिकॉर्ड के साथ छेड़छाड़ करने का आरोप है. भानु प्रताप पहले से ही लैंड स्कैम से जुड़े केस में जेल में हैं और अब उन्हें इस मामले में गिरफ्तार किया गया है, जिसमें ईडी ने पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को गिरफ्तार किया है. ईडी की अब तक की जांच में यह पता चला है कि, भानु प्रताप ने बरियातू में 8.5 एकड़ जमीन सहित अवैध रूप से संपत्ति हासिल करने में हेमंत सोरेन की सहायता की. कोर्ट में ईडी के दिए आवेदन पर सोमवार को सुनवाई होगी.

राजस्व निरीक्षक भानु प्रताप की भूमिका

ईडी ने रांची के मोरहाबादी में 4.55 एकड़ वाली रक्षा मंत्रालय की भूमि के फर्जी अधिग्रहण से संबंधित एक अन्य मामले की जांच के दौरान पाया कि राजस्व निरीक्षक भानु प्रताप प्रसाद इसमें शामिल एक सिंडिकेट का हिस्सा थे. पिछले साल 9 फरवरी को हुई छापेमारी में ईडी ने भानु के पास से कई भूमि के रिकॉर्ड (विशेष रूप से स्वामित्व विवरण) जो दूसरों के कहने पर तैयार किया गया था, वह बरामद किया था. 13 अप्रैल, 2023 को ईडी की तलाशी के दौरान उसके कब्जे से भारी संपत्ति दस्तावेजों के 11 ट्रंक और 17 मूल रजिस्टर जब्त किए गए. भानु और इस जमीन-हथियाने वाले सिंडिकेट के छह अन्य सदस्यों को अवैध गतिविधियों में शामिल होने के आरोप में 14.04.2023 को गिरफ्तार किया गया था. उनके मोबाइल फोन से मिले डिजिटल साक्ष्य जब्त किए गए थे, जिससे यह पता चलता है कि कैसे वह अवैध रूप से संपत्ति हासिल करने के लिए हेमंत सोरेन सहित अन्य व्यक्तियों के साथ साजिश रचने में शामिल थे.

ब्रीफ खबरें

25 सार्जेंट मेजर और 48 मेजर का हुआ तबादला

रांची। तीन साल से एक ही जिले में पदस्थापित 25 सार्जेंट मेजर और 48 मेजर का पुलिस मुख्यालय ने तबादला कर दिया है. इससे संबंधित अधिसूचना शनिवार को जारी कर दी गई है. पुलिस मुख्यालय के द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि आगामी लोकसभा चुनाव को देखते हुए भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर यह तबादला किया गया है. जिले के एसपी को निर्देश दिया गया है कि जिन सार्जेंट मेजर और मेजर का तबादला हुआ है, उन्हें विरमित करते हुए पुलिस मुख्यालय को प्रतिवेदन भेजना सुनिश्चित करेंगे.

नपे राज्य सेवा के अफसर होगी विभागीय कार्यवाही

रांची। सरकारी राशि के गबन के आरोप में राज्य प्रशासनिक सेवा के एक और अफसर पर गाज गिर गिर गई है. सरकार ने उनके खिलाफ विभागीय कार्यवाही चलाने का निर्णय लिया है. यह विभागीय कार्यवाही मांडर के तत्कालीन बीडीओ गोपी उरांव के खिलाफ चलेगी. गोपी उरांव पर स्वीकृत सिंचाई कूप निर्माण योजनाओं से संबंधित मस्टर रोल, जॉब डिमांड आदि कागजातों का बिना जांच पड़ताल किए और योजना स्थल के निरीक्षण किए बिना अधिक राशि का भुगतान का आरोप है. साथ ही सरकारी राशि का गबन एवं दुरूपयोग करने भी आरोप है.

भवन निर्माण विभाग की 1568 करोड़ की 12 योजनाएं इस वर्ष होंगी पूरी

तीन जिलों को मिलेंगे नए समाहरणालय भवन

अमित सिंह। रांची

झारखंड का भवन निर्माण विभाग 2024 में 1568.46 करोड़ की 12 योजनाओं का काम पूरा कर लेगा. राजधानी रांची को एटीआई बिल्डिंग और विधायकों की 70 रेसिडेंसियल बिल्डिंग इस वर्ष के नवंबर माह तक पूर्ण हो जाएंगी. वहीं जुलाई में 80 करोड़ की लागत से बन रहा कमांड कंट्रोल सेंटर का काम पूरा हो जाएगा. इसके साथ ही तीन जिले लोहरदगा, गुमला और देवघर को जुलाई 2024 तक नया समहरणालय भवन सौंपने का लक्ष्य है.

लोहरदगा और गुमला जिले को नए समहरणालय भवन के अलावा मार्च 2025 तक नयी कोर्ट बिल्डिंग भी समर्पित कर दी जाएगी. विभाग के आला अफसर इन निर्माण योजनाओं की खुद मॉनिटिरंग कर रहे हैं. रांची और गुमला में करीब 12 करोड़ की लागत से ईवीएम वार रूम का निर्माण अंतिम चरण में है. विभाग के जिम्मेवारों का कहना है कि वार रूम को किसी भी हाल में मई 2024 तक पूरा कर लिया जाएगा. गिरिडीह के सरिया में न्यू सब डिवीजनल रेसिडेंसियल बिल्डिंग को 29 फरवरी तक पूरा करने का लक्ष्य है.

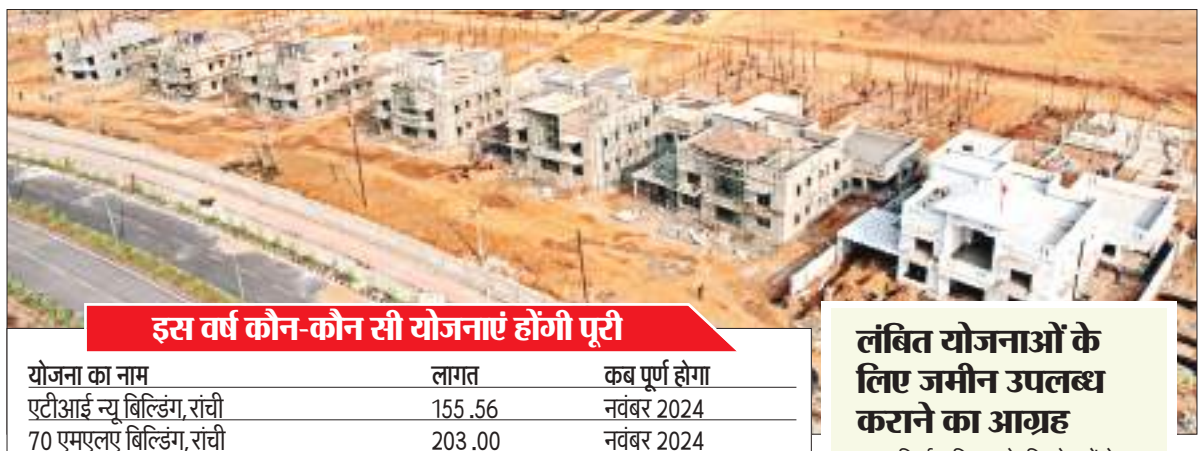

इस वर्ष कौन-कौन सी योजनाएं होंगी पूरी

योजना का नाम	लागत	कब पूर्ण होगा
एटीआई न्यू बिल्डिंग,रांची	155.56	नवंबर 2024
70 एमएलए बिल्डिंग,रांची	203.00	नवंबर 2024
कमांड कंट्रोल सेंटर, रांची	80.00	जुलाई 2025
ईवीएम वार रूम, रांची	7.57	मई 2024
झारखंड भवन, नई दिल्ली	84.00	तकरीबन कंप्लीट
लोहरदगा समाहरणालय भवन	45.81	जुलाई 2024
गुमला समाहरणालय भवन	50.78	जुलाई 2024
देवघर समाहरणालय भवन	52.53	जुलाई 2024
लोहरदगा कोर्ट(12) बिल्डिंग	20.15	मार्च 2025
गुमला कोर्ट(09) बिल्डिंग	19.49	मार्च 2025
न्यू सब डिविजन ऑफिस, सरिया	8.05	अप्रैल 2024
न्यू सब डिविजन ऑफिस, लोहरदगा	9.48	अप्रैल 2024
न्यू सब डिविजन ऑफिस, चास	9.19	अप्रैल 2024
न्यू सब डिविजन ऑफिस, जामताड़ा	8.81	अप्रैल 2024
न्यू सब डिविजन रेसिडेंसियल बिल्डिंग, सरिया	11.27	फरवरी 2024
ईवीएम वार रूम, गुमला	4.18	मई 2024

(नोट : लागत राशि करोड़ रुपए में है.)

लंबित योजनाओं के लिए जमीन उपलब्ध कराने का आग्रह

भवन निर्माण विभाग के जिम्मेवारों ने लंबित योजनाओं को पूर्ण कराने के लिए लगातर मॉनिटरिंग कर रहे हैं. साथ ही भूमि संबंधी विवादों को जल्द से जल्द दूर करने को कहा है. जमीन की वजह से लंबित योजनाओं के लिए भूमि उपलब्ध कराने का आग्रह राजस्व भूमि सुधार विभाग से किया गया है. गत वर्ष की करीब पांच योजनाएं जमीन की वजह से लंबित है, जिनको जल्द शुरू करने और जमीन के ट्रांसफर का काम कराने के लिए संबंधित अफसरों को जिम्मेवारी सौंपी गई है. भवन निर्माण विभाग ने चालू वित्तीय वर्ष 2023-24 में 631 करोड़ के बजट में से 522 करोड़ रुपए का आवंटन कर दिया है.

हाईकोर्ट ने सरकार व जल संसाधन विभाग से पूछा

निर्माण कार्य क्यों रोका

- स्वर्णरेखा बहुउद्देशीय परियोजना बंद करने खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई

संवाददाता। रांची

स्वर्णरेखा बहुउद्देशीय परियोजना साल 2020 से बंद है. सरकार अब तक उस परियोजना में 6.5 हजार करोड़ खर्च कर चुकी है. ऐसे में प्रार्थी संतोष कुमार सोनी ने झारखंड हाईकोर्ट में याचिका दाखिल कर परियोजना को अविलंब पूरा करने का आग्रह किया है. जिसपर हाईकोर्ट ने सुनवाई करते हुए राज्य सरकार और जल संसाधन विभाग से पूछा है कि कार्य को किस प्रकार से बाधित किया गया है. मामले की अगली सुनवाई 6 मार्च को होगी.

सिंचित जमीन के निर्माण के साथ पर्यटन और रोजगार भी होंगे सृजित

प्रार्थी की ओर से दायर याचिका में कहा है कि इस परियोजना से न सिर्फ कृषि के लिए सिंचित जमीन का निर्माण होगा, बल्कि पर्यटन और लोगों के रोजगार भी सृजित होंगे. क्योंकि यह एक बड़ी परियोजना है और इसे बिना कारण बताये बंद कर दिया गया. इसका निर्माण पूरा किया जाना चाहिए. आगे लिखा है कि स्वर्णरेखा बहुउद्देशीय परियोजना के लिए वर्ष 1978 में एकीकृत बिहार, ओडिशा और पश्चिम बंगाल सरकार के बीच एक त्रिपक्षीय समझौता भी हुआ है.

बिहार की तर्ज पर झारखंड के वित्त विभाग ने जारी किया संकल्प

झारखंड के आइएएस अफसरों को भी अब मिलेगा लैपटॉप व टैबलेट

रवि भारती। रांची

झारखंड सरकार ने ई-गवर्नेंस पर जोर दिया है. बिहार सरकार की तर्ज पर झारखंड कैडर के आइएएस अफसरों के साथ संयुक्त सचिव व अवर सचिव रैंक के अफसरों को लैपटॉप या टैबलेट दिया जाएगा. राज्य में यह व्यवस्था भारत सरकार के दिशा-निर्देश के आलोक में की जा रही है. बिहार में अफसरों को यह सुविधा उपलब्ध करा दी गई है. वित्त विभाग के सचिव प्रशांत कुमार द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि झारखंड में ई-गवर्नेंस के उद्देश्य की प्राप्ति के लिए अफसरों को लैपटॉप या टैबलेट की सुविधा दिये जाने का निर्णय लिया गया है.

खरीद की तिथि से चार साल तक रहेगी सरकारी संपत्ति: आदेश में कहा गया है कि लैपटॉप या टैबलेट के खरीद की तिथि से चार साल के लिये संबंधित उपकरण सरकारी सम्पत्ति रहेगी. इस दौरान उपकरण की सुरक्षा एवं डाटा की गोपनीयता एवं सुरक्षा की जिम्मेदारी संबंधित पदाधिकारी की होगी. चार वर्ष के दौरान लेपटॉप या टैबलेट के मरम्मत पर खर्च का वहन संबंधित विभाग के द्वारा किया जाएगा. संबंधित पदाधिकारी क्रय किये गये उपकरण का बीमा अपने खर्च पर कर सकेगा. विभाग के स्तर से बीमा के लिए राशि अनुनान्य नहीं होगी. चार साल की अवधि पूरी होने पर संबधित पदाधिकारी लैपटॉप या टेबलेट रिटेन कर सकेंगे. साथ ही संबंधित विभाग सुनिश्चित करेंगे कि उपकरण दिये जाने के पूर्व सभी आवश्यक एवं महत्वपूर्ण डाटा उपकरण से हटा दिये गये हैं.

मिलेगी सुविधा

- डाटा में हेराफेरी हुई तो जिम्मेदार होंगे अफसर
- चार साल तक के लिए किया जाएगा इसका उपयोग

चार साल के दौरान कोई नया लैपटॉप नहीं होगा आवंटित

किसी भी पदाधिकारी को लैपटॉप या टैबलेट उपलब्ध कराये जाने की स्थिति में अगले चार साल तक उस पदाधिकारी कोई नया लैपटॉप या टैबलेट आवंटित नहीं किया जाएगा. आवश्यकता के आधार पर उसे नया उपकरण आवंटित किया जा सकेगा. इसके लिए प्राधिकृत सर्विस सेंटर अथवा एएमसी एजेंसी से सर्टिफिकेट की आवश्यकता होगी. संबंधित पदाधिकारी का स्थानांतरण व प्रतिनियुक्ति होने की स्थिति में पदाधिकारी आवंटित लैपटॉप या टैबलेट का उपयोग करते रह सकेंगे. इसका अंकन संबंधित पदाधिकारी के अंतिम वेतन प्रमाण पत्र में किया जाएगा.

प्रति लैपटॉप कितना खर्च

वित्त विभाग द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि लैपटॉप या टैबलेट (दोनों में से कोई एक) आवश्यक सॉफ्टवेयर एवं एसोसिरिज के साथ क्रय के लिए अधिकतम एक लाख रुपए टैक्स के साथ अनुमान्य होगी. यद्यपि वैसे उपकरण जिनमें मेड इन इंडिया कोपोनेंट(उपकरण) की मौजूदगी 40 प्रतिशत से अधिक होगी, उन लैपटॉप या टैबलेट के क्रय के लिए अधिकतम 1.30 लाख रुपए की अधिसीमा अनुमान्य होगी.

तबरेज अंसारी मॉब लिंचिंग मामला

5 साल बाद मिला मुआवजा

संवाददाता। रांची

सरायकेला जिले में हुए तबरेज अंसारी मॉब लिंचिंग मामले में पांच साल बाद परिजनों को मुआवजा मिला है. राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग की अनुशंसा के बाद तबरेज की पत्नी सहिस्ता परवीन को दो लाख का मुआवजा दिया गया. इससे संबंधित आदेश झारखंड गृह विभाग ने जारी कर दी है. यह मामला 17 जून 2019 का है. तबरेज जमशेदपुर से अपने गांव वापस लौट रहा था. तभी सरायकेला इलाके के धातकीडीह गांव के कुछ लोगों ने उसे चोरी के आरोप में पकड़ लिया था. उसके बाद बिजली के खंबे में बांधकर उसकी पिटाई की थी. पुलिस ने तबरेज को चोरी के आरोप में जेल भेज दिया था. जहां उसकी तबीयत बिगड़ गयी और 22 जून 2019 को अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गयी थी.

10 दोषियों को दस साल की सजा सुनायी गयी : सरायकेला कोर्ट ने इस मामले में बीते पांच जुलाई 2023 को 10 दोषियों को दस साल की सजा सुनायी. साथ ही सभी पर 15 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है. सरायकेला सिविल कोर्ट के एडीजे-1 अमित शेखर की कोर्ट ने आईपीसी की धारा 304 के तहत दोषियों को सजा सुनायी. कोर्ट ने जिन 10 लोगों को दोषी करार दिया, उनमें भीम सिंह मुंडा, कमल महतो, मदन नायक, अतुल महाली, सुमंत महतो, विक्रम मंडल, चामू नायक, प्रेमचंद महाली और महेश महाली शामिल हैं.

राहुल की यात्रा को झारखंड में राजद का है पूर्ण समर्थन

संवाददाता। रांची

झारखंड राजद के प्रभारी जयप्रकाश नारायण यादव ने कहा कि राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा को पूर्ण समर्थन है. जयप्रकाश ने आरजेडी के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू यादव और पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव के निर्देशानुसार झारखंड राजद के सभी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को राहुल की पदयात्रा में शामिल होने और उनको पूर्ण समर्थन देने का निर्देश दिया है. उन्होंने कहा कि जिन राज्यों में पिछड़े, दलित और आदिवासी की सरकार है, भाजपा उसको अस्थिर करने पर लगी हुई है. भाजपा अराजक और सांप्रदायिक पार्टी है.

चंपई सोरेन को दी जयप्रकाश ने बधाई

जयप्रकाश नारायण यादव ने गठबंधन की सभी साथियों को धन्यवाद और बधाई दी. कहा कि उन्होंने एकजुटता दिखायी और जनमत का सम्मान किया. जयप्रकाश ने चंपई सोरेन को नये मुख्यमंत्री बनने पर भी बधाई दी. साथ ही आलमगीर आलम और राजद के सत्यानंद भोक्ता को भी मंत्री पद की शपथ लेने पर शुभकामनाएं दी.

कहा कि महागठबंधन की सरकार को गिराने का षड्यंत्र कर रही भाजपा को मुंह की खानी पड़ी.

मौसम अगले 2 दिनों में झारखंड में 2 से 3 डिग्री तक गिरेगा पारा

झारखंड में फिर बदलेगा मौसम का मिजाज

संवाददाता। रांची

झारखंड में अगले दो दिनों तक मौसम साफ रहेगा. सुबह में कोहरे के बाद धुप निकलने की संभावना है. जबकि मौसम शुष्क रहेगा. राज्य के दक्षिणी भागों में अगले 2 दिनों में न्यूनतम तापमान 2 से 3 डिग्री सेल्सियस गिर सकता है. जबकि अन्य भागों में तापमान में कोई खास बदलाव की संभावना नहीं है. हालांकि अगले दो दिनों के बाद झारखंड में मौसम का मिजाज बदलेगा. मौसम विभाग की मानें तो उत्तर भारत में पश्चिमी विक्षोभ बन रहा है. जिसकी वजह से अगले दो दिनों के बाद यानी 5 और 6 फरवरी को बारिश की संभावना है. मौसम विभाग के अनुसार, 5 फरवरी को राज्य के उत्तरी भागों में कहीं-कहीं गर्जन के साथ हल्के दर्जे की वर्षा हो सकती है. जबकि 6 फरवरी को राज्य के दक्षिणी, मध्य तथा उत्तर-पूर्वी भागों में कहीं-कहीं गर्जन के साथ हल्की बारिश की संभावना है. बारिश होने से लोगों को ठंड थोड़ी सताएगी.

शहर का तापमान

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
रांची	20.4	12.4
बोकारो थर्मल	21.5	13.6
गिरिडीह	21.0	12.0
जमशेदपुर	21.8	17.4
चाईबासा	22.4	14.2
गढ़वा	26.0	12.3
डाल्टनगंज	26.4	12.3
देवघर	23.7	13.0
गोड्डा	25.5	12.2

बीते 24 घंटे में मांडर और खूंटी में हुई है सबसे अधिक बारिश

पिछले 24 घंटे में राज्य में कुछ स्थानों पर बहुत हल्की से हल्के दर्जे की वर्षा हुई. सबसे अधिक वर्षा 15 मिमी मांडर (रांची) और मुर्हु (खूंटी) में दर्ज की गयी. राज्य के दक्षिणी एवं निकटवर्ती मध्य भाग में कहीं-कहीं मध्यम से घने दर्जे का कोहरा देखा गया. डाल्टनगंज में सबसे अधिक उच्चतम तापमान 26.4 डिग्री सेल्सियस, जबकि गिरिडीह में सबसे कम न्यूनतम तापमान 12.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया.

CLASSIFIED

जय मां शक्ति सह होमियो चिकित्सा केंद्र
डॉक्टर आर के पाठक
होमियोपैथिक दवा के द्वारा सभी रोगों का इलाज (सुबह 10 से 12, शाम 5 से 8 बजे तक)
सम्पर्क : 8409363623
कुम्हारपट्टी मनईटांड़, धनबाद

ज्ञान ज्योति मेमोरियल कॉलेज
एडमिशन ओपन
पी.डब्ल्यूडी चौक, हजारीबाग

HAZARIBAG COLLEGE OF DENTAL SCIENCES & HOSPITAL
SHRINIVAS INSTITUTE OF PARAMEDICAL SCIENCES
SHRINIVAS DIAGNOSTICS
Off. NH-33, Demotand, Hazaribag Jharkhand-825301 (India)
Call Us : 096015-25555, 06546-233409
Ranchi Office : 098351-12127
E-mail ID : hcds.hospital@gmail.com

रांची सेवा सदन
इंद्रपुरी चौक राजा बांग्ला हजारीबाग
24/7 सेवा उपलब्ध
• अनुभवी डॉक्टर
• एम्बुलेंस
• ओपीडी की सुविधा
संपर्क करें : संचालक असलम रजा फोन : 88253-17932

श्री गणेश नर्सिंग होम
लोअर चुटिया, रांची, फोन : 9835588850
Dr. Randhir Kumar
M.B.B.S., D. Ortho
Ms (General Surgery), FIAGES
Ex-Resident (Neurosurgery) RIMS
24 Hours Emergency Pathology Service
(Home Collection also available here)
Vaccination Facility Child
इशानी मेडिकल हॉल
यहां सभी तरह की दवाएं उचित मूल्य पर दी जाती है।

बैष्णवी हार्डवेयर एण्ड प्लाई
हमारे यहां भवन निर्माण और रंगरोगन से संबंधित सभी सामान उचित मूल्य पर उपलब्ध है।
प्रो0 विवेक कुमार गुप्ता गैरेज लेन, मेन रोड चंदवा

इंटर साइंस कॉलेज
कोर्रा जबरा रोड हजारीबाग
शत प्रतिशत सफल रिजल्ट
प्रत्येक वर्ष दर्जनों टॉपर

आईजीएम पब्लिक स्कूल
संपर्क करें
आईजीएम पब्लिक स्कूल
कोलघटी पुरनी तालाब हजारीबाग
फोन : 8002411585
नामांकन जारी नर्सरी टू ट्वेल्थ

BAKSHI HEALTH CARE & DIAGNOSITC CENTRE
4D COLOR ULTRASOUND | ECG | OPD | PATHOLOGY
All Types of Surgery Male & Female
डॉ मिसेज बी. के. बक्सी M.B.B.S., DGO, GYNECOLIGIST SURGEON, GENERAL PHYSSICIAN, SONOLOGIST
स्त्री रोग विशेषज्ञ एवं सर्जन
नॉर्मल डिलीवरी मात्र 10,000/-
हाइड्रोसील ऑपरेशन 12,000/-
ऑपरेशन डिलीवरी मात्र 25,000/-
हर्निया ऑपरेशन 20,000/-
College Road GHATSILA
For Quiery Please Call 9199504443

ओएसिस स्कूल
सीबीएसई मान्यता प्राप्त नई दिल्ली
नामांकन के लिए संपर्क करें
ओएसिस स्कूल
कल्लू चौक मंडई रोड हजारीबाग
नामांकन जारी

मणिपाल मोन्टेसरी हाई स्कूल
नामांकन जारी
प्ले ग्रुप से दसवीं कक्षा तक
सीबीएसइ पाठ्यक्रम
गैस गोदाम रोड, मंडईकला, हजारीबाग, संपर्क : 9693535747

R.C. Mission Residential School
Admission Open
छात्रावास में सुविधाएं :
Minku Kumar Director

वीणा जनरल हॉस्पिटल
24 HOUR
एम्बुलेंस
इमरजेंसी
ओपीडी के अलावे
अनेक सुविधा उपलब्ध
डॉक्टर एके तिवारी
चानो रोड, हजारीबाग

EDUCATION TO-LET BUSINESS REAL ESTATE RECRUITMENT MATRIMONY & Many More
Book your CLASSIFIED ADS IN हिन्दी दैनिक शुभम संदेश
Contact : 9835511272, 9905709361, 9546277001, 7004715743

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | रविवार, 04 फरवरी 2024 ● माघ कृष्ण पक्ष 10, संवत 2080 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 1, अंक : 287 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

हैदराबाद रिजॉर्ट में झारखंड के विधायकों की कड़ी पहरेदारी

शुभम संदेश नेटवर्क। हैदराबाद

झारखंड के विधायकों को हार्स ट्रेडिंग से बचाने के लिए यहां रिजॉर्ट में उनके खानपान के लिए अलग स्थान, कमरों की पहरेदारी की खातिर जवान तैनात किये गए हैं. विधायक 2 फरवरी को रांची से निजी उड़ान से यहां पहुंचे थे. उन्हें शामरीपेट के लियोनिया होलिस्टिक डेस्टिनेशन ले जाया गया.

करीब 40 विधायकों को कांग्रेस की तेलंगाना प्रभारी दीपा दास मुंशी की निगरानी में ओ बिज ब्लॉक में ठहराया गया है. अनधिकृत प्रवेश को रोकने के लिए व्यापक तैयारी की गई है. रिजॉर्ट में जिस तल पर विधायकों का ठहराया गया है वहां जाने के लिए केवल एक लिफ्ट का उपयोग हो रहा है. विधायक के अलावा केवल अधिकृत व्यक्ति ही इसका इस्तेमाल कर सकते हैं. कोई भी व्यक्ति वहां नहीं जा सकता, जहां विधायकों को ठहराया गया है. पुलिस अधिकारी निकास और प्रवेश द्वारों की 24 घंटे पहरेदारी कर रहे हैं. विधायकों के कमरों की पुलिस कर्मी पहरेदारी कर रहे हैं और अनधिकृत निकास या प्रवेश वर्जित है. साथ ही, पहली मंजिल पर विधायकों के खान-पान के लिए अलग स्थान है, जहां अन्य अतिथि नहीं जा सकते. डाइनिंग हॉल की भी पुलिस कर्मी कड़ी सुरक्षा कर रहे हैं. सूत्रों ने बताया कि मोबाइल अब भी विधायकों के पास हैं और रिजॉर्ट में सादे लिबास में पुलिस कर्मी हैं. झारखंड में झामुमोनीत सत्तारूढ़ गठबंधन के 40 विधायक शुक्रवार को विमान से यहां आए थे.

विश्वास मत से पहले उनकी खरीद-फरोख्त करने का भाजपा द्वारा प्रयास किये जाने की आशंका के चलते यह कदम उठाया गया. पुलिस ने रिजॉर्ट की ओर जाने वाली सहायक सड़क पर अवरोधक लगाये हैं और वाहनों का प्रवेश निषिद्ध कर दिया है. कांग्रेस की तेलंगाना इकाई के सूत्रों ने कहा कि झारखंड के विधायक 5 फरवरी को रांची के लिए रवाना होंगे, जब चंपई सोरेन सरकार विश्वास मत का सामना करेगी.

- परिंदा भी नहीं मार सकता पर, चप्पे-चप्पे पर पुलिस के जवान तैनात
- कांग्रेस की तेलंगाना प्रभारी दीपा दासमुंशी की निगरानी में हैं विधायक

पेड़ पर फांसी के फंदे से युवक-युवती के शव बरामद

धुरकी (गढ़वा)। थाना क्षेत्र अंतर्गत गनियारी कला पंचायत के गनियारी खूर्द गांव के जोगिया खांड टोले में जामुन के पेड़ में दो-दो शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई है. शव की पहचान जोगिया खांड टोला निवासी मुंद्रिका सिंह के 19 वर्षीय पुत्र सुनील सिंह एवं उसी टोले के कुलदीप सिंह की 18 वर्षीया पुत्री प्रियंका कुमारी के रूप में की गई है. जानकारी के अनुसार मृतक कुलदीप सिंह के घर टेंट साउंड का ट्रैक्टर चालक का कार्य 3-4 वर्षों से कर रहा था. शव को सबसे पहले ग्रामीणों ने देखा. इसके बाद इसकी सूचना धुरकी पुलिस को दी गई. सूचना मिलते ही धुरकी थाना प्रभारी सन्तोष कुमार रवि दल बल के साथ मौके पर पहुंच कर शव को पंचनामा कर अंत्यपरीक्षण के लिए सदर अस्पताल भेज दिया. घटना के संबंध में थाना प्रभारी ने बताया कि गनियारी खूर्द गांव के जोगिया खांड टोले से जंगल से जामुन का एक पेड़ पर फांसी के फंदे में झूलते हुए युवक और युवती शव बरामद किया गया है. शव की पहचान हो गई है.

स्थापना दिवस को लेकर पार्टी नेताओं में छिड़ी होर्डिंग लगाने की जंग

झामुमो जिलाध्यक्ष-सचिव की होर्डिंग से सीएम गायब

संवाददाता। धनबाद

झामुमो के स्थापना दिवस कार्यक्रम एवं राहुल गांधी के शनिवार की रात धनबाद में कार्यक्रम को लेकर पूरे शहर में होर्डिंग लगाई गई है. झामुमो के जिलाध्यक्ष लखी सोरेन एवं सचिव मन्नु आलम के होर्डिंग से झारखंड के मुख्यमंत्री चंपई सोरेन ही गायब हैं. शहर में झामुमो के जिलाध्यक्ष एवं सचिव द्वारा लगाए होर्डिंग में पूर्व सीएम हेमंत सोरेन एवं शिबू सोरेन तो दिख रहे, पर मौजूदा सीएम चंपई सोरेन ही नदारत हैं. सीएम को होर्डिंग से दरकिनार करने की मंशा समझ से परे है. जबकि इन्ही की पार्टी के अन्य कुछ नेताओं के होर्डिंग में चंपई सोरेन दिख रहे हैं. लखी सोरेन एवं मन्नू आलम द्वारा शहर के बीचोंबीच रणधीर वर्मा चौक एवं नगर निगम कार्यालय के पास लगाए होर्डिंग में मुख्यमंत्री नहीं दिख रहे हैं. इस बाबत पूछने पर जिलाध्यक्ष लखी सोरेन ने कहा कि शनिवार की रात लगने वाले होर्डिंग में चंपई सोरेन दिखेंगे.

दिख सकती है पार्टी की अंतर्कलह

झामुमो के स्थापना दिवस कार्यक्रम में पार्टी का अंतर्कलह दिखने की प्रबल संभावना है. हेमंत सोरेन के इस कार्यक्रम में शामिल नहीं होने से अंतर्कलह दिखने की संभावना और बढ़ जाती है. बता दें कि शुक्रवार को झामुमो द्वारा बुलाई आपात बैठक में झामुमो नेता आजाद मुखिया ने खुलेआम जिलाध्यक्ष लखी सोरेन एवं सचिव मन्नू आलम के खिलाफ संगीन आरोप लगाए थे. आजाद ने कहा था कि जिलाध्यक्ष एवं सचिव द्वारा पैसे लेकर पद का बंटवारा ऐसे लोगों को दिया गया है जिनकी पार्टी में भूमिका बहुत कम रही है. आजाद ने आरोप लगाया था कि जिलाध्यक्ष एवं सचिव द्वारा मनमाना रवैये से पार्टी चलाया जा रहा है. 4 फरवरी को भीड़ जुटाने के मुद्दे पर आजाद ने कहा था कि जिन नेताओं के पास जनबल है, उन्हें दरकिनार किया जा रहा है. ऐसे में हेमंत सोरेन की अनुपस्थिति में पार्टी का अंतर्कलह मैदान से लेकर स्टेज तक पर दिखने की संभावना है.

बाबा बागेश्वर के कार्यक्रम को लेकर असमंजस में है प्रशासन

संजीत यादव। पलामू

हाइकोर्ट के आदेश के बाद भी बागेश्वर धाम के प्रमुख धीरेंद्र शास्त्री का पलामू के चैनपुर में आगमन को ले अड़चनें है. जिसको लेकर असमंजस की स्थिति है. धीरेंद्र शास्त्री के कार्यक्रम के आयोजन को लेकर सरकार और जिला प्रशासन से अब तक अनुमति नहीं मिली है.

सरकार और जिला प्रशासन से अनुमति नहीं मिलने का कारण सुरक्षा व्यवस्था बतायी जा रही है. कहा जा रहा है कि बाबा बागेश्वर का दरबार चैनपुर और रामगढ़ के बॉर्डर पर लगना है. जो नक्सल प्रभावित इलाका है. बाबा बागेश्वर की सुरक्षा में 300 से 500 निजी और सरकारी सुरक्षाकर्मी तैनात किए जाते हैं.

पलामू के चैनपुर के सटे रामगढ़ थाना नक्सल प्रभावित क्षेत्र है, इस वजह से 700 से अधिक सुरक्षाबलों को तैनात करना होगा. लेकिन पलामू में पर्याप्त पुलिस जवान नहीं हैं. पलामू पुलिस की मानें तो वर्तमान में पलामू जिले में करीब 1300 पुलिस जवान हैं. इसमें से 350 से अधिक जवान ट्रेनिंग में हैं. जिसको छोड़ कर अभी करीब 900 जवान पलामू में तैनात हैं. इसमें से 700 से अधिक जवान नक्सल अभियान में लगे हुए हैं.

खास बातें

- जिले में पुलिस के 900 जवान ही तैनात, कहां से आएगी फोर्स
- बाबा को वीवीआईपी का दर्जा, चाहिए 700 जवान
- मजिस्ट्रेट की भी तैनाती होगी, जिसमें 3-4 आईएएस भी होंगे

बाबा बागेश्वर धाम के कार्यक्रम में क्या है अड़चन

बाबा वीवीआईपी श्रेणी में आते हैं. उन्हें वाई श्रेणी की सुरक्षा मिली है. उनके कार्यक्रम में लाखों की भीड़ जुटेगी. वहीं पलामू पुलिस के पास बाबा के कार्यक्रम के लिए पर्याप्त सुरक्षा बल नहीं हैं. बाबा की सुरक्षा को लेकर कई मजिस्ट्रेट की भी तैनाती करनी होगी. इनमें तीन से चार आईएएस भी होंगे. सभी मजिस्ट्रेट लोकसभा चुनाव की तैयारी लगे हैं. पलामू जिला प्रशासन का मानना है कि बाबा के कार्यक्रम में लाखों श्रद्धालु पहुंचेंगे. इससे विधि-व्यवस्था की समस्या उत्पन्न हो सकती है. जिस कारण जिला प्रशासन सुरक्षा मुहैया कराने को लेकर हाथ खड़े कर रहा है.

प्रशासन लगातार कर रहा कार्यक्रम पर मंथन

बाबा के कार्यक्रम को लेकर मुख्य सचिव, डीजीपी, डीसी और एसपी लगातार आपस में मंथन कर रहे हैं. इधर चैनपुर में 10-15 को कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए आयोजन समिति ने तैयारी भी शुरू कर दी है. संयोजक अरुणा शंकर ने बताया कि हमारी टीम बाहर से आए एक्सपर्ट के साथ बिजली, पानी, सड़क, शौचालय, पार्किंग, रोज एक लाख लोगों के प्रसाद एवं 2 लाख लोगों के बैठने की व्यवस्था की समीक्षा कर रही है. उन्होंने कहा कि हमारी टीम रात दिन एक करके कार्यक्रम को मूर्त रूप देने का काम कर रही है. बाबा जरूर आएंगे.

नरेंद्र मोदी को आडवाणी ने बचाया था: जयराम

दुमका/ रांची। भारत जोड़ो न्याय यात्रा को लेकर कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश, राहुल गांधी के साथ झारखंड दौरे पर हैं. शनिवार को उन्होंने मीडिया से बातचीत में

लाल कृष्ण आडवाणी को भारत रत्न देने पर कहा कि लाल कृष्ण आडवाणी नें 2002 में नरेंद्र मोदी को बचाया था. उस वक्त तत्कालीन पीएम अटल बिहारी वाजपेयी ने उन्हें राजधर्म भी याद कराया था. वे उन्हें पद से हटाने वाले भी थे. जब 2014 में नरेंद्र मोदी पीएम पद के लिए नामांकन दाखिल करने जा रहे थे, तब लालकृष्ण आडवाणी ने नरेंद्र मोदी को बेस्ट इवेंट मैनेजर बताया था. उधर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने इस पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि इस फैसले का हम स्वागत करते हैं.

झारखंड के भविष्य के लिए ठीक नहीं है परीक्षा में धांधली

सीजीएल परीक्षा की हो सीबीआई जांच: गोप

सुकेश। चाईबासा

आंबेडकराइट पार्टी ऑफ इंडिया के सिंहभूम लोकसभा प्रभारी रामहरि गोप ने कहा कि झारखंड सामान्य स्नातक योग्यताधारी संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा 2023-24 के अंतर्गत विगत 28 जनवरी को आयोजित की गई परीक्षा पर बड़े पैमाने पर धांधली सामने आया है. यह निश्चित रूप से झारखंड की स्वस्थ भविष्य के लिए बिल्कुल भी ठीक नहीं है. ऐसे ना जाने कितनी धांधली उससे पहले भी होती रही है और इसका पुख्ता सबूत नहीं होने के कारण मेहनतकश झारखंडी छात्र आरोप लगाने में नकाम रहे है, इसलिए राज्य के नए घटित चंपई सरकार को इस धांधली का सीबीआई जांच करवा कर दोषियों को नए कानून के तहत 10 करोड़ रुपया का जुर्माना और करावास का सजा मिले.

ताकि झारखंड के लगभग तीन करोड़ लोगों को न्याय मिल सके. क्योंकि ऐसे कोई भी कार्य विभागीय पदाधिकारी का संलिप्त के बगैर ऐसी अनुचित गतिविधियां किसी भी प्रकार से नहीं हो सकती है.

इस परीक्षा की धांधली में निश्चित तौर पर बड़े पैमाने पर विभागीय पदाधिकारी का संलिप्त से ही संभव होता है. इसीलिए झारखंड लोक सेवा आयोग और झारखंड कर्मचारी चयन आयोग की विश्वसनीयता और साख बनाए रखने के लिए निश्चित तौर पर राज्य के मुखिया को सीबीआई जांच करवा कर दोषियों को कठोर से कठोर सजा दी जाए.

कोल्हान स्टुडेंट यूनियन ने भी की जांच की मांग

कोल्हान स्टूडेंट यूनियन ने पेपर लीक केस की जांच सीबीआई से करवाने की मांग की है. इसके लिये यूनियन के पदाधिकारियों ने निदेशक, केंद्रीय जांच ब्यूरो के नाम उपायुक्त कार्यालय में ज्ञापन सौंपा. ज्ञापन में पेपर लीक मामले में जेएसएससी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई किये जाने की मांग की गयी है. मौके पर यूनियन के शिशिर बिरुवा, योगेश देवगम, गुरा सिंकु, दीपक बास्के, संजय सारील देवगम, बोंगा लागुरी आदि मौजूद थे.

ग्रीनकार्ड धारियों को नहीं मिला है 9 माह का राशन

धनबाद। चार साल पूर्व जिले में राज्य सरकार द्वारा शुरू की गई ग्रीनकार्ड योजना की स्थिति ठीक नहीं है. 15 नवंबर 2020 से लेकर अभी तक इस योजना के लाभुकों को नियमित राशन नहीं मिला है. हर छह, सात माह बाद योजना बंद हो जाती है, जिसके कारण लाभुक राशन लेने से वंचित रह जाते हैं. वर्तमान में अभी सिर्फ अप्रैल माह का राशन मिला है. महुदा निवासी अतिसी चौधरी ने बताया कि हमें तो साल में सिर्फ एक बार ही राशन मिलता है. एक बार राशन लेने के बाद पीडीएस डीलर्स ही कहता है कि जाओ अब अगले साल आना. वहीं साहिल अंसारी, जानी बाबू अंसारी, अब्दुल कलाम अंसारी ने कहा कि अभी तक तो 9 महीने का राशन नहीं मिला है. डीलर्स कहता है कि सरकार ही बकाया नहीं दे रही है, तो क्या करें, जब बकाया राशन आएगा तभी मिलेगा.

बढ़ा दबाव सरकार में मंत्री बनने के लिए विधायकों की तरफ से बढ़ने लगा दबाव

हो आदिवासी विधायक सिंकू को मंत्री बनाने की मांग

संवाददाता। किरीबुरु

आजसू पार्टी के अलग राज्य के आंदोलन से पनपे आंदोलनकारी सह जगन्नाथपुर विधानसभा क्षेत्र से विधायक सोनाराम सिंकू को पूर्व सीएम मधु कोड़ा एवं सांसद गीता कोड़ा की कड़ी मेहनत और जनता के आशीर्वाद से विधायक बने हैं. सोनाराम सिंकू अलग झारखंड राज्य की मांग करने के क्रम 18 महीने तक ओडिशा के चंपुआ जेल में बंद रहे थे. हाल ही में झारखंड सरकार व उपायुक्त की तरफ से उन्हें प्रशस्ति-पत्र देकर झारखंड आंदोलनकारी से सम्मानित भी किया गया. सोनाराम सिंकू अपने

चार साल के कार्यकाल में अपनी कार्यशैली से जनता के बीच काफी लोकप्रिय हैं. वे लोगों के साथ सदैव खडे. रहते हैं. चौक-चौराहे, चाय दुकान आदि कहीं भी बैठकर जनता

की समस्याओं से जुडे. आवेदन पर तत्काल स्टांप (मोहर) लगाकर संबंधित विभाग को समाधान के लिए अनुशंसा कर देते हैं. उनके इसी स्वभाव के कारण सभी वर्ग व पार्टियों के लोग उन्हें काफी पसंद करते हैं.

महागठबंधन की सरकार में विधायक सोना राम सिंकु को कोल्हान से कांग्रेस पार्टी के कोटा में आदिवासी समाज के हो समुदाय से मंत्री बनाने की मांग सिंहभूम जिला से सभी वर्ग के लोग महागठबंधन के नेता और पार्टी के राष्ट्रीय नेताओं से कर रहें हैं.

सिंकू को मंत्री बनाने पर हो रहा विचार

पार्टी सूत्रों की मानें तो सिंकू को मंत्री बना कर कोड़ा दंपती के भाजपा में जाने की चर्चा पर पूर्ण विराम लगाने पर भी विचार विमर्श किया जा है. सूत्रों से यह भी जानकारी मिली है कि कांग्रेस पार्टी के प्रदेश और जिला कमेटी द्वारा भी सिंकू को मंत्री बनाए जाने का दबाव बनाया जा रहा है. जिले के मुस्लिम समुदाय अपने संगठन अंजुमन इस्लामिया और आदिवासी समाज हो महासभा की ओर से सिंकू को मंत्री बनाने की मांग कांग्रेस की पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनिया गांधी, कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और कांग्रेस पार्टी के झारखंड प्रभारी मीर से मांग की है. सूत्रों की मानें तो ईसाई समुदाय के दो पादरी ने भी दिल्ली पार्टी मुख्यालय में बात रखी है.

ब्रीफ खबरें

धनबाद में पांच डीएसपी ने पदभार ग्रहण किया

धनबाद। धनबाद में शनिवार को पांच नए डीएसपी ने अपने पद पर योगदान दे दिया है. डीएसपी विधि व्यवस्था अरविंद कुमार बिन्हा ने नए डीएसपी दीपक कुमार को पदभार दिया. जबकि हेडक्वार्टर वन डीएसपी अमर पांडेय ने शंकर कामती को पदभार दिया. हेडक्वार्टर टू के नए डीएसपी संदीप कुमार गुप्ता ने पदभार लिया है. इधर बाघमारा डीएसपी निशा मुर्मू ने नए डीएसपी महेश प्रजापित को पदभार दिया. सिंदरी डीएसपी के तौर पर भूपेंद्र रावत ने भी पदभार ले लिया है. उक्त सभी डीएसपी ने धनबाद में कानून का राज स्थापित करने की बात कही.

अपराधियों पर नकेल कसी जाएगी : डीएसपी

कतरास। डीएसपी महेश प्रजापति ने शनिवार को बाघमारा के नए डीएसपी के रूप में पदभार ग्रहण किया.उन्होंने निवर्तमान डीएसपी निशा मुर्मू से प्रभार लिया. डीएसपी महेश प्रजापति ने कहा कि वे क्षेत्र में विधि-व्यवस्था सुदृढ़ रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं.अपराध व अपराधियों पर पूरी तरह नेकेल कसा जाएगा.कहा गया कि इसके लिए क्षेत्र के लोगों से सहयोग की अपेक्षा है. डीएसपी ने कहा कि वे लोगों के साथ तालमेल स्थापित कर क्षेत्र की विधि - व्यवस्था को एक नया आयाम देने की पूरी कोशिश करेंगे.

नए जिला अवर निबंधक तिग्गा ने पदभार संभाला

धनबाद। जिला निबंधन कार्यालय में शनिवार को नए अवर निबंधक रामजी तिग्गा ने पदभार ग्रहण किया. उन्होंने बताया कि हमारा मुख्य कार्य राजस्व संग्रह का होता है, उस पर हमारा मुख्य फोकस रहेगा. निबंधन कार्यालय में जहा तक दलालों और अन्य बाहरी लोगों की जमावड़े की बात है, उसके लिए डीसी तथा राजस्व से जुड़े अन्य पदाधिकारियों के साथ इसके स्थाई समाधान की दिशा में कार्य किया जाएगा. साथ ही लोगों को भी जागरूक करने का काम किया जाएगा ताकि वे दलालों के चुंगल में न फंसे, पारदर्शी तरीके से उनका काम पूरा हो.

समारोह में विद्यार्थियों को दी गई विदाई

महुदा। उत्क्रमित उच्च विद्यालय कुंजी में दशम वर्ग के छात्र-छात्राओं को एक भव्य समारोह कर विदाई दी गई. इस विदाई समारोह में छात्र-छात्राओं की ओर से रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया. विद्यालय की प्रधानाध्यापिका रागिनी कुमारी ने बच्चों के लिए एक कविता ''नए रास्ते खोजने को कुछ नया कर दिखाने को परिंदे आज उड़ चले'' सुनाकर पूरे माहौल को भाव विभोर कर दिया. उन्होंने छात्र-छात्राओं को परीक्षा में उनकी सफलता की कामना की तथा उनके उज्जवल भविष्य के लिए उन्हें शुभकामनाएं दी.साथ ही कहा कि वे कड़ी मेहनत करते रहें ताकि अपनी मंजिल हासिल कर सकें.

देवघर में पूजा-अर्चना कर धनबाद के लिए निकले थे, उमड़ी भीड़

राहुल पहुंचे टुंडी, आज रोड शो, बैंकमोड़ में जनसभा

संवाददाता। धनबाद

कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा शनिवार देर शाम करीब सात बजे पूर्वी टुंडी के हलकट्टा पहुंची. मौके पर प्रशासनिक व पुलिस अधिकारी समेत काफी संख्या में पुलिसकर्मी मौजूद थे.राहुल रात में कांग्रेसी नेताओं के साथ विचार-विमर्श और विश्राम करने के बाद रविवार को रणधीर वर्मा से बैंकमोड़ तक रोड शो करेंगे. बैंकमोड़ में ही दोपहर में राहुल गांधी जनसभा को संबोधित करेंगे. सूत्रों के अनुसार राहुल गांधी के धनबाद आने को लेकर टुंडी में तीन दिन पहले से ही सुरक्षा व्यवस्था का पुख्ता इंतजाम किए गए हैं. शनिवार को भी एक्सप्लोसिव डिटेक्टर से हलकट्टा में जमीन के नीचे बम होने की आशंका को लेकर जांच की गई. खोजी कुत्ता को भी मंगाया गया, जिसकी मदद ली गई. एसएसपी एचपी जनार्दनन ने भी पुलिस टीम के साथ टुंडी से लेकर बैंकमोड़ होते हुए तेलमच्चो तक रूट का जायजा लिया. इस दौरान पुलिस अधिकारियों व जवानों को कई दिशा-निर्देश दिए. टुंडी से लेकर तेलमच्चो तक सुरक्षा व्यवस्था का पुख्ता इंतजाम रहेगा. रोड शो के दौरान गोविंदपुर मोड़ से लेकर रणधीर वर्मा होकर बैंकमोड़ तक नो एंट्री रहेगी. सुबह नौ बजे से दोपहर तक सभी तरह के वाहनों पर रोक लगायी गई है. राहुल गांधी गोविदपुर से सरायढेला,रणधीर वर्मा चौक, डीआरएम मोड़, पूजा टाकीज, श्रमिक चौक होते हुए बैंक मोड़ पहुंचेंगे. जहां जनसभा को संबोधित कर आम जनों की मन की बात भी सुनेंगे. फिर न्याय यात्रा बैंकमोड़ से मटकुरिया, केंदुआ, पुटकी, लालबंगला, महुदा होते हुए तेलमच्चों के रास्ते बोकारो के लिए प्रस्थान करेंगे. इस दौरान विभिन्न स्थानों पर आम जनता सहित कांग्रेस कार्यकर्ताओं की ओर से राहुल गांधी का भव्य स्वागत किया जाएगा. उक्त जानकारी धनबाद जिला अध्यक्ष संतोष सिंह ने दी. वहीं न्याय यात्रा कार्यक्रम को लेकर जिला प्रशासन के द्वारा रूट निर्धारण किया गया है.

खूब लगे मोदी जिंदाबाद, जय श्रीराम के नारे

धनबाद। कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष सह-कांग्रेस सांसद राहुल गांधी भारत जोड़ो न्याय यात्रा के 21वें दिन शनिवार को देवघर पहुंचे. वे बाबा वैद्यनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना की. राहुल इस दौरान गुलाबी धोती पहने और माथे पर चंदन लगाए नजर आए. जब मंदिर से निकले तो वहां मौजूद लोगों ने नरेंद्र मोदी जिंदाबाद, राहुल गांधी मुर्दाबाद के साथ-साथ जय श्रीराम के नारे लगाए. फिर शाम को देवघर से धनबाद के लिए रवाना हो गए. देवघर से पहले राहुल की यात्रा गोड्डा से शुरू हुई. सरकंडा में उन्होंने लोगों से बातचीत में भाजपा और आरएसएस पर नफरत फैलाने और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर अरबपतियों का कर्ज माफ करने का आरोप लगाया.

राहुल की एक झलक के लिए बेताब थे लोग

राहुल गांधी के एक झलक पाने के लिए लोग बेताब दिखे. सड़क पर भारी जनसैलाब के साथ साथ घरों के छत पर भी लोग खड़े थे. सभी राहुल गांधी की एक झलक पाने के लिए बेताब थे. राहुल ने खुली जीप से हाथ हिलाकर लोगों का अभिवादन स्वीकार किया. साथ ही सभा में संबोधन के प्रारंभ में उन्होंने मौजूद लोगों का हालचाल भी लिया. टावर चौक से लेकर वीआईपी चौक तक सड़क के दोनों ओर खड़े लोगों को नियंत्रित करने के लिए पुलिस के जवानों को काफी मशक्कत करनी पड़ी. राहुल का भाषण लोगों को काफी पसंद आया है.

राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा को लेकर बनाए गए 345 पोस्ट

पुलिस का आज भी सख्त पहरा

संवाददाता। धनबाद

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के नेता राहुल गांधी के प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर डीसी वरुण रंजन, एसएसपी हृदीप पी जनार्दन एवं अनुमंडल पदाधिकारी उदय रजक ने शनिवार को संयुक्त आदेश जारी किया.संयुक्त आदेश में बताया गया कि कारकेड एवं सुरक्षा व्यवस्था, मोटरसाइकिल दस्ता, एंबुलेंस, स्वास्थ्य, चिकित्सा व्यवस्था, अग्निशमन वाहन, रूट लाइनिंग, ट्रैफिक व्यवस्था के अलावा अन्य बिंदुओं पर दिशा निर्देश दिए गए हैं.करमदाहा पुल से लेकर तेलमच्चो ब्रिज तक 345 पुलिस पोस्ट बनाए गए हैं. हर पुलिस पोस्ट में पुलिस कर्मी उपस्थित रहेंगे. इसके अलावा जिला नियंत्रण कक्ष 3 फरवरी की शाम 4:00 बजे से 4 फरवरी की शाम 4:00 बजे तक कार्यरत रहेगा.

मुख्यमंत्री आज धनबाद में

धनबाद। झारखंड मुख्यमंत्री चम्पई सोरेन झामुमो के स्थापना दिवस में शामिल होने आज धनबाद आएंगे. गोल्फ ग्राउंड में होने वाले स्थापना दिवस कार्यक्रम में शामिल होने चम्पई सोरेन धनबाद आ रहे हैं. स्थापना दिवस कार्यक्रम में दिशोम गुरु शिबू सोरेन, विनोद पांडेय, फागु बेसरा, सुदिव्य सोनू आदि नेता शामिल होंगे. बरवाअड्डा हवाई अड्डा से मेमको मोड़, सिटी सेंटर होते हुए वह गोल्फ ग्राउंड पहुंचेंगे. इस दौरान इस रूट पर सामान्य यातायात पर पाबंदी लगाई गई है. मुख्यमंत्री की वापसी के बाद सामान्य यातायात बहाल कर दिया जाएगा.

चार जगह बनाये गए पार्किंग स्थल: गोल्फ ग्राउंड में झामुमो के स्थापना दिवस कार्यक्रम को लेकर कार्यक्रम स्थल तक गाड़ियों के पहुंचने पर पाबंदी लगाई गई है.

ड्रॉप गेट रहेंगे

बैंक मोड़ से पुराना बाजार जाने वाली सड़क पर, ओवर ब्रिज के बगल में दोनों तरफ, सेंट्रल बैंक जाने वाले कट, मटकुरिया चेक पोस्ट के पास ड्रॉप गेट रहेंगे .वहीं करमदाहा पुल से तेलमच्चो ब्रिज तक गश्ती दल तैनात रहेंगे. साथ ही गांधी की चिकित्सा व्यवस्था शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में की गई है.

पदाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति

राहुल गांधी के रात्रि विश्राम स्थल हलकट्टा मैदान की सुरक्षा के लिए हलकट्टा मैदान के मुख्य प्रवेश द्वार, बीएन होटल, फतेहपुर मोड़, पगला मोड़, रामपुर रोड, रामपुर जाने वाले रास्ते में निर्माणाधीन पुलिया, कार्यक्रम स्थल के पीछे, कार्यक्रम स्थल के मैदान, गोविंदपुर जामताड़ा रोड, बिरसा चौक, जेडी कुमार बिल्डिंग, पुराना बाजार जाने वाली सड़क, सिटी स्टाइल बिल्डिंग सहित अन्य चिह्नित स्थानों पर दंडाधिकारी व पुलिस पदाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति की गई है.

गंदा है पर धंधा है

नहीं करेंगे होशियारी तो खरीदारी पड़ जाएगी भारी

- आपके परिवार की सेहत-पैसा दोनों को निगल रहे नकली प्रोडक्ट
- ब्रांडेड सामान के नकली प्रोडक्ट की जमकर हो रही खरीद-बिक्री
- खाने-पीने से लेकर इलेक्ट्रानिक उत्पाद के नकली सामान की भरमार

रिजवान शम्स। धनबाद

धनबाद में नकली प्रोडक्ट की खरीदारी न सिर्फ जेब बल्कि सेहत पर भी भारी पड़ रही है. नकली सामानों का धंधा करने वाले खूब फल-फूल रहे हैं. यहां खाने-पीने के सामानों से लेकर सौंदर्य प्रसाधन और इलेक्ट्रानिक उत्पाद तक नकली बेचे और खरीदे जा रहे हैं. शुक्रवार को ही दिल्ली से आई टीम ने धनबाद शहर में दो दुकानदारों के खिलाफ थाने में टाइटन और फास्टट्रैक की नकली घड़ियां बेचने का मुकदमा दर्ज कराया है. दोनों दुकानों से 314 पीस नकली घड़ी बरामद की गई थी. समय-समय पर कंपनियां इस तरह के कारोबारियों पर नकेल कसने की कार्रवाई करती हैं. बावजूद इसके यह कारोबार बढ़ता ही जा रहा हे.

करोड़ों के नकली सामान का कारोबार

धनबाद में नकली सामानों का कारोबार करोड़ों का है. यहां खान-पान के मसाले से लेकर इलेक्ट्रानिक के नकली उत्पादों की एक लंबी सूची है. कुल मिलाकर यह कहा जाए कि धनबाद में हर ब्रांड का नकली प्रोडक्ट बिकता हैं. धनबाद में झरिया का कोइरीबांध, शमशेर नगर, और पुराना बाजार, मनईटांड आदि इलाके नकली सामानों का सबसे बड़ा आपूर्ति करता बन चुके हैं. यदि उपभोक्ता इमानदार दुकानदार के पास से सामान नहीं खरीद रहा तो पांच दस सामानों में एक-दो के नकली मिलने की प्रबल आशंका है.

जानिए किन ब्रांडों के नकली सामान बिक रहे हैं

स्पोर्टस आइटम बनाने वाली कंपनी एडिडास, रिबॉक, पुमा, वुडलेंड, जैसी बड़ी कंपनियों के स्पोर्टस आइटम जैसे जूता, जैकेट, लोअर, मोजे आदि बाजार में खुलेआम टैग लगाकर बेचे जा रहे हैं. धनबाद जिले के लगभग हर क्षेत्र में ऐसी दुकानें हैं जो इन नकली सामानों की बिक्री बेखौफ कर रही है. खासकर पुराना बाजार में कई जगहों पर ये सामान बेचे जाते हैं. इन्हें कॉपी पीस बोलकर बेचा जाता है, इनकी कीमत ब्रांडेड की तुलना में काफी कम होती है. शहर में कई बड़ी दुकानें भी इन्हें बेच रही हैं. इनके साथ ही ट्रेवलिंग बैग, स्कूल बैग, लेडिज पर्स, जेंट्स पर्स के भी नकली प्रोडक्ट बाजार में उलब्ध हैं. इलेक्ट्रानिक्स सामानों में तो आप संबंधित कंपनी के ऑथराइज्ड डीलर से नहीं खरीद रहे तो नकली प्रोडक्ट आपके घर आ सकता है.

सेहत के साथ भी घातक खिलवाड़

नकली सामान के कारोबारी सिर्फ मानव प्रयोग में लाने वाले सामानों का नकल नहीं बना रहे हैं बल्कि खाने-पीने के भी नकली सामान बनाकर सेहत के साथ घातक खिलवाड़ कर रहे हैं. इनमें भोजन में प्रयोग किए जाने वाले तेल, स्वास्थ वर्धक ड्रिंक, मेडिकेटड ड्रिंक, ओआरएस घोल, देशी घी, बटर से लेकर बच्चों के खाने-पीने वाले सामानों के भी नकली प्रोडक्ट बाजार में उपलब्ध होने की सूचना है. हालांकि बहुत सारे प्रोडक्ट के नकली होने या पाए जाने का संदेह महकमा की लापरवाही के कारण साबित नहीं हो पाता है और ऐसे प्रोडक्ट बेचने वाले लोग मानव सेहत के साथ खिलवाड़ करने में जरा सा भी नहीं हिचकते हैं.

सौंदर्य प्रसाधन के बहुत सारे प्रोडक्ट नकली

अब बात करते हैं सौंदर्य प्रसाधन के सामानों की, जो चेहरे जैसे नाजुक हिस्से में प्रयोग किया जाता है. गुलाब जल, फेयरनेस क्रीम, फेस पाउडर, परफ्यूम, हेयर कलर, हेयर ऑयल, माउथ वॉश, शैंपू, जेल, कंडीशनर आदि के सामानों के भी कई बड़ी कंपनियों के नकली प्रोडक्ट बाजार में बिक रहे हैं. ऐसे में उपभोक्ताओं को होशियारी के साथ कंपनी के लोगो, क्यूआर कोड आदि को देखकर ही इन सामानों की खरीदारी करनी चाहिए नहीं तो जेब से रकम भी जाएगी और नकली सामान प्रयोग कर स्कीन की बीमारियों को भी निमंत्रण देंगे.

नाबालिग से दुष्कर्म मामले में युवक को बीस वर्ष कैद

संवाददाता। धनबाद

नाबालिग से दुष्कर्म करने के एक मामले में पोक्सो के विशेष न्यायाधीश प्रभाकर सिंह की अदालत ने बरोरा निवासी बंटी कुमार दास को बीस वर्ष कैद एवं 15 हजार रुपए जुर्माना से दंडित किया है. शुक्रवार को अदालत ने उसे दोषी करार दिया था, जबकि उसके ममेरे भाई राहुल कुमार दास को साक्ष्य के अभाव में रिहा कर दिया था. प्राथमिकी पीड़िता की शिकायत पर 10 नवंबर 2020 को दर्ज कराई गई थी. प्राथमिकी के मुताबिक करीब 2 वर्ष पूर्व पीड़िता अपने घर में अकेली थी, तभी उसके पड़ोस का लड़का बंटी कुमार दास ने उसके घर में अचानक आ गया और उसे डरा धमका कर जबरदस्ती उसके साथ शारीरिक संबंध बना लिया. पीड़िता ने लोक लाज के डर से दुष्कर्म की बात किसी को नहीं बताई. उसके बाद अक्सर आरोपी पीड़िता के घर आकर उसे अकेला पाकर जान मारने की धमकी देते हुए शारीरिक संबंध बनाता था. 10 जनवरी 2020 को करीब 11:00 बजे जब पीड़िता बैंक जा रही थी तो आरोपी बंटी कुमार दास अपने ममेरे भाई राहुल कुमार दास के साथ मोटर साइकिल से उसका पीछा कर हीरक रोड जहां वह गाड़ी पकड़ने के लिए खड़ी थी.

नाबालिग से अपहरण का आरोपी दोषी करार

धनबाद। नाबालिग का अपहरण कर उसके साथ दुराचार करने के एक मामले में धनबाद के पॉक्सो के विशेष न्यायाधीश प्रभाकर सिंह की अदालत ने मामले के नामजद आरोपी बंगाली कोठी तीसरा निवासी राजेश कुमार बाउरी को दोषी करार दिया है.अदालत ने सजा के बिंदु पर सुनवाई के लिए सोमवार की तारीख निर्धारित की है . प्राथमिकी पीड़िता की शिकायत पर मामला तीसरा थाने में 19 मई 2023 को दर्ज किया गया था. प्राथमिकी के मुताबिक 17 मई 2023 को पीड़िता जब कॉलेज गई थी तो आरोपी ने उसका सर्टिफिकेट और आधार कार्ड तथा 800 रुपया ले लिया था. पीड़िता ने आरोप लगाया था कि आरोपी ने उसे फोन कर कहा कि उसका सारा कागजात उसके पास है,आकर ले लो जब पीड़िता उसे कागजात लेने गई तो आरोपी उसे अपने बाइक पर बैठकर जबरन पुरुलिया ले गया.

लाला हत्याकांड में गवाह पेश करने का आदेश

धनबाद। जमीन कारोबारी लाला खान की हत्या के चर्चित मामले में शनिवार को सुनवाई हुई. जिला एवं सत्र न्यायाधीश की अदालत ने अपर लोक अभियोजक को गवाह पेश करने का आदेश दिया है.जमीन कारोबारी मोहम्मद असरफ अल हसन उर्फ लाला खान की गोली मारकर 12 मई 2021 की दोपहर करीब 3 बजे हत्या कर दी गई थी. जब्बार मस्जिद के पास दिनदहाड़े अपराधियों ने लाला खान को गोली मारी थी. घटना स्थल पर ही उसकी मौत हो गई थी. लाला खान के साले शहबाज आलम ने13 मई 21 गुरुवार रात बैंक मोड़ थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई थी.

तनिष्क शोरूम की सेल्स वीमेन हुईं ठगी का शिकार, 5 लाख रु की ठगी

धनबाद। साइबर ठगों ने तीन अलग-अलग तरीकों से धनबाद के तीन लोगों को चूना लगाया है. इन मामलों की शिकायत थानों तक पहुंची है. तनिष्क शोरूम में काम करने वाली रोशनी वर्णवाल से साइबर ठगों ने साढ़े पांच लाख रुपये ठग लिया. रोशनी ने बताया कि वर्क फ्रॉम होम के लिए एक कंपनी में उसने आवेदन दिया था, जिसमें उससे काम करवाया गया और फिर उसका भुगतान भी किया गया था. बाद में कंपनी ने उसे प्रलोभन देकर साढ़े पांच लाख रुपये की ठगी कर ली. यह रकम उसने अपने और मंगेतर सुदीप नंदी के बैंक अकाउंट से ट्रांसफर किए हैं. इसके अलावा बैंकमोड़ निवासी जितेंद्र सिंह ने साइबर थाने में शिकायत की है कि उनके साथ साइबर ठगों ने शेयर ट्रेडिंग के नाम पर साढ़े छह लाख रुपये की ठगी की है. बताया कि एक फर्जी कंपनी के नाम पर शेयर में रकम लगवाई और बाद में पूरी रकम अपने खाते में मंगवा लिया गया.

नीरज हत्याकांड: अनुसंधान के दौरान दर्ज हुए थे बयान

धनबाद। पूर्व डिप्टी मेयर नीरज सिंह समेत चार लोगों की हत्या मामले की सुनवाई गुरुवार को जिला एवं सत्र न्यायाधीश अखिलेश कुमार की अदालत में हुई .सुनवाई के दौरान आरोपी संजीव सिंह की ओर से आवेदन देकर कहा गया कि घटना की तारीख ,स्थान व समय पर वह अपने आवास पर पांच सरकारी अंगरक्षकों के साथ बैठे थे. उन सरकारी अंगरक्षकों का बयान पुलिस ने अनुसंधान के दौरान दर्ज किया था, परंतु मुकदमे की सुनवाई के दौरान उन सरकारी अंगरक्षकों का बयान अदालत में दर्ज कराने से इनकार कर दिया था .संजीव के अधिवक्ता ने कहा कि सूचना का अधिकार के तहत अवधेश राय नामक एक व्यक्ति ने पुलिस से यह जानकारी मांगी थी कि विधायक संजीव सिंह के साथ घटना के दिन कितने अंगरक्षक तैनात थे . जिसके जवाब में सूचना पदाधिकारी एसएसपी एवं प्रचारी प्रवर द्वारा उपरोक्त अंगरक्षकों हवलदार गंसा कच्छप, पुलिस राजेश कुमार, पुलिस सत्येन्द्र सिंह, मुन्ना कुमार सिंह एवं पुलिस सतीश कुमार की जानकारी उपलब्ध कराई गई थी.

12 वीं के विद्यार्थियों को दी गई विदाई

मैथन। चिरकुंडा अग्रसेन सरस्वती विद्या मंदिर, चिरकुंडा के सत्र 2023-24 में अध्यनरत कक्षा 12 वीं के विद्यार्थियों की विदाई रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित कर दी गई. कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विद्यालय के सचिव नीलय गाड्याण उपस्थित थे. मौके पर विद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया.जो काफी शानदार रहा. विद्यालय के प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार वर्मा ने विद्यार्थियों को शुभकामना देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि मैं कुछ बच्चों को नर्सरी से पढ़ा रहा हूं, इन्हें विदा तो नहीं कर सकते हैं, बल्कि जीवन में आगे बढ़ने के लिए उच्च शिक्षा के लिए प्रेरित करना चाहूंगा. उन्हें हमारी ढ़ेर सारी शुभकामनाएं.

मैथन | भू-माफिया ने दूसरे दिन भी जमीन पर कब्जा करने का प्रयास किया

अवैध कब्जे करने पहुंचे माफिया को पुलिस ने खदेड़ा

संवाददाता। मैथन

प्राथमिक विद्यालय, एग्यारकुण्ड मुण्डापाड़ा के पास गैर आबाद जमीन पर दूसरे दिन शनिवार को भी भू-माफिया द्वारा अवैध कब्जे का प्रयास किया गया. 138 खाते की उक्त गैर आबाद जमीन की ट्रैक्टर से भराई की जा रही थी. स्थानीय लोगों की सूचना पर गलफरबाड़ी पुलिस मौके पर पहुंची व काम को रूकवाया. पुलिस ने जमीन पर दावा करने वाले दोनों पक्षों को कागजात के साथ ओपी बुलाया है. इधर एग्यारकुण्ड मुण्डाधौड़ा के भाजपा नेता प्रधान सोरेन सहित पांच लोगों के खिलाफ केस दर्ज होने के बाद धौड़ा के लोग काफी गुस्से में हैं. शुक्रवार के देर शाम गुस्साये लोगों ने श्रीराम बारी की चाय दुकान की बांस बल्ली को उखाड़ कर फेंक दिय और काफी हंगामा भी किया. बता दें कि सीआई की जांच रिपोर्ट के अनुसार उक्त जमीन गैर आबाद खाते की है. जिसमें श्रीराम बारी को सीओ ने 3.5 डिसमिल जमीन आवंटित की है. दूसरे पक्ष ने उक्त जमीन पर अपना दावा किया है. उक्त प्लाट पर प्राथमिक विद्यालय, आंगनबाड़ी केन्द्र एवं क्लब है. मुगमा जलापूर्ति योजना का दो लाख गैलन की क्षमता वाली जलमीनार भी इसी प्लाट पर बनने की बात थी. इतना ही नहीं इसी प्लाट पर तत्कालीन कल्याण मंत्री अर्जुन मुंडा ने आदिवासी कालोनी निर्माण की भी स्वीकृति दी थी.

खास बातें

- सीआई रिपोर्ट के अनुसार जमीन गैरआबाद खाते की है
- अर्जुन मुंडा ने आदिवासी कालोनी की स्वीकृति दी थी

ब्रीफ खबरें

मजदूर नेता हरिशंकर सिंह को श्रद्धांजलि

बेरमो। बोकारो एवं करगली क्षेत्र के जीएम ऑफिस परिसर मे जनता मजदूर संघ के तत्वावधान में दिवंगत कोयलांचल के मजदूर नेता हरिशंकर सिंह को सभा आयोजित कर श्रद्धांजलि दी गई. शोक सभा कार्यक्रम की अध्यक्षता एरिया अध्यक्ष राहुल कुमार ने की. सर्वप्रथम स्व हरिशंकर सिंह के छायाचित्र पर सभी लोगों ने पुष्प अर्पित कर श्रदांजलि दी और उनके जीवनी पर प्रकाश डाला.उनकी याद में दो मिनट का मौन रखा गया.

बेंगाबाद में युवक का शव खेत से बरामद

बेंगाबाद (गिरिडीह)। बेंगाबाद थाना क्षेत्र के चितमाडीह पंचायत के तिवारीपहरी गांव निवासी युवक मकबूल अंसारी (35 वर्ष) का शव शनिवार की दोपहर घर से करीब एक किलोमीटर दूर खेत से बरामद किया गया. शव तिवारीपहरी और चुंगलो गांव की सिमाना पर खेत में पड़ा हुआ था. गोइठा चुनने गयी महिलाओं की नजर शव पर पड़ी. खबर फैलते ही वहां ग्रामीणों की भीड़ जुट गई. लोगों ने मामले की सूचना बेंगाबाद पुलिस को दी. युवक के मुंह से झाग निकलने की बात बताई जा रही है. मौके पर पहुंची बेंगाबाद पुलिस शव को कब्जे में लेकर जांच पड़ताल में जुट गई है.

पूर्व सिंदरी एसडीपीओ को दी गई विदाई

सिंदरी। विगत 30 जनवरी को झारखंड सरकार के अवर सचिव द्वारा जारी आदेश के अनुसार सिंदरी एसडीपीओ के पद पर भूपेन्द्र राउत का तबादला कर दिया गया है. इस आदेश के आलोक में पूर्व एसडीपीओ सिंदरी अभिषेक कुमार को शनिवार को सिंदरी चेम्बर ऑफ कामर्स ने विदाई दी. इस मौके पर सिंदरी एसडीपीओ कार्यालय में पूर्व एसडीपीओ को शॉल ओढ़ाकर व विदाई गिफ्ट देकर सम्मानित किया गया. इस अवसर पर सिंदरी चेम्बर ऑफ कामर्स अध्यक्ष दीपक कुमार दीपू ने कहा कि इनका कार्यकाल काफी अच्छा रहा.

अयोध्या के लिए रवाना हुए धनवार से चार कार्यकर्ता

धनवार (गिरिडीह)। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र अयोध्या की सूचना पर राजधनवार से चार कार्यकर्ता अयोध्या के लिए शुक्रवार देर रात रवाना हुए. इन चार कार्यकर्ताओं में राजेश अग्रवाल,गुड्डू कुमार मोदी,रोशन सिंह तथा सिकंदर यादव शामिल हैं .सभी को धनवार के बड़ा चौक स्थित रामदरबार मंदिर में पूरे विधिविधान से ललाट पर चंदन व फूल माला के साथ साथ भगवा गमछा देकर सम्मानित करते हुए लोगों ने अयोध्या के लिए रवाना किया.

जिला खनन टास्क फोर्स की बैठक : अवैध खनन, बालू उठाव सहित कई मामलों पर चर्चा

उपायुक्त ने अभियान चलाकर कार्रवाई का दिया निर्देश

संवाददाता। साहिबगंज

शनिवार को समाहरनालय स्थित सभागार में उपायुक्त राम निवास यादव की अध्यक्षता में जिला खनन टास्क फोर्स की बैठक आयोजित की गई.जिसमें उपायुक्त ने कई निर्देश जारी किए.उन्होंने विभिन्न चेक नाकों में लगे सीसीटीवी कैमरा की स्थिति कि जानकारी ली. अंचलाधिकारी एवं थाना प्रभारी से किन किन जगहों पर कैमरा लगाया है उसकी फीड पर नजर रखने का निर्देश दिया गया. इसी क्रम में बताया गया विभिन्न जगहों पर फीड के रिकॉर्डिंग के लिए हार्ड डिस्क उपलब्ध कराया गया है. इसमें अवैध खनन पदार्थों के परिचालन पर निगरागी रखी जा रही है. उपायुक्त यादव ने समय समय पर रात में औचक छापेमारी करने एवं वृहद पैमाने पर जांच अभियान चलाने का निर्देश दिया.

दो वाहन मालिकों पर प्राथमिकी

अंचल अधिकारी बोरियो द्वारा बोरियो थाना अंतर्गत दो वाहन मालिकों पर प्राथमिकी दर्ज की गई है .अंचल अधिकारी बरहरवा द्वारा पत्थर बालू से लदे तीन ट्रैकों को जब्त कर बरहरवा एवं कोटालपोखर थाने में सुरक्षित रखा गया है . पुलिस अधीक्षक कुमार गौरव ने सभी अंचल अधिकारियों एवं थाना प्रभारियों से कहा कि साहिबगंज जिला अंतर्गत और अस्थाई चेक नाका का नियमित रूप से पंजी एवं सीसीटीवी फुटेज एवं वाहन संबंधित पंजी में वाहनों की अंकित मात्रा को सीसीटीवी से मिलान कराएं एवं जो हार्ड डिस्क उपलब्ध कराया गया है . उस पर निगरानी रखते हुए उसका बैकअप लेना सुनिश्चित करें .

छापेमारी का निर्देश दिया

विभिन्न क्षेत्रों से अवैध बालू उठाव पर रोक लगाने के लिए नियमित रूप से छापेमारी करना, एनजीटी द्वारा पारित आदेश के आलोक में ग्रिड वार निर्धारित उत्पादन का आकलन करने के लिए सभी ग्रिड में सहमति पत्र निर्गत करने पर चर्चा की गई . सभी निरीक्षण पदाधिकारियों को पुन निर्देशित किया गया कि नियमित रूप से अवैध खनन परिवहन की रोकथाम करने के लिए सभी संचालित चेक नाका पर निगरानी रखें एवं जांच करते रहें . जिला अंतर्गत अवैध खनन एवं परिवहन से संबंधित जितनी भी प्राथमिकी दर्ज है उन पर त्वरित कार्रवाई कर गिरफ्तारी करने का निर्देश दिया . दूसरी ओर रात में चल रहे अवैध क्रशर के संचालन के संबंध में जांच करने एवं अवैध पाए जाने पर तत्काल कार्रवाई करने . खनन पट्टाधारियों को नियमित रूप से अपने क्षेत्र में जल छिड़काव करने तथा पौधों का संरक्षण करते हुए पर्यावरण की क्षति को रोकने के लिए सड़क पर भी पानी का छिड़काव सुनिश्चित करवाने का निर्देश दिया गया . जिला परिवहन पदाधिकारी द्वारा ओवरलोड वाहनों से 3.92 लख रुपए की वसूली की गई .

कड़ी मेहनत लक्ष्य प्राप्ति का मंत्र है : अरिंदम दासगुप्ता

संवाददाता। बेरमो

पिट्स मॉडर्न स्कूल गोमिया के 12वीं कक्षा के विद्यार्थियों का विदाई समारोह शनिवार को दीप महोत्सव के साथ मनाया गया. इस अवसर पर मुख्य अतिथि अरिंदम दासगुप्ता उपाध्यक्ष, विद्यालय प्रबंधन समिति, प्राचार्य मनोज कुमार उपाध्याय, उप-प्राचार्या डॉ. विनीता पटनायक पाढ़ी, प्रधानाध्यापक केके चन्दा ने संयुक्त रूप से दीप जलाकर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया. कार्यक्रम का संचालन छात्रा अदिति प्रसाद, कल्याणी कुमारी, प्राची कुमारी तथा स्वागत भाषण अनन्या सिंह ने दिया. मुख्य अतिथि अरिंदम दास गुप्ता ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि कड़ी मेहनत की बदौलत विद्यार्थी अपने जीवन में लक्ष्य की प्राप्ति कर सकते हैं. प्राचार्य मनोज कुमार उपाध्याय ने शुभकामनाएं देते हुए कहा कि जीवन में नई चुनौतियों का सामना करने के लिए विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीकों से पूर्ण होना पड़ेगा.

उप-प्राचार्या डॉ. विनीता पटनायक पाढ़ी ने विद्यार्थियों को सफल तथा सुनहरे भविष्य के लिए प्रेरित किया. इस अवसर पर विद्यालय के हेड ब्वॉय आलोक गुप्ता तथा हेड गर्ल कनिष्का मनी ने विद्यालय में बिताए संस्मरण को याद कर माहौल को भावुक बना दिया.

30 करोड़ की लागत से हो रहा काम, यात्री सुविधाएं बढ़ाने का प्रयास

पारसनाथ स्टेशन को हाइटेक बनाया जाएगा :महाप्रबंधक

संवाददाता। डुमरी (गिरिडीह)

धनबाद के रेलवे जीएम अनिल खंडेलवाल पारसनाथ दौरे के क्रम में शनिवार को पारसनाथ रेलवे स्टेशन पहुंचे . इस दौरान पत्रकारों को बताया कि पारसनाथ रेलवे स्टेशन को 30 करोड़ के बजट से हाइटेक बनाया जाएगा,इस रेलवे स्टेशन में यात्रियों को सारी सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से हाइटेक किया जाएगा, प्रतीक्षालय कमरा में एसी लगाया जाएगा,बताया कि इस स्टेशन में वर्तमान में 54 ट्रेनें रुक रही है.

एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि हर स्टेशन पर सारी ट्रेनें नहीं रूक सकती,यात्रियों को जरुरत के हिसाब से सुविधाएं उपलब्ध कराई जाने की पहल हो रही है,एक दो महीने में स्टेशन में लिफ्ट लग जाएगी . अगर सही से काम चलता रहा और काम में कोई बाधा नहीं आई तो एक वर्ष के अंदर हाइटेक स्टेशन बनकर तैयार हो जाएगा.

इस दौरान मंडल रेल प्रबंधक धनबाद कमल किशोर सिन्हा, अपर मंडल रेल प्रबंधक ओपी विनीत कुमार, अपर मंडल रेल प्रबंधक अमित कुमार, वरीय मंडल वाणिज्य प्रबंधक अमरेश कुमार, वरीय मंडल सुरक्षा आयुक्त मोहम्मद सरफराज अहमद, वरीय मंडल संकेत एवं दूरसंचार गौतम गुप्ता,वरीय मंडल अभियंता सेकंड सूरज कुमार, स्टेशन प्रबंधक अविनाश कुमार उपस्थित थे.इस दौरान आजसू केन्द्रीय महासचिव यशोदा देवी जिप सदस्या सुनीता कुमारी आदि ने मांगों से संबंधित मांग पत्र सौंपा .

उपाधीक्षक ने कैंसर जागरूकता रथ को झंडी दिखाकर किया रवाना

महिलाओं में सबसे अधिक रहता है कैंसर का जोखिम : डॉ. सुधा

संवाददाता। बोकारो

विश्व कैंसर दिवस के अवसर पर बोकारो जिले के विभिन्न स्वास्थ्य संस्थानों में कैंसर संबंधित जागरूता के लिए कार्यक्रम का आयोजन किया. इस क्रम में सदर अस्पताल बोकारो के उपाधीक्षक डॉ. अरविंद कुमार की अध्यक्षता में जागरूकता रथ एवं रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया. इस दौरान उपाधीक्षक डॉ. अरविंद कुमार ने बताया कि कैंसर तेजी से बढ़ती गंभीर बीमारी है.यह जानलेवा स्वास्थ्य समस्याओं में से एक है. कैंसर के बढ़ते खतरों को लेकर लोगों को जागरूक करने के लिए लगातार जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है. एनसीडी कोषांग द्वारा सभी स्वास्थ्य संस्थानों में मुख कैंसर, ब्रेस्ट कैंसर एवं सर्वाइकल कैंसर की जांच की जाती है. ताकि इस रोग का आरंभिक अवस्था में ही पता चल सके और उसे रोका जा सके.

61 संदिग्ध मरीजों की पहचान

इस वित्तीय वर्ष में अभी तक 1,97,505 मुख कैंसर, 92056 स्तन कैंसर एवं 27414 ग्रीवा कैंसर की स्क्रीनिंग की गयी, जिसमें मुख कैंसर के 64, स्तन कैंसर के 36 एवं ग्रीवा कैंसर के 61 संदिग्ध मरीजों की पहचान हुई है. नोडल पदाधिकारी एनसीडी डॉ सुधा सिंह द्वारा बताया गया कि भारत ही नही दुनिया भर में महिलाएं ब्रेस्ट और सर्वाईकल यानी बच्चेदानी के कैंसर का सामना कर रही हैं. कैंसर के कुल मामलों में सें 11.7 प्रतिशत अकेले ब्रेस्ट से सम्बन्धित होते हैं. मुहं का कैंसर महिला और पुरूष दोनों में होता है. इससे स्पष्ट है कि कैंसर का जोखिम महिलाओं में अधिक है, इसलिये उन्हें अधिक सावधान रहना चाहिए. सरकार तीनों कैंसर के स्क्रीनिंग पर जोर दे रही हैं और इसकी सुविधा सभी स्वास्थ्य संस्थानों में उपलब्ध है. इस दौरान चिकित्सक सज्जाद आलम, जिला कार्यक्रम प्रबंधक प्रदीप कुमार सिन्हा, कंचन कुमारी, आरती कुमारी मिश्रा एवं जिला परामर्शी मो. असलम के साथ अन्य कर्मी उपस्थित थे.

फाइलेरिया उन्मूलन के लिए निकाली गई प्रभात फेरी

संवाददाता। गावां(गिरिडीह)

फाइलेरिया उन्मूलन के तहत मास ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन कार्यक्रम के दौरान शनिवार को उत्क्रमित मध्य विद्यालय पाण्डेयडीह सहित कई विद्यालयों द्वारा प्रभातफेरी निकाली गई. प्रभातफेरी के माध्यम से स्कूली बच्चों को यह जागरुकता संदेश दिया कि फाइलेरिया से बचाव की दवा खाएंगे और गावां को फाइलेरिया मुक्त बनाएंगे. साथ ही बच्चों ने यह नारा लगाया कि फाइलेरिया का जोखिम क्यों उठाएं, साल में बस एक बार दवा खाएं. इस दौरान यह प्रभात फेरी विद्यालय के प्राधानाचार्य के नेतृत्व में निकलकर पाण्डेयडीह, माल्डा मुसहरी, माल्डा बाजार होते हुए वापस स्कूल तक पहुंची. इस संबंध में विद्यालय की प्राधानाचार्य ने कहा कि फाइलेरिया उन्मूलन के तहत लोगों को जागरुक करने के लिए यह प्रभात फेरी निकाली गयी ताकि कार्यक्रम के दौरान सभी इसका दवा खाएं और गावां को फाइलेरिया मुक्त बनाएं.

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से मिल कर सांसद जयंत सिन्हा ने किया था ट्रेन के ठहराव का आग्रह, मिली स्वीकृति

अब बरही रेलवे स्टेशन पर रुकेगी रांची-मधुपुर इंटरसिटी एक्सप्रेस

मिली सौगात

- बरही की जनता ने सांसद व रेल मंत्री का जताया आभार
- सुबह 8:59 व शाम 6:43 बजे अप व डाउन ट्रेन का ठहराव

संवाददाता। हजारीबाग

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से हजारीबाग के भाजपा सांसद जयंत सिन्हा ने मुलाकात कर बरही रेलवे स्टेशन पर इंटरसिटी एक्सप्रेस के ठहराव की मांग की. इस पर रेल मंत्री ने अपनी स्वीकृति दे दी है. अब बरही रेलवे स्टेशन पर इंटरसिटी एक्सप्रेस रुकेगी. क्षेत्रवासियों ने सांसद से मिल कर बरही रेलवे स्टेशन पर इंटरसिटी एक्सप्रेस के ठहराव की मांग की थी.

अब रांची-मधुपुर इंटरसिटी एक्सप्रेस के बरही रेलवे स्टेशन पर ठहराव को स्वीकृति मिल गई है. रांची से चल कर मधुपुर जाने वाले ट्रेन बरही में सुबह 8:59 बजे पहुंचेगी. वहीं, मधुपुर से रांची जाने वाली ट्रेन शाम 6:43 बजे बरही स्टेशन पर आएगी. बरही में इंटरसिटी ट्रेन के ठहराव से यात्रियों को काफी सुविधा मिलेगी. इस निर्णय से बरही क्षेत्र के लोगों में हर्ष का माहौल है. वहीं, हजारीबाग सांसद जयंत सिन्हा ने क्षेत्र में रेल सेवाओं की सौगात देने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव का आभार प्रकट किया. साथ ही क्षेत्रवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी है.

इलाके में तेजी से हो रहे रेल संबंधी विकास कार्य

सांसद जयंत सिन्हा ने कहा कि इंटरसिटी एक्सप्रेस का बरही में ठहराव होना, हम सभी क्षेत्रवासियों के लिए हर्ष की बात है. हम सबका साथ और सबका विकास के मूलमंत्र के साथ काम कर रहे हैं. हमारा प्रयास यात्रियों के लिए सदैव हर बेहतर सुविधा सुनिश्चित करवाना रहा है. क्षेत्र में रेल संबंधी विभिन्न विकास कार्य जारी हैं. अमृत स्टेशन योजना से बरकाकाना रेलवे स्टेशन का पुनर्विकास किया जा रहा है. इससे क्षेत्र में रेल सेवाओं का परिदृश्य बदलेगा.

हजारीबाग से राजधानी एक्स. के लिए प्रयासरत

जयंत सिन्हा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हजारीबाग लोकसभा निरंतर विकास की ओर अग्रसर है. रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात कर क्षेत्र में रेल संबंधी कार्यों पर चर्चा कर रहा हूं. वंदे भारत और इंटरसिटी एक्सप्रेस ट्रेनों की शुरुआत, इन्हीं प्रयासों का परिणाम है. साथ ही हजारीबाग से राजधानी एक्सप्रेस शुरू करवाने के लिए प्रयासरत हैं. इसके शुरू होने पर नई दिल्ली और कोलकाता जाने वाले यात्रियों को सहूलियत होगी.

ब्रीफ खबरें

चरही में अंडर 19 महिला क्रिकेटरों का स्वागत

चरही। अंडर 19 महिला टी-20 किक्रेट वर्ल्ड कप जीत कर शनिवार को चरही पहुंचीं विजेता भारतीय टीम में शामिल 6 महिला क्रिकेट खिलाड़ियों का फूल-माला पहना कर और अंग वस्त्र भेंट कर स्वागत किया गया. इन महिला खिलाड़ियों में प्रेम नगर निवासी कोमललता कुमारी, जिया आनंद, खूंटी निवासी काजल संगा, मुक्ति संगा, बसंतपुर निवासी रूपा कुमारी और कोडरमा निवासी तृप्ति गुड़िया का स्वागत किया गया. महिला खिलाड़ियों का स्वागत करने वालों में चुरचू जिप सदस्य वासुदेव करमाली, वीणा मिश्रा, सतीश साहू, बिनोद ठाकुर, गौतम सोनी, सूरज चौहान, गणेश मिश्रा, सोनी देवी, शीतल गुप्ता, स्नेहलता, सुमित्रा देवी, सरिता देवी, मंजू देवी, मनीषा देवी, सहित कई लोग मौजूद थे.

सेवानिवृत्ति पर सहायक अध्यापक को दी विदाई

टाटीझरिया। प्रखंड अंतर्गत उत्क्रमित मध्य विद्यालय घुघुलिया के प्रांगण में विद्यालय के सहायक अध्यापक यमुना मिस्त्री की सेवानिवृत्ति पर शनिवार को विदाई समारोह का आयोजन किया गया. इस अवसर पर विद्यालय परिवार व शिक्षकों के द्वारा यमुना मिस्त्री को अंगवस्त्र, साल, डायरी और पुष्पगुच्छ देकर उनके बेहतर स्वास्थ की कामना की गई. पारा शिक्षक संघ के अध्यक्ष रामाशीष साव, सचिव चंदन ठाकुर, शिक्षक कौलेश्वर मिश्रा, विजय प्रसाद, अर्जुन प्रसाद, मोहन साव, पिंटु रविदास, कमलाकांत प्रसाद व अन्य ने कहा कि बच्चों के प्रति इनका समर्पण काबिले तारीफ था. मौके पर रोहित पटेल, शिल्पी सिन्हा, सुरेश राम, नवीन वर्मा, तुलसी राम, संतोष प्रजापति, दयाल प्रसाद, अर्जुन राणा, शुभम कुमार, दीपक सिन्हा, आनंद बिहारी, पारस डे, प्रमोद सिंह, धानेश्वर कुशवाहा, मोहन प्रसाद, अरूण साव, रज्जाक मियां समेत छात्र-छात्राएं मौजूद थे.

बिरहोर टोला में लगा जन-मन योजना शिविर

टाटीझरिया। प्रधानमंत्री जन-मन योजना के तहत प्रखंड के खंभवा बिरहोर टोला में शनिवार को शिविर लगाया गया. इसमें प्रमुख संतोष मंडल, बीडीओ रश्मि खुशबू मिंज और सुधीर राय ने बिरहोर परिवारों से मिलकर उनके दुख-दर्द को समझा. इस दौरान बिरहोर टोला में मनरेगा से दो नाडेफ स्वीकृत किया गया. स्वास्थ्य विभाग द्वारा बिरहोर परिवार का स्वास्थ्य जांच कर विटामिन की गोलियां समेत अन्य दवाइयां दी गईं. मौके पर शंकर ठाकुर, निरंजन कुमार,धर्मवीर साव, विजय कुमार, इंदु रानी, गौतम कुमार रवि, रेणु कुमारी, गुड़िया देवी, सरिता कुमारी, कविता यादव, अनिता देवी समेत अन्य उपस्थित थे.

कोई चुन रहा रुपया, तो कोई अवैध कोयला ढुलाई करनेवालों से कर रहा वसूली

कोयले के खेल में वर्दी दागदार!

काली कमाई

- ईमानदारी की कसम खानेवाले वर्दी को कर रहे शर्मसार
- कई इलाकों में अलसुबह देखने को मिल जाएगा नजारा

प्रमोद उपाध्याय। हजारीबाग

पदमा व इचाक रोड में अलसुबह बाइक व साइकिल से अवैध कोयले की ढुलाई करते मजदूर.

इन दिनों कोयले की कालिख से वर्दी भी दागदार होती दिख रही है. खाकी वर्दी पहनने वाले ही अब अपने ईमान को कोयला माफियाओं के आगे झुका दिए हैं. ऐसा आरोप शुभम संदेश नहीं, बल्कि रामगढ़ पुलिस के आलाधिकारी द्वारा हाल के दिनों में अपने मातहतों पर की गई कार्रवाई से साफ तौर पर जाहिर होता है. दरअसल, एक सप्ताह पहले एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें कोयला बेचने वाले रुपये फेंक रहे थे और वर्दीधारी चुन रहे थे.

इस मामले में रामगढ़ पुलिस अधीक्षक ने कार्रवाई करते हुए चार पुलिस कर्मियों को निलंबित भी किया था. वहीं, हजारीबाग में भी कुछ मामला देखने को मिल रहा है. यहां भी कोयला माफिया बाइक और साइकिल से बड़े पैमाने पर कोयला का व्यापार करते हैं और ईंट भट्ठा से लेकर छोटे-छोटे होटलों में कोयले की खेप पहुंचवाते हैं. जिले में पुलिस कर्मियों द्वारा कोयला बेचने वाले मजदूर और बड़े-बड़े कोयला व्यापारियों से पैसा की वसूली बात सामने आ रही है. सूत्र बताते हैं कि रामगढ़ की तरह ही हजारीबाग में भी बाइक से कोयला बेचने वाले 10, 20 और 50 रुपये का नोट पुलिस को देख कर फेंक देते हैं और फिर पुलिस पैसे चुनते में व्यस्त हो जाती है. इस काम में सच दिखाने वालों की संलिप्तता की बात भी सामने आती रहती है.

हालांकि, रामगढ़ में सोशल मीडिया पर नोट चुनते हुए वर्दीधारी का विडियो वायरल होने के बाद अब नोट चुनने के लिए कुछ युवकों को रखा गया है. जिले के बड़कागांव रोड, कटकमसांडी रोड, चरही रोड और पदमा रोड पर तड़के 3 बजे सुबह से 6 बजे तक अमूनन यह नजारा देखने को मिल जाएगा. ऐसे में जिस पुलिस के कंधे पर अवैध कोयला कारोबार को रोकने की जिम्मेदारी है, वही पैसे के आगे वर्दी को दागदार कर रहे हैं.

मोटी रकम लेकर बाइक छोड़े जाने की बात आ रही है सामने

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार बीती बुधवार रात गश्ती के दौरान पदमा पुलिस के कर्मियों ने कोयला लदे 6 बाइक को पकड़ा था. इसके बाद पुलिस ने पहले थाना ले जाने की बात कही. मगर, बाद में मोटी रकम लेकर सभी को छोड़ दिया गया. जब सोशल मीडिया पर पदमा पुलिस की कोयला पकड़ने की खबर चली, तो इलाके के एक कथित पत्रकार का मामला मैनेज करने के लिए फोन आने लगा. जब बात नहीं बनी, तो वायरल वीडियो को पुराना बताने लगा. वहीं, इस संबंध में जब पदमा थाना के थाना प्रभारी शिवदयाल सिंह से पूछा गया, तो उन्होंने बताया कि हमारे थाना के पुलिस कर्मियों के द्वारा कोई भी कोयला लदा बाइक नहीं पकड़ा गया है. वहीं, वायरल विडियो पर कहा कि अगर कोई वीडियो वायरल हुआ है, तो वह पहले का होगा.

जांच में दोषी पाए जाने पर की जाएगी कार्रवाई : एसपी

हजारीबाग पुलिस अधीक्षक अरविंद कुमार सिंह ने बताया कि जिले में

अवैध कोयला कारोबार बिल्कुल बंद कर दिया जाएगा. जिले में किसी भी तरह के अपराध या अवैध धंधे पर लगाम लगाने के लिए पुलिस अपना कम कर रही है. पदमा थाना पुलिस द्वारा अगर कोई बाइक पकड़ कर छोड़ी गई है, तो इसकी जांच होगी. इसमें जो भी पुलिस कर्मी दोषी पाए गए, तो उनके खिलाफ विभागीय कार्रवाई भी की जाएगी.

इन जगहों पर बाइक से की जाती है कोयले की ढुलाई

जिले के बड़कागांव रोड, चरही, चुरचू, कटकमसांडी, कटकमदाग से बाइक पर कोयला लाद कर इचाक, पदमा, बरही सहित कई स्थानों पर कोयला बेचा जाता है. कोयला बेचनेवाले एक युवक ने नाम नहीं छापने की शर्त पर बताया कि जब कोयला लेकर निकलते हैं, तो गश्ती में तैनात पुलिस कर्मियों को भी मैनेज करना पड़ता है. ये लोग प्रत्येक दिन सड़क किनारे अंधेरे जगह पर खड़े रहते हैं और टॉर्च जलाकर इशारा करते हैं. फिर बाइक में ज्यादा बोरी होने के कारण 10, 20, 50 रुपये का नोट सड़क किनारे फेंक देते हैं. कभी-कभी जब पुलिस पर उच्च अधिकारियों का दबाव पड़ता है, तो मोटी रकम लेकर उन्हें छोड़ देते हैं और बाइक लेकर थाना चले जाते हैं. वहीं, वरीय अधिकारी को जानकारी दी जाती है कि आरोपी बाइक छोड़ कर फरार हो गया.

उत्तरी छोटानागपुर अपडेट

पूर्व विधायक ने की मृतक के परिजनों की मदद

चौपारण। प्रखंड के बरई केंदुआ निवासी पूर्व वार्ड सदस्य दुलारी देवी के पति नकुल भुइयां की बीते दिनों गुजरात में रेल दुर्घटना में मौत हो गई थी. मौत से उसके परिजनों का हाल बेहाल था. नकुल भुइयां गुजरात में रहकर मजूदरी करते थे. प्रवासी मजदूर की मौत की सूचना मिलने पर पूर्व विधायक मनोज कुमार यादव बरई केंदुआ गांव पहुंच कर शोकाकुल परिवार से मिले और उन्हें सांत्वना दी. परिजनों ने बताया कि नकुल भुइयां घर के एकमात्र कमाऊ सदस्य थे. अब परिजनों के समक्ष गहरा आर्थिक संकट उत्पन्न हो गया है. परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है. पूर्व विधायक ने मृतक के परिजनों को आर्थिक सहायता की. साथ ही भरोसा दिया कि भविष्य के हर सुख-दुख में साथ रहेंगे. संकट में फंसे परिजनों की मदद करना उनका नैतिक कर्तव्य है. मौके पर पूर्व मुखिया राजदेव यादव, वरिष्ठ भाजपा नेता सत्येंद्र सिंह, सियाराम सिंह,आदित्य चौरसिया सहित अन्य लोग मौजूद थे.

चैंबर ने उपायुक्त को समस्या से कराया अवगत

हजारीबाग। हजारीबाग फेडरेशन ऑफ चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष शंभू नाथ अग्रवाल और सचिव राकेश ठाकुर ने हजारीबाग डीसी और एसपी को पत्र लिखकर व्यापारियों एवं आमजनों की समस्या से अवगत कराया एवं समस्या से निजात दिलाने की गुहार लगाई है. पत्र में लिखा है कि जिले में बालू की अनुपलब्धता से परेशानी हो रही है. निर्माण कार्य ठप हैं, निर्माण कार्य से जुड़ा व्यापार भी प्रभावित है. निर्माण कार्य करने वाले कारीगर एवं मजदूरों को काम नहीं मिल रहा है.उनके समक्ष भुखमरी की नौबत आ गई है. डीसी से इस सभी समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर सुलझाने का आग्रह किया है. साथ ही एसपी का ध्यान शहर में बढ़ते आपराधिक गतिविधि एवं चरमराई ट्रैफिक व्यवस्था की ओर आकृष्ट कराया है और इसका समाधान करने का आग्रह किया है.

योग शिविर में बताए तनाव से मुक्ति के उपाय

हजारीबाग। हजारीबाग फेडरेशन ऑफ चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष शंभू नाथ अग्रवाल और सचिव राकेश ठाकुर ने हजारीबाग डीसी और एसपी को पत्र लिखकर व्यापारियों एवं आमजनों की समस्या से अवगत कराया एवं समस्या से निजात दिलाने की गुहार लगाई है. पत्र में लिखा है कि जिले में बालू की अनुपलब्धता से परेशानी हो रही है. निर्माण कार्य ठप हैं, निर्माण कार्य से जुड़ा व्यापार भी प्रभावित है. निर्माण कार्य करने वाले कारीगर एवं मजदूरों को काम नहीं मिल रहा है.उनके समक्ष भुखमरी की नौबत आ गई है. डीसी से इस सभी समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर सुलझाने का आग्रह किया है. साथ ही एसपी का ध्यान शहर में बढ़ते आपराधिक गतिविधि एवं चरमराई ट्रैफिक व्यवस्था की ओर आकृष्ट कराया और समाधान करने का आग्रह किया.

अगलगी में बेटी की शादी के अरमान हुए राख

केरेडारी। थाना क्षेत्र अंतर्गत पांडु पंचायत के टुंडा गांव में शनिवार मध्याह्न करीब 12 बजे अचानक एक घर में आग लग गई. जिस समय यह घटना हुई, उस वक्त घर पर कोई भी सदस्य मौजूद नहीं था. स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि अग्नि पीड़ित मानकी महतो पेशे से मजदूर हैं. आग लगने के समय वह घर बंद कर काम करने गए हुए थे. वहीं, उनकी पत्नी और बच्चे आलू कोड़ने के लिए खेत गए हुए थे. गृहस्वामी को सूचना देने के बाद स्थानीय ग्रामीणों ने आग बुझाने का प्रयास किया. कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया, लेकिन तब तक घर में रखा सारा सामान जल कर राख हो गया था. अगलगी के कारणों का पता नहीं चल सका है. इस घटना में बेटी की शादी के लिए घर के अंदर रखे पलंग, बक्सा, फ्रिज, कूलर के अलावा कपड़ा, साइकिल, अनाज और तीन लाख रुपये भी जल गए. इस संबंध में अंचल अधिकारी रामरतन वर्णवल ने बताया कि मौखिक रूप से घटना की जानकारी दी है. 5 लाख से अधिक के नुकसान की बात कही जा रही है. जांचोपरांत पीड़ित परिवार को सरकार की तरफ से मुआवजा राशि दी जाएगी.

मुरनिया में 60 एकड़ पोस्ता की खेती विनिष्ट

चौपारण। एसपी के निर्देश पर शनिवार को अफीम तस्करों के खिलाफ बड़ी कारवाई की गई. बरही इंस्पेक्टर जगलाल मुंडा के नेतृत्व में छापेमारी दल ने चौपारण थाना क्षेत्र अंतर्गत देहर पंचायत के मुरनिया गांव में 50 से 60 एकड़ वन क्षेत्र भूमि पर लगे पोस्ते की खेती को एक दर्जन से अधिक ट्रैक्टर लगा कर विनिष्ट किया. इस संदर्भ में दोषियों को चिन्हित कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई करने का भी निर्देश दिया गया है. वन विभाग की मानें, तो विनिष्ट अफीम फसल की अनुमानित कीमत 7 से 8 से करोड़ है. इस अभियान के लिए गठित संयुक्त छापेमारी दल में सीआरपीएफ- 22 बटालियन के सहायक समादेष्टा, वन विभाग के वनपाल अयूब अंसारी, चौपारण थाना के दारोगा अरुण रवानी के अलावा चौपारण थाना तथा सीआरपीएफ जवान एवं थाना के निर्जव बल शामिल थे. इस संबंध में बरही इंस्पेक्टर जगलाल मुंडा ने बताया कि संयुक्त छापेमारी अभियान में अभियान के दौरान टीम द्वारा आसपास क्षेत्र के ग्रामीणों को अफीम का खेती और सेवन नहीं करने के लिए जागरूक किया गया.

रंगदारी के मामले में तिवारी गैंग के दो बदमाश गिरफ्तार

संवाददाता। चरही

मिली सफलता

- कोल कंपनियों व कोयला कारोबारियों को दे रहे थे धमकी
- तापिन नॉर्थ के कांटा घर में गोलीबारी में भी थी संलिप्तता

कुज्जू ओपी पुलिस एवं रामगढ़ पुलिस के सहयोग से चरही पुलिस ने विकास तिवारी गैंग के दो शातिर बदमाशों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है. इस संबंध में चरही थाना प्रभारी विक्रम कुमार ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर जानकारी दी. दोनों गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान रामगढ़ जिला अंतर्गत रामगढ़ थाना क्षेत्र के विकास नगर निवासी वरुण तिवारी और बंगाली टोला निवासी गोपाल सिंह के रूप में की गई है.

पुलिस ने दोनों बदमाशों को तकनीकी सेल की मदद लेकर बड़े ही नाटकीय ढंग से गिरफ्तार किया. बता दें कि पुलिस को बराबर सूचना प्राप्त हो रही थी कि विकास तिवारी गैंग के द्वारा चरही थाना क्षेत्र के कोयलांचल और गिद्दी थाना क्षेत्र के कोयला कारोबारियों को धमकी देकर रंगदारी मांगी जा रही है. इस संबंध में चरही थाना में धारा 387/34 भादवि के तहत बीते 5 दिसंबर को मामला भी दर्ज किया गया था. वहीं, पकड़े गए दोनों अभियुक्तों के पास से 4 मोबाइल, एक लाख 56 हजार 500 रुपये नगद और दो डायरी बरामद की गई. पूछताछ में दोनों ने बीती 5 जनवरी को सीसीएल तापिन नॉर्थ के कांटा घर में रंगदारी वसूलने के लिए गोली चलवाने की बात स्वीकार की है. पुलिस इस मामले में स्थाननीय स्तर पर संलिप्त शरारती तत्वों के बारे में पता लगा रही है.

फहिमा अकादमी के विद्यार्थियों का शानदार प्रदर्शन, सात मेडल जीते

संवाददाता। हजारीबाग

लहराया परचम

- स्टेट सब जूनियर/सीनियर गतका चैंपियनशिप में मेडल
- एक गोल्ड, चार सिल्वर व दो ब्रॉन्ज मेडल पर जमाया कब्जा

झारखंड गतका एसोसिएशन द्वारा स्टेट सब जूनियर/ सीनियर गतका चैंपियनशिप रॉयल आर्किड इंटरनेशनल स्कूल में बरही में आयोजित किया गया. इसमें फहिमा अकादमी के सात छात्रों ने मेडल पर कब्जा जमाया. इनमें पांचवी कक्षा के छात्र मो. रिजवान को गोल्ड मेडल, हादी अली, आकाश मुंडा, शिवम कुमार एवं मो. खालिद को सिल्वर तथा मो. अयान व आठवीं कक्षा के छात्र हिमांशु कुमार को ब्रॉन्ज मेडल प्राप्त हुए.

स्कूल की प्राचार्या फरहा फातमी ने बच्चों को बधाई देते हुए उनकी कड़ी मेहनत की काफी सराहना की और भविष्य में आगे बढ़ने की शुभकामनाएं दी. उन्होंने कहा कि स्कूल वैसे बच्चे, जो खेल के क्षेत्र आगे जाना चाहते हैं, स्कूल प्रबंधन उनकी हर संभव मदद करेगा. साथ ही गतका एसोसिएशन के जनरल सेक्रेटरी प्रिंस कुमार मिश्रा और कोच अंशु राज को उन्होंने धन्यवाद देते हुए कहा कि उन्होंने बच्चों की प्रतिभा को पहचान कर निखारा. छात्रों के बेहतर प्रदर्शन पर स्कूल के शिक्षकों ने भी बच्चों का उत्साहवर्धन किया.

इनमें स्कूल के शारीरिक शिक्षक सोमनाथ कुमार, हसरत अली, मो. बेलाल, राहुल कुमार, कुणाल कुमार, गौतम कुमार, मो सफीक, अबदाल आलम, महताब आलम, बीरेंद्र प्रसाद, पल्लवी राणा, माजदा परवीन, नाजिया आदि शामिल थे.

ऐतिहासिक होगी राहुल की न्याय यात्रा : शहजादा अनवर

संवाददाता। रामगढ़

कार्यकर्ता उत्साहित

- प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष ने लिया तैयारियों का जायजा
- कहा- यात्रा से हजारीबाग लोस क्षेत्र में मिलेगा लाभ

कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा को सफल बनाने के लिए पार्टी के प्रदेश सहित जिला के नेता एवं कार्यकर्ता पूरी तरह से जुट गए हैं. इसे लेकर शनिवार को कांग्रेस के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष शहजादा अनवर चितरपुर पहुंचे. यहां उन्होंने तैयारी का जायजा लिया. उन्होंने बताया कि कार्यक्रम को ऐतिहासिक बनाने के लिए कार्यकर्ता पूरी तरह से तैयार हैं. 4 फरवरी की दोपहर 2 बजे तक राहुल गांधी की न्याय यात्रा गोला पहुंचेगी.

जिले के कांग्रेस कार्यकर्ता चौपा दारू से बाइक रैली निकालेंगे और राहुल गांधी को गोला तक लेकर आएंगे. वहीं, हजारों की संख्या में उनको चाहनेवाले, विभिन्न दलों के नेता व कार्यकर्ता सहित आम लोग मौजूद रहेंगे. प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष ने कहा कि यह न्याय यात्रा काफी भव्य और ऐतिहासिक होगी. पूरा शहर जिला बैनर, पोस्टर और झंडे से पट चुका है. कहा कि हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र में राहुल गांधी के आने से कांग्रेसियों को लाभ मिलेगा. यही नहीं दशकों से काबिज भाजपा के किले को भी ध्वस्त किया जा सकेगा. उन्होंने बताया कि राहुल के रामगढ़ दौरे की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं. रामगढ़ जिले में यात्रा गोला से होते हुए चितरपुर, रामगढ़ नगर और फिर रांची की ओर बढ़ेगी. मौके पर कांग्रेस जिला उपाध्यक्ष चितरंजन दास चौधरी, समाजसेवी चंद्रशेखर पटवा, लक्ष्मण महतो, प्रखंड अध्यक्ष एहसान उल्लाह, शाहिद अनवर, इजहार हुसैन, मो. इम्तियाज, मो. रुस्तम आदि मौजूद थे.

जिला स्तरीय स्वीप कोर कमेटी की बैठक में डीसी ने अधिकारियों व कर्मियों को दिए जरूरी दिशा-निर्देश

मतदाताओं को मतदान के लिए करें जागरूक : चंदन कुमार

संवाददाता। रामगढ़

चुनाव तैयारी

- स्वीप कोर कमेटी के गठन के उद्देश्यों की जानकारी दी गई
- शत-प्रतिशत मतदान के लिए स्लोगन तैयार करने को कहा

जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त चंदन कुमार की अध्यक्षता में शनिवार को समाहरणालय सभाकक्ष में जिला स्तरीय स्वीप कोर कमेटी की बैठक हुई. इस दौरान जिला उप निर्वाचन पदाधिकारी रवींद्र कुमार गुप्ता ने जिला स्तर पर स्वीप कोर कमेटी के गठन के उद्देश्यों को बताया. साथ ही कमेटी के द्वारा किए जाने वाले कार्यों को लेकर भी आवश्यक जानकारियां दी.

उपायुक्त ने बड़कागांव एवं रामगढ़ विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत प्रत्येक मतदाता को अपने मताधिकार का प्रयोग करने के प्रति जागरूक करने को लेकर स्वीप के तहत विशेष योजना तैयार करने का निर्देश दिया. उन्होंने आम लोगों के साथ-साथ विभिन्न कार्यालयों में चुनाव कार्यों में लगे अधिकारियों, कर्मियों, पुलिस बल के जवानों आदि से भी आगामी लोकसभा चुनाव में अपने-अपने मताधिकार का उपयोग करने की अपील की. उपायुक्त ने कहा कि बड़कागांव एवं रामगढ़ विधानसभा क्षेत्र में वैसे मतदान केंद्र, जहां पिछली बार के निर्वाचन के दौरान मतदान प्रतिशत कम रहा था, उन्हें चिन्हित कर योजनाबद्ध तरीके से उन क्षेत्रों में जागरूकता कार्यक्रम चलाएं.

उपायुक्त ने आगामी लोकसभा आम निर्वाचन में शत-प्रतिशत मतदान सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से मतदान संबंधित स्लोगन तैयार करने को कहा. साथ ही स्लोगन का व्यापक प्रचार-प्रसार करने के साथ-साथ सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर समय व कार्यक्रम के अनुसार #टैग लगाने एवं ज्यादा से ज्यादा मतदाताओं तक पहुंच सुनिश्चित करने का निर्देश दिया.

प्रचार-प्रसार का निर्देश

मतदाताओं को जागरूक करने के उद्देश्य से उपायुक्त ने निर्वाचन विभाग द्वारा आयोजित की जा रही विभिन्न प्रतियोगिताओं का व्यापक प्रचार-प्रचार करने को कहा. साथ ही प्रतियोगिताओं में ज्यादा से ज्यादा लोगों की सहभागिता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया. स्वीप के माध्यम से आगामी लोकसभा निर्वाचन में प्रभावी तरीके से प्रचार-प्रसार को लेकर आधुनिक तकनीकों, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म आदि का इस्तेमाल ज्यादा से ज्यादा एवं रचनात्मक तरीके से करने को कहा.

विभिन्न योजनाओं व विकास कार्यों की डीसी ने की बिंदुवार समीक्षा

तालाबों का कार्य जल्द होगा शुरू

संवाददाता। रामगढ़

केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं तथा जिले में चल रहे विकास कार्यों को लेकर शनिवार को उपायुक्त चंदन कुमार ने समाहरणालय सभाकक्ष में समीक्षा बैठक की. इस दौरान उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को जल्द कृषि मेले का आयोजन करने को लेकर दिशा-निर्देश दिए. बैठक के दौरान भूमि संरक्षण पदाधिकारी के द्वारा जिले में विभिन्न सरकारी तालाबों के गहरीकरण एवं सौंदर्यीकरण कार्यों की जानकारी दी.

उन्होंने बताया कि जिले में कुल 75 सरकारी तालाबों को चिन्हित किया गया है, जिनमें 15 पर कार्य शुरू हो गया है. उपायुक्त ने शेष तालाबों पर भी जल्द से जल्द कार्य शुरू करने का निर्देश दिया. वहीं बुधवार तक अनिवार्य रूप से डीप बोरिंग एवं 50 तालाबों से संबंधित वर्क आर्डर जनरेट करने का कार्य पूर्ण करने को कहा. पशुपालन पदाधिकारी ने मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना के तहत हो रहे कार्यों की जानकारी दी. उपायुक्त ने लंबित लाभुकों को जल्द से जल्द योजना से लाभान्वित करने का निर्देश दिया. वहीं गव्य विकास के अंतर्गत खोवा मेकिंग यूनिट, पनीर मशीन के लाभुकों का चयन करने को कहा.

मत्स्य एवं उद्यान विभाग के कार्यों की समीक्षा के क्रम में किसानों को पपीते की खेती एवं इससे किसानों को होने वाले फायदे के प्रति जागरूक करने का निर्देश दिया. साथ ही जिले में एग्री क्लीनिक संचालित करने को लेकर टेंडर की प्रक्रिया के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए. वहीं, आत्मा के कार्यों की समीक्षा में उपायुक्त ने कृषि ऋण माफी योजनाओं में बचे हुए लाभुकों को मुआवजे राशि का भुगतान जल्द से जल्द सुनिश्चित करने को कहा.

फसल राहत योजना में कुल 35475 प्राप्त आवेदनों में 8587 लाभुकों की भूमि एवं फसल संबंधित स्वीकृति का कार्य पूर्ण कर लिया गया है. उपायुक्त ने इन लोगों को जल्द से जल्द राशि का भुगतान करने को कहा. साथ ही सुखाड़ राहत योजना को लेकर आवश्यक निर्देश दिए.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष समय सामान्य है. शाम से चंद्रमा नीच का है. वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें. किसी व्यक्ति के उकसाने में न आएं. दुष्टजनों से बचकर रहें. दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे. आत्मविश्वास में वृद्धि होगी. लाल फूल का दान करें.

वृषभ बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे. व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी. कारोबार में वृद्धि के योग हैं. भाग्य का साथ रहेगा. प्रतिद्वंद्वी सक्रिय रहेंगे. भेंट व उपहार की प्राप्ति संभव है. प्रसन्नता रहेगी. इत्र का दान करें.

मिथुन योगा का सहारा लें. आर्थिक स्थिति बिगड़ सकती है. महत्वपूर्ण निर्णय लेने में जल्दबाजी न करें. वाणी पर नियंत्रण रखें. चिंता तथा तनाव बने रहेंगे. नौकरी में कार्यभार रहेगा. आपके कार्य के प्रभाव से व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा.

कर्क समय सामान्य है. शिक्षा में लापरवाही नुकसान देगा. लाभ के अवसर हाथ आएंगे. नया कार्य करने का मन बनेगा. निवेश शुभ रहेगा. कारोबार में वृद्धि के योग हैं. नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा. पारिवारिक सुख-शांति बनी रहेगी. मित्र मिलेंगे.

सिंह किसी महिला से विवाद हो सकता है. व्यापार-व्यवसाय की कार्यप्रणाली में सुधार होगा. सामाजिक सेवा करने की प्रेरणा मिलेगी. मान-सम्मान मिलेगा. धन प्राप्ति सुगम होगी. चोट व रोग से बाधा की आशंका है.

कन्या पूजा-पाठ में मन लगेगा. कारोबार से लाभ में वृद्धि के योग हैं. कोर्ट व कचहरी इत्यादि में स्थिति अनुकूल रहेगी. किसी विवाद में विजय प्राप्त हो सकती है. व्यापार में नए काम मिल सकते हैं. चिंता रहेगी. दुष्टजनों से बचकर रहें.

तुला वाहन व मशीनरी इत्यादि के प्रयोग में सावधानी रखें. शारीरिक कष्ट से बनते कामों में विघ्न हो सकता है. स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें. क्रोध व उत्तेजना पर नियंत्रण रखें. व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा. आय में निश्चितता रहेगी. चिंता रहेगी.

वृश्चिक कोर्ट व कचहरी तथा सरकारी कार्यालयों में रुके कामों में गति आएगी. विवाद का हल हो सकता है. जीवनसाथी को भेंट व उपहार देने का अवसर प्राप्त होगा. प्रसन्नता रहेगी. पारिवारिक सहयोग मिलता रहेगा. आय में वृद्धि होगी.

धनु स्थायी संपत्ति में वृद्धि के योग हैं. बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे. आय में वृद्धि होगी. पार्टनरों से मतभेद दूर होकर स्थिति अनुकूल बनेगी. किसी से विवाद की आशंका है. मानहानि हो सकती है, सावधान रहें.

मकर किसी मनोरंजक यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है. विद्यार्थी वर्ग अपने कार्य सफलतापूर्वक कर पाएंगे. परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता प्राप्त होगी. मनपसंद भोजन का आनंद प्राप्त होगा. अन्न दान करें.

कुंभ किसी व्यक्ति से अकारण विवाद हो सकता है. भागदौड़ के चलते स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है. लापरवाही न करें. किसी दुःखद समाचार मिलने की आशंका है. चिंता तथा तनाव रहेंगे. व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा.

मीन भाग्य का साथ मिलेगा. कोई यात्रा का योग है.धर्म में मन लगेगा. शारीरिक कष्ट की आशंका है. प्रयास सफल रहेंगे. नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी. किसी बड़े कार्य को करने की इच्छा प्रबल होगी. कारोबार अच्छा चलेगा.

कस्तूरबा में कक्षा छह में नामांकन 10 तक

डंडई। कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय में सत्र 2024-2025 के लिए कक्षा छह में नामांकन के लिए फॉर्म लेने का समय बढ़ा दी गई है. अब अभिभावक कक्षा छह में नामांकन के लिए नामांकन फार्म 10 फरवरी तक विद्यालय के कार्यालय से प्राप्त कर सकते हैं. जानकारी देते हुए विद्यालय की वार्डन तनुजा कुमारी ने बताया कि विद्यालय में नामांकन को लेकर 19 दिसंबर से फार्म का वितरण शुरू किया गया है. वर्ग छह में नामांकन को लेकर फार्म कार्यालय अवधि में विद्यालय से प्राप्त किया जा सकता है. नामांकन में प्रखण्ड के अनूसूचित जाति, अनूसूचित जन जाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, अल्प संख्यक समुदाय एवं वैसे परिवार की बालिकाओं का चयन किया जाना है जो गरीबी रेखा से नीचे हैं.

लोगों को है भाकपा माले पर विश्वास : यादव

जमुआ (गिरिडीह)। भाकपा माले गिरिडीह द्वारा आयोजित 17 एवं 18 फरवरी को जिला सम्मेलन को लेकर भाकपा माले प्रखंड कमेटी की जीबी बैठक जमुआ के चुंगलखार स्थित पंचायत भवन के समीप की गई . जिसकी अध्यक्षता सुभाष सिंह ने की. जबकि संचालन रमेश विश्वकर्मा ने किया .बैठक में पश्चिमी जिला परिषद के पार्टी कार्यकर्ता शामिल थे. कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राजधनवार के पूर्व विधायक राजकुमार यादव ने कहा कि भाकपा माले द्वारा आयोजित कार्यक्रम में जाकर सफल बनाना है. कहा लोगों को सिर्फ भाकपा माले पर विश्वास है. जमुआ विधानसभा नेता अशोक पासवान, जिला परिषद सदस्य विजय पाण्डेय, करिहारी पंसस सुरेश चंद्रवंशी, लक्ष्मण यादव आदि उपस्थित थे.

प्रिय रंजन बने आयकर विभाग के लोक अभियोजक

जमशेदपुर। जमशेदपुर जिला बार एसोसिएशन के वरीय अधिवक्ता प्रिय रंजन कुमार को आयकर विभाग का (विशेष सार्वजनिक) लोक अभियोजक के रूप में प्रतिनियुक्त किया गया हैं. इसकी घोषणा गवर्नमेंट ऑफ़ इंडिया मिनिस्ट्री ऑफ़ फाइनेंस (डिपार्टमेंट ऑफ़ रेवेनुए सेंट्रल बोर्ड का डायरेक्ट टैक्स) ने अधिसूचना जारी करते हुए दी हैं. झारखंड राज्य के लिए जमशेदपुर से प्रिय रंजन कुमार और धनबाद से पंकज कुमार प्रसाद चयनित किया गया हैं. इन दोनों चयनित अधिवक्ताओं को राज्य के सेशन जज एवं उनकी अधीनस्थ न्यायालय में आयकर विभाग की ओर से पक्ष रखेंगे.

आग्रह : सम्मेदशिखर के शाश्वत ट्रस्ट के महामंत्री के नेतृत्व में ट्रस्ट के प्रतिनिधियों ने जीम को सौंपा आठ सूत्री मांग पत्र

पूर्व मध्य रेलवे के महाप्रबंधक के साथ अधिकारियों का जत्था पहुंचा मधुबन

संवाददाता। रांची

सम्मेदशिखर जी-जैनियों के विश्व प्रसिद्ध तीर्थस्थल श्रीसम्मेदशिखरजी रेलवे के महाप्रबंधक अनिल कुमार खण्डेलवाल एवं मण्डल प्रबंधक धनबाद कमल किशोर सिन्हा मधुबन पहुंचे, उनके साथ रेलवे अपर मण्डल प्रबंधक विनीत कुमार एवं अमित कुमार, वरीय मण्डल वाणिज्य प्रबंधक अमरेश कुमार, वरीय सुरक्षा मण्डल सुरक्षा आयुक्त मो सरफराज अहमद, वरीय मण्डल संकेत एवं दूरसंचार गौतम गुप्ता, वरीय मण्डल अभियंता सूरज कुमार, आलोक कुमार समेत कई अन्य अधिकारी उपस्थित रहें. उन्होंने मधुबन में सर्वप्रथम श्री दिगम्बर जैन शाश्वत तीर्थराज सम्मेदशिखर ट्रस्ट के निहारिका परिसर में स्थित कलश मंदिर का दर्शन किया.

ट्रस्ट के महामंत्री राजकुमार जैन अजमेरा हजारीबाग के निर्देश पर ट्रस्ट के अधिकारियों ने तिलक एवं दुपट्टा से रेलवे के सभी अधिकारियों का सम्मान किया एवं ट्रस्ट के महामंत्री अजमेरा की ओर से पारसनाथ स्टेशन और मधुबन पीआरएस की सुविधा को बढ़ाने के लिए अधिकारियों को ज्ञापन सौंपा गया. मांग पत्र में श्री सम्मेदशिखरजी की महिमा का वर्णन करते हुए आठ मुख्य बिंदुओं की मांग की गयी है. मांग पत्र में कहा गया है श्री सम्मेदशिखर (पारसनाथ) जिला-गिरिडीह में स्थित अल्पसंख्यक जैन धर्मावलम्बियों का विश्व में सबसे बड़ा एवं पूजनीय तीर्थस्थल है. यह क्षेत्र पारसनाथ स्टेशन से लगभग 25 किलोमीटर दूरी पर है एवं सभी ट्रेन से आने वाले यात्री इसी स्टेशन का इस्तेमाल करते हैं. धनबाद से इसकी दूरी लगभग 50 किलोमीटर है. भारत के सर्वाधिक महत्वपूर्ण तीर्थ स्टेशन होने पर भी पारसनाथ स्टेशन रेल विभाग द्वारा उपेक्षित रहा है. हर वर्ष श्री सम्मेदशिखर क्षेत्र के दर्शन करने हेतु लाखों यात्री आते हैं एवं ज्यादातर यात्रियों के लिए पारसनाथ स्टेशन का इस्तेमाल करना सर्वाधिक सुविधाजनक होता है.

अधिकारियों को प्रस्तुत ज्ञापन में पारसनाथ, मधुबन, गिरिडीह, नई रेल लाईन के स्वीकृत कार्य को अविलंब प्रारंभ करने, गरबा एक्सप्रेस 12937-12938, हावड़-दिल्ली दूरन्तो एक्सप्रेस 12274-12275, हमसफर एक्सप्रेस 22318 एवं भुवनेश्वर-आनंद विहार टर्मिनल 22805-22806 का ठहराव पारसनाथ स्टेशन पर करने करने की मांग की गयी है. झारखण्ड स्वर्ण जयन्ती एक्सप्रेस 12817-12818, रांची एलटीटी एक्सप्रेस 18609-18610, आरा रांची आरा एक्सप्रेस 18639-18640, सियालदह नई दिल्ली सियालदह राजधानी 12313-12314 एवं रांची नई दिल्ली रांची राजधानी एक्सप्रेस 12839-12840 का भी ठहराव पारसनाथ स्टेशन पर करने की मांग की गयी. ज्ञापन में ट्रेनों के ठहराव का समय को बढ़ाने, अयोध्या रेलवे स्टेशन के तर्ज पर भगवान पारसनाथ की प्रतिमा स्थापित करने, शिखरजी मधुबन रेलवे के पीआरएस. काउन्टर की समय सीमा रात्रि 8:00 बजे त करने की मांग की गयी है. साथ ही वातानुकूलित प्रतीक्षालय की भी मांग की गयी. मौके पर ट्रस्ट के प्रबंधक संजीव जैन, ए. सईदी, गंगाधर महतो, प्रकाश भवन के प्रबंधक सुजीत सिन्हा, शांतिधाम के प्रबंधक प्रभाष जैन, शैलेन्द्र जैन समेत दर्जनों लोग उपस्थित थें।कोडरमा मीडिया प्रभारी जैन राज कुमार अजमेरा मौजूद थे.

खास बातें

- तिलक और दुपट्टा से किया गया रेलवे उच्चाधिकारियों का स्वागत
- अधिकारियों ने निहारिका परिसर में कलश मंदिर का किया दर्शन

रांची में राष्ट्रीय जनजाति सम्मेलन 11 फरवरी को, व्यापक तैयारियां

बदले सियासी हालात में भाजपा को कितना मिलेगा राष्ट्रीय जनजाति सम्मेलन का लाभ

सत्य शरण मिश्रा। रांची

सम्मेलन की तैयारी बैठक में भाग ले रहे भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी

भाजपा ने 11 फरवरी को रांची में विशाल राष्ट्रीय जनजाति सम्मेलन बुलाया है. इसे लेकर भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा जोरशोर से तैयारी कर रहा है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी इस सम्मेलन में आने वाले हैं. भाजपा ने सम्मेलन की घोषणा तब की थी, जब राज्य में हेमंत सोरेन की सरकार थी. अब सियासी समीकरण बदल चुका है. हेमंत सोरेन जेल में हैं और राज्य में चंपई सोरेन की सरकार है. झारखंड की आदिवासी सुरक्षित 5 लोकसभा और 28 विधानसभा सीटों के जनजातियों को साधने के लिए भाजपा ने यह सम्मेलन बुलाया है. हेमंत सोरेन और उनकी सरकार पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों को मुद्दा बना कर भाजपा इस रैली के जरिए आदिवासी वोटरों को अपना संदेश देना चाहती थी. सम्मेलन का मुख्य मुद्दा अभी भी पूर्ववर्ती हेमंत सरकार ही होगा. कांग्रेस और राजद भी भाजपा नेताओं के निशाने पर रहेंगे, लेकिन कहा जा रहा है कि हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी के बाद आदिवासियों के बीच पनपे आक्रोश के कारण भाजपा अब इस रैली का बहुत ज्यादा फायदा नहीं उठा पाएगी.

हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी से भाजपा के सम्मेलन पर पड़ सकता है असर : हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी के बाद भाजपा लोगों को यह बता रही है कि हेमंत सोरेन भ्रष्टाचार के मामले में जेल गये हैं. उन्होंने जमीन की हेराफेरी की है. उधर झामुमो, राजद और कांग्रेस हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी को भाजपा की साजिश बता रहा है. हेमंत सोरेन के पिता शिबू सोरेन झारखंड के आदिवासियों के सर्वमान्य नेता हैं. झारखंड में झामुमो और उसके सहयोगी दल जनजाति वोटरों के यह संदेश देने की कोशिश कर रहे हैं कि हेमंत सोरेन आदिवासी नेता हैं इसलिए केंद्र सरकार ने उन्हें प्रताड़ित करने के लिए झूठे केस में फंसाया है. राज्य के आदिवासी बहुल इलाकों में झामुमो की मजबूत पकड़ है इसलिए झामुमो आदिवासियों के बीच भाजपा के खिलाफ माहौल बनाने में काफी हद तक कामयाब हो सकता है. अगर ऐसा हुआ तो भाजपा के सम्मेलन पर असर पड़ सकता है.

जनजातीय सम्मेलन को सफल बनाने को लेकर बनी रणनीति

जमशेदपुर। रांची में 11 फरवरी को भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जनजाति मोर्चा की ओर से राष्ट्रीय जनजाति सम्मेलन की सफलता एवं व्यापक भागीदारी को लेकर भाजपा जमशेदपुर महानगर अनुसूचित जनजाति मोर्चा की महत्वपूर्ण बैठक शनिवार को सम्पन्न हुई . मोर्चा के जिलाध्यक्ष बीनानंद सिरका की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में जिला परिषद अध्यक्ष बारी मुर्मू जिला, जिला के प्रभारी राम सिंह मुंडा, प्रदेश प्रवक्ता काजू सांडिल, प्रदेश कार्य समिति सदस्य उपेंद्र सरदार, भाजपा जिला उपाध्यक्ष संजीव सिन्हा मुख्यरूप से उपस्थित थे. इस दौरान रांची के प्रभात तारा मैदान में होने वाले जनजाति सम्मेलन में जमशेदपुर महानगर के जनजातीय समाज की सक्रिय एवं अधिक से अधिक भागीदारी को लेकर व्यापक चर्चा कर रूपरेखा बनाई गई . बैठक में सम्मेलन की सफलता के निमित्त जिला एवं विधानसभा स्तर पर संयोजक एवं सह संयोजक की नियुक्ति की गई . जिसमें जिला संयोजक रमेश बास्के एवं सह संयोजक विजय सोय को बनाया गया . बैठक में जनजाति सम्मेलन में हजारों कार्यकर्ताओं व आमजनों के भाग लेने की रूपरेखा बनाई गई . विधानसभा स्तर पर संयोजक एवं सह संयोजक बनाये गए है . जिसमें जुगसलाई विधानसभा संयोजक शरद सिंह सरदार एवं सह संयोजक गणेश सोलंकी व माला मुंडा बनाए गए .

केंद्रीय नेतृत्व कर रहा फायदा, नुकसान का आकलनः शिवशंकर

बदले हुए सियासी हालात के बाद आदिवासी सम्मेलन को लेकर प्रदेश भाजपा के नेता भी कुछ खुल कर नहीं बोलना चाह रहे हैं . भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व विधायक शिवशंकर उरांव को सम्मेलन का कार्यक्रम प्रमुख बनाया गया है . जब उनसे जानने की कोशिश की गई कि मौजूदा राजनीतिक हालात में इस सम्मेलन से भाजपा को कितना फायदा मिलेगा, तब उन्होंने इसपर कुछ भी कहने से इनकार कर दिया . उन्होंने कहा कि इस विषय का आकलन पार्टी का राष्ट्रीय नेतृत्व कर रहा होगा . इसलिए इसपर कोई प्रतिक्रिया देना उनके लिए उचित नहीं होगा .

एनटीटीएफ के 4 छात्र फैनुक में 5 लाख के पैकेज पर लॉक

मुख्य संवाददाता। जमशेदपुर

जमशेदपुर के गोलमुरी स्थित एनटीटीएफ आरडीटाटा तकनीकी संस्थान में फैनुक कंपनी द्वारा कैंपस सिलेक्शन किया गया. जिसमें सर्वप्रथान लिखित परीक्षा, छात्रों की व्यक्तिगत प्रतिभा, तकनीकी क्षमता को परखा गया एवं फाइनल सिलेक्शन इंटरव्यू राउंड के बाद किया गया. इसमें छात्रों ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए संस्थान को गौरवांवित किया. फैनुक कंपनी द्वारा एनटीटीएफ के चार छात्रों को पांच लाख रुपये सालाना पैकेज पर लॉक किया गया. सभी छात्रों ने पांच राउंड के सिलेक्शन प्रक्रिया में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर अपनी जगह इस कंपनी में बनायी. चयनित छात्रों में सुखमीत सिंह, हर्षदीप सिंह, शाहिल राय और अभिनंदन दास मोदक शामिल हैं. ये सभी सीपी-15 फाइनल ईयर डिप्लोमा इन मेकाट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग के छात्र हैं. सभी छात्रों को ने पांच लाख के पैकेज पर बैंगलुरु स्थित फैनुक कंपनी के लिए लॉक किया गया है.

सेवानिवृत्ति के बाद अपने सामाजिक जीवन को बेहतर बनाने की सलाह

संवाददाता। बोकारो

बोकारो जिले के कसमार प्लस टू हाई स्कूल के प्रांगण में शिक्षा विभाग की ओर से सम्मान सह स्वागत समारोह का आयोजन किया गया. इस कार्यक्रम में कसमार के सेवानिवृत्त बीईइओ घनश्याम साहू को विदाई एवं पदभार ग्रहण करने वाले बीईइओ कामेश्वर महतो का स्वागत किया गया. कार्यक्रम में गोमिया विधायक डॉ. लंबोदर महतो, प्रमुख नियोति दे, स्थानीय जिप सदस्य अमरदीप महाराज एवं मुखिया गीता देवी मुख्य रूप से उपस्थित थे. इस अवसर पर सेवानिवृत्त बीईइओ घनश्याम साहू अपनी पत्नी समेत परिवार के अन्य कई सदस्यों के साथ मौजूद थे. इस दौरान कार्यक्रम के मुख्य अतिथि गोमिया विधायक डॉ. लंबोदर महतो ने कहा कि सरकारी सेवा से कभी कोई अधिकारी या कर्मी सेवानिवृत्त नहीं होते हैं, बल्कि वे एक तरह से विभागीय जिम्मेवारियों से मुक्त होकर सामाजिक व पारिवारिक जिम्मेदारियों की शुरुआत करते हैं. उन्होंने बताया कि कसमार बीईइओ घनश्याम साहू की कार्य के प्रति कर्तव्यननिष्ठा एवं समर्पण को लोग एवं शिक्षक लंबे समय तक अपने दिलों में बसाकर रखेंगे. कार्यक्रम के दौरान कसमार प्रमुख नियोति दे,

डीवीसी के नये चैयरमैन मैथन पहुंचे

संवाददाता। मैथन

दामोदर घाटी निगम (डीवीसी) के नए चैयरमैन एस सुरेश कुमार ने शनिवार को पहली बार मैथन परियोजना का दौरा किया. डीवीसी चैयरमैन के साथ वरिष्ठ महाप्रबंधक (यांत्रिक) सुभाष सिंह भी थे. चैयरमैन श्री कुमार के मैथन पहुंचने पर मैथन परियोजना के कार्यपालक निदेशक सह परियोजना प्रधान अंजनी कुमार दुबे ने चैयरमैन कैंप हाऊस में उन्हें पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया. इसके बाद सीआईएसएफ के जवानों ने उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया.

मौके पर चैयरमैन कुमार ने कैंप हाऊस में पौधारोपण किया तथा मैथन डैम बनाए गए फ्लावर गार्डन का निरीक्षण किया. इसके बाद कुमार डीवीसी प्रशासनिक भवन पहुंचे, जहां एचपी सभागार में एमआरओ विभाग द्वारा हाइड्रोलॉजी से संबंधित बाढ़ पूर्वानुमान तथा अन्य पहलुओं की जानकारी देते हुए पीपीटी प्रेजेंटेशन दिया. इसके बाद श्री कुमार ने मैथन परियोजना के अधिकारियों के साथ बैठक कर बिजली उत्पादन, डैम की सुरक्षा, कर्मियों की समस्या आदि मुद्दे की जानकारी ली और आवश्यक दिशानिर्देश दिया. इस दौरान चैयरमैन कुमार के साथ वरिष्ठ महाप्रबंधक संजीत कुमार सिंह तथा परियोजना के विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे.

प्रभारी ने भारत जोड़ो न्याय यात्रा के रूट का लिया जायजा

मेदिनीनगर। राहुल गांधी की प्रस्तावित भारत जोड़ो न्याय यात्रा को लेकर एआईसीसी से नियुक्त यात्रा के प्रभारी सुशांत मिश्रा के शनिवार को पलामू आगमन पर पलामू कांग्रेस जिलाध्यक्ष बिट्टू पाठक एवं पार्टी के पदाधिकारियों ने उनका स्वागत किया. साथ ही राहुल गांधी के भारत जोड़ो में यात्रा के और रूट को लेकर चर्चा करने के साथ ही स्थल निरीक्षण किया. वहीं प्रस्तावित रूट के जायजा लेते हुए राहुल गांधी के भारत जोड़ो न्याय यात्रा के संबंध में स्थानीय लोगों से भी चर्चा की. जिलाध्यक्ष बिट्टू पाठक ने कहा कि भारत जोड़ो न्याय यात्रा को लेकर लोगों में काफी उमंग देखने को मिल रहा है. जनप्रिय नेता राहुल गांधी ने मणिपुर से मुंबई तक 6700 किलोमीटर से ज्यादा भारत जोड़ो न्याय यात्रा की शुरुआत की है और जिस प्रकार का समर्थन व प्यार उन्हें मिल रहा है, यह देखकर भारतीय जनता पार्टी घबराई हुई है.

पलामू में 11 को ओबीसी मोर्चा व अधिकार मंच का होगा महासम्मेलन

जातीय जनगणना कराये सरकारः जुगल

संवाददाता। लातेहार

अधिकार मंच, पलामू प्रमंडल के संयोजक जुगल पाल ने झारखंड राज्य में जातीय जनगणना कराकर ओबीसी का सामाजिक, आर्थिक एवं शैक्षणिक रिपोर्ट जारी करने की मांग सरकार से की. इसके अलावा उन्होंने किसानों का समर्थन मूल्य बढ़ाने एवं नगर निकाय व पंचायत चुनाव में पिछड़ा वर्ग के लिए निर्धारित रोस्टर के अनुसार आरक्षण देने की मांग की. श्री पाल शनिवार को शहर के माको डाक बंला में राष्ट्रीय ओबीसी मोर्चा एवं अधिकार मंच के संयुक्त प्रेस वार्ता को संबोधित कर रहे थे.

मौके पर ओबीसी आयोग के सदस्य लक्ष्मण यादव, राष्ट्रीय ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष राजेश गुप्ता, अधिकार मंच के संयोजक मंडली के ब्रह्मदेव साव, शंकर प्रताप विश्वकर्मा, अजय वर्मा, रिटायर डीएसपी सरवन कुमार, विनय चंद्रवंशी, वरुण बिहारी प्रसाद, अख्तर अंसारी, राज नारायण, लक्ष्मण यादव, लातेहार के पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष सुशील अग्रवाल एवं ओबीसी मोर्चा के लातेहार जिला अध्यक्ष शत्रुघ्न प्रसाद शामिल थे. प्रेस वार्ता में बताया गया कि आगामी 11 फरवरी को पलामू के शिवाजी मैदान में प्रमंडलीय पिछड़ा वर्ग, ओबीसी मोर्चा व अधिकार मंच का महासम्मेलन का आयोजित किया जायेगा.अधिकार मंच के संयोजक ब्रह्मदेव साव ने कहा कि किसी भी राजनीतिक दल द्वारा ओबीसी को उसका हक व अधिकार नहीं दिया जा रहा है. लातेहार में ओबीसी का आरक्षण शून्य हैं. ओबीसी के हक व अधिकार के लड़ाई के लिए 11 फरवरी को पलामू के शिवाजी मैदान में प्रमंडलीय महासम्मेलन का आयोजन किया जायेगा. ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष राजेश गुप्ता ने कहा कि ओबीसी को अपने हक की लड़ाई के लिए आगे आना होगा. मौके पर महेंद्र प्रसाद गुप्ता, रामप्यारे प्रसाद, मोती सोनी, सुनील शौंडिक, रंजीत यादव व नागेंद्र प्रसाद आदि मौजूद थे.

जोरदार तैयारी राहुल गांधी 6 फरवरी को पहुंचेंगे खूंटी, कांग्रेस कार्यकर्ताओं में उत्साह

खूंटी में ऐतिहासिक होगी भारत जोड़ो न्याय यात्राः गीता कोड़ा

संवाददाता। चाईबासा

कांग्रेस के सर्वमान्य नेता राहुल गांधी के छह फरवरी को खूंटी आगमन को लेकर तैयारी जोरों पर है. सिंहभूम लोकसभा स्तरीय कांग्रेस ईकाई जोर-शोर से जुट गई है. शनिवार को कांग्रेस भवन चाईबासा में जिलाध्यक्ष चंद्रशेखर दास की अध्यक्षता में भारत जोड़ो न्याय यात्रा के संदर्भ में सिंहभूम की सांसद सह झारखण्ड प्रदेश कांग्रेस कार्यकारी अध्यक्ष गीता कोड़ा की उपस्थिति में जिला कांग्रेस कमेटी पश्चिम सिंहभूम के पदाधिकारियों तथा प्रकोष्ठ विभाग संगठन के अध्यक्ष / चेयरमैन के साथ एक अति आवश्यक बैठक की गई.

बैठक को संबोधित करते हुए सिंहभूम की सांसद सह झारखण्ड प्रदेश कांग्रेस कार्यकारी अध्यक्ष गीता कोड़ा ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि खूंटी में छह फरवरी 2024 को राहुल गांधी के भारत जोड़ो न्याय यात्रा को लेकर जगह-जगह पर व्यापक तैयारियां की जा रही है. सांसद ने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा ऐतिहासिक होगी. उन्होंने कहा कि पूरे सिंहभूम लोकसभा क्षेत्र से इस भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान राहुल गांधी के साथ जुड़ेंगे. भारत जोड़ो न्याय यात्रा भगवान बिरसा मुंडा की पावन भूमि खूंटी , झारखंड में ऐतिहासिक होने वाला है. जिसमें युवाओं और महिलाओं की भागीदारी बड़ी संख्या में होगी. बैठक का संचालन कांग्रेस जिला महासचिव त्रिशानु राय और धन्यवाद ज्ञापन कांग्रेस जिला महासचिव राज कुमार रजक ने किया.

बैठक में युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष प्रीतम बांकिरा, यूथ इंटक अध्यक्ष कुतुबुद्दीन खान, ओबीसी प्रकोष्ठ अध्यक्ष रंजीत यादव , अल्पसंख्यक जिला उपाध्यक्ष जहाँगीर आलम , जिला कांग्रेस महासचिव बालेमा कुई , मो.सलीम , लियोनार्ड बोदरा , अविनाश कोड़ाह , सचिव जामबी कुदादा , लाल मोहन दास , विश्वनाथ तामसोय , प्रवक्ता जितेन्द्र नाथ ओझा , कोषाध्यक्ष ललित कर्ण , युवा कांग्रेस जिला उपाध्यक्ष सलीम कुरैशी ,प्रखंड अध्यक्ष दिकु सावैयां , मंजित प्रधान ,ईस्माईल सिंह दास , साकारी दोंगो , नगर अध्यक्ष रमेश ठाकुर , अमन महतो , शरण मंडल , राखी सालुजा , राणा बोस , अमीर अंसारी , लवी शर्मा , मनोज सिंह , मो.असलम , अजित कांडेयांग , सुरसेन टोपनो , गोल्डन खान , राकेश सिंह , बच्चन खान , बिगनो रंजन दास , ब्रज मोहन देवगम आदि उपस्थित थे.

ससमय राशन और चना वितरण करने का निर्देश

गावां (गिरिडीह)। गावां प्रखंड मुख्यालय सभागार में शनिवार को प्रभारी प्रखंड कृषि पदाधिकारी प्रदीप राम ने राशन डीलरों के साथ समीक्षात्मक बैठक कर सभी राशन डीलर को ससमय राशन और चना दाल वितरण करने का निर्देश दिया. साथ ही आधार सिडिंग के सभी कार्यों को शत-प्रतिशत पूर्ण करने पर बल दिया ताकि वैसे लाभुक जो अंगूठा नहीं लगने की वजह से योजना का लाभ लेने से वंचित रह गए हैं वे भी लाभ ले सकें. इसके अलावा मृत या छह माह से राशन उठाव नहीं करने वाले लाभुक का नाम विलोपित करने का निर्देश दिया. बैठक में राशन डीलर धीरज सिंह, आनन्द सिंह, बृजनन्दन साव, देवान मरांडी, बृजनन्दन पांडेय, अनुरूपा देवी आदि डीलर मौजूद थे.

बंगाली समाज की गीताश्री का मरणोपरांत किया गया नेत्रदान

संवाददाता। मेदिनीनगर

बंगाली समाज के सशक्त स्तंभ के रूप में पहचान रखनेवाली मेदिनीनगर निवासी गीताश्री मल्लिक (82) का कल शाम निधन हो गया. मृत्यु के बाद उनकी अंतिम इच्छा के अनुरूप में कश्यप आई हॉस्पिटल में उनकी आंखों का दान किया गया. बता दें कि गीताश्री मल्लिक रांची स्थित माता रामप्यारी हॉस्पिटल में विगत कुछ दिनों से इलाजरत थीं. उनकी पहचान बंगाली समाज के साथ-साथ अन्य जगहों में भी एक समाजसेवी और सांस्कृतिक गतिविधियों में भाग लेने वाली महिला के रूप में थी. वह शहर में आयोजित सांस्कृतिक और सामाजिक कार्यक्रमों के आयोजन में भी सशक्त भूमिका निभाती रही थीं. उन्होंने अपनी पुत्र वधु तमन्ना मल्लिक को भी नृत्य के क्षेत्र में काम करने के लिए काफी प्रोत्साहित किया. गीताश्री मल्लिक का दाह संस्कार शनिवार को स्थानीय हरिश्चंद्र घाट पर किया गया. मुखाग्नि उनके पुत्र सेसा के महासचिव डॉ कौशिक मल्लिक ने दी. इस अवसर पर उनके छोटे पुत्र किंशुक मल्लिक, दामाद अरुण विश्वास भी मौजूद थे. गीताश्री मल्लिक के निधन पर पूर्व चेयरमैन सुरेंद्र सिंह, प्रथम मेयर अरुणा शंकर, दुर्गा बाड़ी के अध्यक्ष देवेश मोइत्रा, सचिव दिवेंदु गुप्ता, बंगाली समिति के सचिव सैकत चटर्जी आदि ने शोक व्यक्त किया है.

"उपदेश देना सरल है, पर उपाय बताना कठिन. जीवन की चुनौतियों से बचने की बजाए उनका निडर होकर सामना करने की हिम्मत मिले, इसकी प्रार्थना करनी चाहिए. खुश रहना बहुत सरल है, लेकिन सरल होना बहुत मुश्किल है.यदि आप सभी त्रुटियों के लिए दरवाजा बंद कर दोगे तो सच अपने आप बाहर बंद हो जाएगा. – रवींद्र नाथ टैगोर"

शुभम संदेश
रांची, रविवार 04 फरवरी, 2024

झूठी तसल्ली आपको, दिला भी नहीं सकता

कविता कलम

डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

तन-मन को ठिठुरा देनेवाली ठंड विदाई के लिए तैयार बैठी है तो वसंत भी दस्तक दे रहा है. वसंत के स्वागत के लिए धरती भी तैयार है. वसंत को ऋतुराज कहा जाता है. यह ऋतुओं का राजा इसलिए है कि यह अपने साथ मस्तियों की झोली लेकर आता है. समस्त प्राणियों पर छाता है, सबका जी लुभाता है और अपनी मस्त हवाओं से तन-मन को गुदगुदाता है. इसीलिए यह सबको भाता है. इसका मानव समाज से गहरा नाता है. वसंत आता है तो हृदय का तार झंकृत कर जाता है. फूलों पर मंडराते भंवरों की गुनगुन सुनायी पड़ने लगती है. आम की डालियों पर मुस्कराती मंजरियों को देखकर कोयल की कूक उठती है. महुआ के फूल वातावरण में मादक मिठास घोल देते हैं. सचमुच वसंत मिलन का महीनों तक चलनेवाला पर्व है, प्रेम और संयोग का संगम है. वसंत आता है तो ठंड से ठूंठ हो चुके पेड़ों और झाड़ियों को हल्की गर्म हवा सहलाती है और फिर इन्हीं सूखे तनों से कोंपलें चटक पीले-हरे रंगों से मुस्करा उठती हैं. ऐसे मादक वातावरण में अगर किसी वियोगिनी का प्रीतम पास नहीं आता तो उसपर क्या बीतती है, यह तो वही समझ सकती है. दूसरे क्या समझेंगे, क्योंकि जाके पांव न फटे बिवाई, सो क्या जाने प्रीत परायी. इसे रांची की कवयित्री **खुशबू बरनवाल 'सीपी'** इस प्रकार महसूस कर रही हैं और अपने भावों को इन शब्दों में बांध रही हैं. इनकी कविता का शीर्षक है-आया वसंत.

आया मौसम वसंत, नहीं प्रीतम आया है.
यह मन मेरा मलंग, नहीं विरहा भाया है.
पीली सरसों महके चारों ओर हैं.
प्यारी चिड़िया चहके चारों ओर है .
छाई दुनिया वसंत, कसक दिल ने पाया है.
यह मन मेरा मलंग, नहीं बिरहा भाया है.
आया मौसम बसंत, नहीं प्रीतम आया है.
लेकर सुगंध बहता सन-सन पवन है.
यह जग सुकंत कहता उपवन धवन है.
छाई शोभा अनंत, गया पतझड़ शाया है.
यह मन मेरा मलंग, नहीं बिरहा भाया है.
आया मौसम बसंत, नहीं प्रीतम आया है.
भौरें गाते हैं, गुनगुनाते हैं.
सुरभित सुमनों पर मंडराते हैं.
देखो स्नेहिल सुगंध, यहां भी दर्शाया है.
यह मन मेरा मलंग नहीं बिरहा भाया है.
आया मौसम वसंत, नहीं प्रीतम आया है.

विभिन्न अलंकारों का प्रयोग करते हुए खुशबू जी ने मन मोह लेनेवाली कविता की खुशबू बिखेर दी है. यह वसंत ही तो है, जो हमें प्रेम की प्रेरणा देता है. जहां प्रेम होता है, वहीं श्रृंगार का वास होता है. संयोग श्रृंगार का एक अद्भुत रूप इस मशहूर फिल्मी गीत देखा जा सकता है-आधा है चंद्रमा रात आधी, रह न जाये तेरी मेरी बात आधी, मुलाकात आधी. रांची की कवयित्री **संध्या उर्वशी प्रेम** के इसी रूप पर प्रकाश डाल रही हैं. इनकी कविता का शीर्षक है-पूर्ण अपूर्ण प्रेम.

प्यार आधा जीवन आधा
मनोरथ आधा हृदय भी आधा
प्यार जीवन मनोरथ कभी
होता है किसी का पूरा
रह जाता है कुछ शेष अधूरा.
सुनो, मुझे शिव का डमरू मिला है
जिसकी धुन पर तांडव नृत्य करने लगती हूं
बांसुरी की धुन पर मोहित हो जाती हूं
वीणा के झंकार से हृदय में
तरंगें उठने लगती है
एकतारा की धुन पर तो
पागल मीरा सी नृत्य करने लगती हूं
फिर भी प्रेम की प्यास क्यों नहीं बुझती?
रह जाता है कुछ शेष अधूरा अपूर्ण आधा सा
थक जाता है यह नश्वर शरीर
पर नहीं थकता यह मन
प्रेम करने से
शांत से मन में बहती रहती प्रेम की गंगा
अनवरत निरंतर लगातार
फिर भी रह जाता है
कुछ शेष अधूरा आधा सा
प्यासी धरती के समान
जाओ पूछो ना ! राधा से
हीर से, लैला से, रुकमणी से या पूछो!
सत्यभामा के हृदय से
जो प्रीत मैंने पाई है
जो प्रीत मैंने पाई थी,
या जो प्रीत मैंने पाकर
हृदय में संजोकर रखा है,
उस प्रीत की एक-एक बूंद को
क्षण क्षण पल पल
करती रहती हूं महसूस
क्या उन्हें यह प्रीत मिली है??

प्रियतम की बाट में प्रेयसी का आंखें बिछाना स्वाभाविक ही है. अगर वह वसंत में भी आ न पाये तो उसे निर्मोही या बेदर्दी की संज्ञा से विभूषित करना उचित नहीं जान पड़ता. कुछ तो विवशता होगी, जो उसे आने से रोक रही होगी. रांची निवासी मशहूर कवि **कामेश्वर कुमार 'कामेश'** की यह गजल इस बात का जवाब हो सकती है.

अस्वस्थ सुन, दिल को, भरमा भी नहीं सकता,
आप अकेले हैं, परेशां हैं, पर जा भी नहीं सकता.
जाना इस उम्र में मेरी, जरूरत है कितनी आपको,
विदेश से जल्दी में, कोई आ भी नहीं सकता.
मुझे विदेश भेजने की जिद भी, आपकी ही थी,
पहुंच जाने की झूठी कसम, खा भी नहीं सकता.
यहीं से मैं, कुछ न कुछ, उपाय ढूंढता हूं,
झूठी तसल्ली आपको, दिला भी नहीं सकता.
किसी की बात न सुनूंगा, संग ही रहूंगा अब,
माता-पिता का कर्ज कोई चुका भी नहीं सकता.

तो यह है एक प्रियतम की विवशता. अर्थात इधर भी आग बूझी नहीं है. कहा है उल्फत का तब मजा है जब दोनों हों बेकरार, दोनों तरफ हो आग बराबर लगी हुई. इसका आशय तो यही है कि देर भले ही हो जाये, अंधेर नहीं होगा. अपनी प्रेयसी से मिलने प्रियतम अवश्य आयेगा और इसी वसंत में आयेगा.

छिप छिपकर नज़र ये, मिला भी नहीं सकते,
कितनी प्रबल इच्छा ये, जता भी नहीं सकते.
पुराना वाक्या है पर ये, शत-प्रतिशत सही है,
खुद की है कहानी पर, बता भी नहीं सकते.
आजतक देखे न जिसे, जानने की बात दिगर,
उनको देखने की प्यास, बुझा भी नहीं सकते.
जयमाल बाद दोनों, गौहर लुटाने लग गये,
जन्नत पाने की खुशी को, दिखा भी नहीं सकते.
ये है दुर्लभ प्यार औ' इज़हार-ए-मुहब्बत है,
गौहर जो पाये नज़र से, लूटा भी नहीं सकते.

कविवर कामेश ने अपनी गजल में आये दो शब्दों का अर्थ भी स्पष्ट किया है, ताकि पाठकों को उसका मतलब समझने में परेशानी न हो. वे दो शब्द हैं- गौहर, जिसका मतलब है खजाना और जन्नत, जिसका मतलब है स्वर्ग. यह समझ में नहीं आया कि अपनी एक गजल में एक सफल, जिम्मेदार और समझदार प्रेमी की भूमिका निभाने वाला यह शायर दूसरी गजल में नौसिखिया प्रेमी जैसा क्यों महसूस हो रहा है. इसमें क्या विवशता है, यह तो खुद शायर ही जान सकते हैं. हम तो उनकी गजलें पढ़कर उनके बारे में अनुमान लगा सकते हैं. इन्हीं शब्दों के साथ मुझे आज्ञा दीजिए. जय हिंद ! जय झारखंड !!

भारतीय मतदाताओं के समक्ष चुनौतियां

चौराहा

प्रमोद कुमार झा

पिछले 76 साल की आजादी में भारतीय लोकतंत्र में बहुत प्रयोग हुए. काफी दिनों तक देश में लगभग पूरी तरह एक राजनीतिक पार्टी की सत्ता रही. प्रत्येक सत्ता के कुछ सही और कुछ संदेहास्पद निर्णय होते रहे. अलग-अलग क्षेत्र, जाति, धर्म, सम्प्रदाय के नाम पर आम जनता को मानसिक रूप से प्रभावित किया जाने लगा. एक तरफ तो हमारे विद्वान संविधान निर्माताओं ने जाति, धर्म, सम्प्रदाय, लिंग, क्षेत्र के नाम पर किसी प्रकार के भेदभाव न करने के लिए अलग-अलग प्रावधान किये, वहीं दूसरी और समानता के अधिकार की बार बार धज्जियां उड़ती गयीं! येन केन प्रकारेण सत्ता में बने रहना ही सबसे बड़ा कर्तव्य माना जाने लगा. आजादी के लगभग पांच दशकों तक देश की आजादी में किसी न किसी रूप में शामिल लोग या उनके परिवारजन ही लोक प्रतिनिधि के रूप में चुने जाते रहे या मनोनीत होते रहे. पिछली शताब्दी में बिहार विधान सभा में लोकतंत्र के इतिहास में एक कीर्तिमान बना था, जब कोई सत्ताधारी दल का निर्वाचित प्रतिनिधि उठकर प्रतिपक्ष की ओर जाकर बैठ गया था और भारत के संसदीय लोकतंत्र के इतिहास में 'फ्लोर क्रॉसिंग' शब्द अस्तित्व में आया. आजादी के दो दशक बाद ही सत्ता हथियाने के लिए जोड़-तोड़-प्रलोभन की राजनीति की शुरुआत हुई. पिछली शताब्दी के आठवें दशक की शुरुआत के साथ ही संसदीय लोकतंत्र के मन्दिरों में घोषित अपराधी एवं सजायाफ्ता सदस्यों की संख्या बढ़ने लगी. सत्ता लोलुपता के कारण किसी भी राजनैतिक दल ने संदेहास्पद चरित्र के लोगों को अपना उम्मीदवार बनाने से परहेज नहीं किया. नतीज़ा आप सबों के सामने है. आम जनतांत्रिक मतदान की खर्चीली प्रक्रिया में ही सैकड़ों करोड़ खर्च हो जाते हैं. फिर शुरू हो जाती है चुने हुए प्रतिनिधियों के खरीद-फरोख्त, भय, होटल, घेरेबन्दी, एयर लिफ्टिंग की प्रक्रिया ! सबसे ठगा और बेवकूफ सा महसूस करता है मतदाता, जिसके वोट पर ही सारा खेल होता है, उससे वसूले टैक्स के पैसे, जिसे मनमानी से खर्च करने के अधिकार के लिए सारी लडाई है. जयप्रकाश नारायण की सम्पूर्ण क्रांति के मसौदे को फिर से पढ़ा जाना चाहिये. आखिर में पिछले चालीस सालों में उस आन्दोलन से उपजे राजनेताओं ने ही तो उनकी सम्पूर्ण क्रांति का मखौल बनाया है. जयप्रकाशजी ने उम्मीद पूरी नहीं होने पर चुने हुए जन प्रतिनिधियों के वापस बुलाने (रिकॉल करने) की सलाह दी थी. पता नहीं किसी राजनेता को याद भी है या नहीं ! आम मतदाता को अब जागरूक होना होगा. अपने मत का महत्व समझना होगा. लोकतंत्र के मन्दिरों में इस प्रकार से नियम बनाये जाने की अत्यधिक आवश्यकता है कि कोई निर्वाचित प्रतिनिधि अगर किसी विचारधारा या दल से निर्वाचित होकर आता है तो पूरे कार्यकाल में उसके दल छोड़ने पर उसकी सदस्यता अपने आप समाप्त हो जायेगी. उसे अगले आम चुनाव तक फिर से चुनाव लड़ने का अधिकार नहीं होगा. उसे कोई पेंशन या किसी प्रकार की सुविधा उपलब्ध नहीं होगी. दूसरा, अगर सदस्य निर्दलीय है तो निर्वाचन के बाद उसके किसी दल में शामिल होने पर भी वही प्रक्रिया अपनाई जायेगी. तीसरा, एक बार निर्वाचित होने के बाद किसी को भी दो बार से अधिक चुनाव लड़ने की अनुमति नहीं होगी. ध्यातव्य है कि अमेरिका में दो बार से अधिक कोई राष्ट्रपति नहीं बन सकता. चौथा, किसी जन प्रतिनिधि के कार्यकाल समाप्त होने के बाद उनके परिवार के किसी भी सदस्य जैसे पति, पत्नी, पुत्र, पुत्री, दामाद, पुत्रवधु, पोता, पोती, नाती, नतिनी, भाई, समधी, समधन को किसी दल अथवा स्वतंत्र रूप से चुनाव लड़ने के लिए अयोग्य माना जायेगा ! ये कुछ विचार मतदाताओं से बातचीत के क्रम में उभर कर सामने आये हैं. आप भी सोचिएगा !

बिना वासुकी नाथ के बाबा धाम की यात्रा अधूरी

यायावर

डॉ. जंगबहादुर पाण्डेय

भारतीय संस्कृति में तीन देवों की परिकल्पना (ब्रह्मा, विष्णु और महेश) अपने आप में शिष्ट और विशिष्ट है. ब्रह्मा निर्माण कर्ता, विष्णु पालन कर्ता और महेश संहार कर्ता हैं. लेकिन लोक में शिव कल्याण के कर्ताधर्ता माने जाते हैं. शिव की महिमा अपरंपार है. भारतवर्ष में 12 ज्योतिर्लिंग हैं, उनमें देवघर में स्थापित शिवलिंग अत्यंत महत्वपूर्ण है. देवघर में विगत 21 वर्षों से राष्ट्रीय पुस्तक मेला का आयोजन होता रहा है और इसके संकल्पक और व्यवस्थापक विश्व भारती शांति निकेतन के हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. सुभाष चन्द्र राय हैं. उनके निमंत्रण पर पुस्तक मेला में भाग लेने के लिए जाता रहा हूं. इस वर्ष का देवघर जाना कई मायने में शिष्ट और विशिष्ट रहा है. इस बार मेरे साथ इस देवघर यात्रा के साक्षी बने खांडवा से आए हुए सुप्रसिद्ध ललित निबंधकार डॉ. श्रीराम परिहार. 20 जनवरी 2024 को पाटलिपुत्र एक्सप्रेस से चलकर 21 जनवरी को हमलोग देवघर पहुंचे. मेला समिति की ओर से देवघर के एक होटल में ठहरने की व्यवस्था थी. प्रातः तैयार होकर हमलोग 9 बजे मंदिर परिसर में पहुंच गये. फूल पत्ती और गंगाजल लेकर हमलोग सामान्य पंक्ति में शिव दर्शन के लिए लग गये. लगातार शिव की जय के नारे लग रहे थे. हमलोग धीरे धीरे मंदिर के गर्भगृह

में पहुंचे जहां दर्शनार्थियों की ठेलम ठेल थी, लेकिन शिव कृपा से हमलोगों ने इत्मीनान से शिवलिंग के दर्शन किये.

देवघर के आस पास अनेक दर्शनीय स्थल हैं, जिनमें शिव गंगा सरोवर, तपोवन मंदिर, नौलखा मंदिर, त्रिकूट पहाड़, नंदन पर्वत और 40 किलों मीटर दूर पर स्थित वासुकी नाथ का पवित्र मंदिर भी है. हमलोग आरक्षित गाड़ी से घोर मारा होते हुए वासुकी नाथ गये. क्योंकि किंवदंती है कि वासुकी नाथ के दर्शन के बिना वैद्यनाथ की यात्रा अधूरी मानी जाती है. यों तो वासुकी नाथ देवघर से लगभग 40 किलो मीटर दूर है और भौगोलिक दृष्टि से यह दुमका जिले के जरमुंडी थानान्तर्गत अवस्थित है. लेकिन इसे भी देवघर के दर्शनीय स्थलों में मान लिया जाता है. कहा जाता है कि देव और दानवों ने समवेत मिलकर जब समुद्र मंथन किया था तब मंदरांचल पर्वत को मथानी और वासुकी नाथ को रस्सी बनाया गया था. इस मंथन से 14 रत्न निकले थेः-

श्री मणि रंभा वारुणी, अमिय शंख गजराज.
कल्पतरु, शशि धेनु , धनवंतरि विष वाज.

वासुकी नाथ का मंदिर परम पवित्र है. हमने देखा यहां देवघर जैसी ठेल पेल नहीं है और न ही दर्शन में कोई कठिनाई है. मंदिर परिसर में वासुकीनाथ शिवलिंग, पार्वती और नंदी के विग्रह स्थापित हैं. एक आचार्य ने बताया कि यह मंदिर भी उतना ही प्राचीन है, जितना बाबा वैद्यनाथ का मंदिर और प्रायः जो लोग देवघर के शिवलिंग के दर्शनार्थ आते हैं, वे यहां भी आते और दर्शन का फल प्राप्त करते हैं.

हमलोगों ने एसके पाण्डेय के सौजन्य से वासुकी नाथ के दर्शन किये और सबके मंगल की प्रार्थना की- सर्वे भवन्तु सुखिनः, सर्वे संतु निरामया. सर्वे भद्राणि पश्यंतु, मां कश्चित दुख भाग भवेत्.

तोता शक्कर खाएगा

नश्तर

सुधीर राघव

तोते जैसी लंबी नाक. मुंह में राम. सब उन्हें कहते थे तोताराम. तोताराम का पहनावा गजब था. हरी-लाल पट्टियों का पायजामा. संतरी रंग का कुर्ता. माथे पर गोपी चंदन और कुमकुम का ऊर्ध्व पुंड्र तिलक. तेल चुपड़कर जतन से खड़ी की गई चुटिया. यह गजब हुलिया देखकर अक्सर गली में कुत्ते उन्हें चहेड़ लेते. इसलिए तोताराम हमेशा बगल में ईंट दबाकर चलते. कहते हैं कि कुत्तों से छुटकारा पाते तोताराम पर एकबार एक बड़े विद्वान की नजर पड़ी तो उसने हिंदी का यह कालजयी मुहावरा गढ़ दिया कि मुंह में राम, बगल में ईंट. तब से बच्चे भी तोताराम को मुंह में राम बगल में ईंट कहकर चिढ़ाते तो यह ईंट उन पर भी चल जाती. वह तो शुक्र मानो कि तोताराम सिर्फ ईंट ही चला सकते थे, अगर उनके पास ईडी को चलाने का पावर होता तो बच्चों को घर से उठवा लेते और कुत्तों को तो शहर से ही उठवा देते.

तोताराम में भले लाख बुराई थी, मगर भविष्यवक्ता कमाल के थे. इसलिए सबसे बड़े कारोबारी सेठ दुलीचंद सुनामी ने तोताराम को अपने बंगले पर बुलाया. मोटी दक्षिणा के लालच में तोताराम पंचांग पत्रिका और रत्नों की पोटली लेकर तय समय पर पहुंच गये. तोताराम मान करके आए थे कि सेठ अपना भविष्य पूछेगा और वह सबसे महंगा रत्न उसे टिका देंगे. मगर सेठ ने उल्टा तोताराम को एक रेडीमेड भविष्यवाणी पकड़ा दी और आदेश दिया कि उन्हें हर टीवी चैनल पर बैठकर यही कहना है कि तोता शक्कर खाएगा, गधा पलटकर आएगा. तोताराम को बात समझ नहीं आई, मगर उनके पास ऑप्शन कोई नहीं था. सेठ की कंपनी केलोबेलो का सीईओ झेंगा झकोई तोताराम को उठाकर सीधे स्टूडियो ले गया. बस फिर क्या था केलोबेलो कंपनी के हर न्यूज चैनल पर तोताराम का क्लिप बार बार चल रहा था - तोता शक्कर खाएगा, गधा पलटकर आएगा. जंगल में चुनाव सिर पर थे और अब सभी को माहौल राजा गधे के पक्ष में नजर आ रहा था. सब मान रहे थे कि अगर तोताराम ने कहा दिया है तो गधा ही पलटकर आएगा.

बिनोद की कलाकृतियों में है किसानों का जीवन संघर्ष

कला-संवाद

मनोज कुमार कपरदार

कलाकार जब हर तरह की चिंताओं, बाध्यताओं और यहां तक कि अपनी उपस्थिति के अहं से मुक्त होकर एक अवस्था विशेष में ध्यानावस्थित होता है तो उससे सृजन होता है. सृजन स्वयं में एक प्रयोग है. सृजन में प्रयोग की सत्ता बड़ी शक्तिशाली होती है, जो नई तरह की कौंध से सर्जक के मस्तिष्क को आह्लाद देती है, उसके मानस में नये भाव की ज्योति जगाती है, तभी तो बिनोद मरांडी जैसे कलाकार अपनी कल्पनाओं से कुछ भी कैनवास में उतार लेते हैं. मानव मन ज्ञात को ही प्रक्षेपित कर सकता है, जिसे हम जानते हैं, उसे ही प्रकट करते हैं. यही प्रकटन सृजनशीलता से जुड़ा है. इस सृजनशीलता को हम चाहने पर भी सक्रिय नहीं कर सकते, प्रकृति ही इसे सक्रिय करती है. यदि प्रकृति सक्रिय न करे तो हमें पता भी न चले कि हमारे व्यक्तित्व में सृजन जैसी कोई चीज है. प्रकृति उसे स्वयं सक्रिय करती है और कलाकार एक माध्यम भर होता है, लेकिन कोई कला हमारे लिए तभी अर्थपूर्ण होती है, जब उसमें सामाजिक सरोकार की अभिव्यक्ति भी हो.

कला भवन, विश्व भारती विश्वविद्यालय शांति निकेतन से 2011 में बीएफए और कला भवन, विश्व भारती विश्वविद्यालय शांति निकेतन से ही वर्ष 2013 में एमएफए करने वाले बिनोद मरांडी के चित्रों में ग्रामीण परिवेश के विभिन्न पक्षों से संवाद स्थापित करने का प्रयास होता है. इन्होंने अपनी कला के माध्यम से एक विशेष शैली को प्रतिष्ठित और प्रस्तुत करने का प्रयास किया है. इनकी कलाकृतियों में ग्रामीण परिवेश व किसानों के जीवन यापन की झलक स्पष्ट रूप से देखी जा सकती है. ये अपनी कलाकृतियों में जहां जीवन के अंधेरे पलों की गाथा कहते नजर आते है, वहीं ग्रामीण जीवन के भाग दौड़ रहन-सहन, पर्व-त्योहार, तनाव, व्यस्तता को कैनवास पर उतार कर एक नया संसार रचने का प्रयास करते रहते हैं. जिसमें कोई भी कला प्रेमी एक बार डूबता है तो चाह कर भी उस संसार से बाहर निकल कर यथार्थ की दुनिया में वापस लौटना ही नहीं चाहता. सच कहा जाय तो बिनोद की कलाकृतियां अपने आप में पूरी दास्तां बयां करती हैं. यहां यह तथ्य विशेष रूप से उल्लेखनीय है कि इनकी कला दृष्टि में वास्तविकता के अंकन पर ही बल है. इनकी कला व्यापक वास्तविकता को तलाश करती है. इनकी में संवेदनशीलता की आंतरिक दृष्टि स्पष्ट झलकती है. इनकी कलाकृतियों का उद्देश्य संदेश देना नहीं, बल्कि इनका मुख्य कार्य अपनी संवेदना और अनुभूतियों को चित्रों में मूर्त रूप देना है. बिनोद मरांडी की कलाकृतियों में कला तकनीकों का खूब प्रयोग हुआ है. चाहे वह रंगों का इस्तेमाल हो, कैनवास को घेरने की कला हो, बिंबों को उकेरने की शैली हो या फिर विषय वस्तु को प्रस्तुत करने का अंदाज, हर जगह नई तकनीक का इस्तेमाल देखने को मिलता है, जिससे इनकी कलाकृतियां जीवंत हो उठती हैं. इनके द्वारा टाइल्स को काट कर सेटिंग कर बनायी गई कलाकृतियां भी काफी आकर्षक दिखती हैं. कई कला शिविर में भी इन्हें भाग लेने का भी अवसर मिला, जहां इनकी कलाकृतियों की खूब सराहना मिली. सच तो यह है कि यदि आप इनके चित्रों को समझना चाहते हैं तो पहले अपने अंदर के भावों को समझना होगा.

आखर

वीणा ठाकुर
मैथिली कथा

कुमार मनीष अरविन्द
हिन्दी अनुवाद

मुक्तात्मा

कहानी

महिषी गांव की बहू प्रतिमा. मणिशंकर चौधरी, वैसे गांव के लिए मणिजी की पत्नी प्रतिमा, जब से गांव आयी हैं, उनकी प्रतिदिन की दिनचर्या है घर से थोड़ी ही दूर पर बहती कोशी की क्षीण धारा के कछेर पर बैठकर सूर्योदय को निहारना. प्रतिमा को देखकर लगता है जैसे जीवन से थकी-हारी कोई तपस्विनी तपस्या कर रही हो! कोशी नदी की क्षीण धारा! ठेहुने-भर भी गहरा नहीं है पानी इसमें. साफ जल के स्वच्छ तल पर बालू झक-झक कर रहा है. प्रवाह बिल्कुल शान्त. थोड़ा-सा पैर डुबाने से ही प्रतिमा का सम्पूर्ण शरीर जैसे "जुड़ा" जाता है! प्रतिदिन जल में स्नान कर एक ब्राह्मण वहां संध्या-वंदन में लीन दिखते हैं... प्रतिमा निर्निमेष दृष्टि से उन्हें देखती रहती हैं. आकाश से लेकर पृथ्वी तक थोड़ी-सी भी मलिनता नहीं, आवर्जना नहीं... इस शुचिता में जैसे आत्मिक मूर्ति हो जाती हैं वह! विचार आता है कि स्नान नहीं करने से भी, वन्दना नहीं करने से भी, इस स्थान के विराट निष्कलुष परिवेश के बीच मात्र खड़ा-भर हो जाने से, शुचि शुभ्र हुआ जा सकता है; जैसे वही हो जाती है वह!

...पचास-पचपन वर्ष पहले की बात है, शायद उससे भी पहले की. साल-तारीख तो प्रतिमा को स्मरण नहीं है अब, पर फाल्गुन का महीना था. प्रतिमा की शादी महिषी गांव में हुई थी. पति मणिशंकर एमए के छात्र थे उन दिनों. उस जमाने में उनका द्विरागमन जीप में हुआ था. विवाह के बाद मायके में पति को आंख भर कर देखा तक भी नहीं था उसने. यह अवसर द्विरागमन वाली यात्रा में ही मिला था.

इस यात्रा में जीप काफी दूरी तक जंगलों के बीच से भी गुजरी थी. अद्भुत दृश्य था. अनेक पशु-पक्षी दिखे थे. चतुर्दिक हरीतिमा, भींगी हुई माटी, विस्तृत विशाल वन क्षेत्र, कहीं कोई शब्द नहीं. मात्र जीप की कर्कश ध्वनि थी. लेकिन ऐसे में भी प्रतिमा मणिशंकर का उत्साह देख जैसे उसके हृदय की एक-एक धड़कन सुन पा रही थी!

जीप घनी बस्ती में पहुंची तो वहां भूमि थोड़ी नीची थी. मणिशंकर ने कहा था- ''वर्षा ऋतु में कोशी यहां तक आ जाती है. वह ऊंचा वाला 'डीह' देख रही हैं, वहां उग्रतारा भगवती का मंदिर है. इस अंचल का यह एक विशिष्ट मंदिर है. सिद्धपीठ है...'' आदि-आदि. प्रतिमा ने बाद के वर्षों में इस पूरे परिवेश का परिचय पाया था. शक्तिपीठ का, पुराने शिव मंदिर का और सम्पूर्ण पवित्र वातावरण का! प्रतिमा बहुत आस्तिक स्वभाव की रही थीं. उसने कई बार मन्नत मांगी थी वहां, और उसकी मन्नतें पूरी भी हुई थी.

ससुराल और मायके में, सभी जगह लोग उसे भाग्यशाली मानते थे. शादी के कुछ ही समय बाद मणिशंकर को प्रतियोगिता परीक्षा में सफलता मिल गयी थी. मणिशंकर पटना विश्वविद्यालय में व्याख्याता हो गए थे. ससुराल में सबने इसका श्रेय प्रतिमा के भाग्य को ही दिया था. शादी के दो वर्षों के बाद प्रतिमा को पुत्र हुआ था. इस बच्चे का नामकरण करती हुई सासू मां ने कहा था- ''यह तो साक्षात् महादेव का वरदान है, इसलिए इसका नाम रहेगा आशुतोष. बहू ने महादेव पर कितना जल चढ़ाया होगा, उसी का फल हमें मिला है. यह उन्हीं का आशीर्वाद है.''

प्रतिमा और मणि की एकमात्र संतान आशुतोष. कितने लाड़ों से पाला गया था वह! आशु जब बड़ा हुआ तो दोनों प्राणि मन-ही-मन आशु के भविष्य के साथ-साथ अपने भविष्य की कल्पना भी करने लगे थे. आशु की मेडिकल की पढ़ाई समाप्त हो गयी, तो उच्च शिक्षा के लिए उसने अमेरिका जाने की इच्छा व्यक्त की थी. तब पहली बार मणिशंकर ने आशु की इच्छा का विरोध किया था, परन्तु आशु के प्रति ममतावश प्रतिमा ने ही मणिशंकर को मना लिया था इसके लिए. आशु विदेश चला गया तो इनदोनों को उसके सुखद भविष्य की कल्पना से संतोष हुआ था. परन्तु हद तो तब हो गयी जब आशु अमेरिका से वापस आया. लौटने पर उसने अपना निर्णय सुनाते हुए कहा था- ''पापा, मैं अर्चना से शादी करूंगा. वह मेरे साथ ही पढ़ती है.''

आशु ने यदि सिर्फ अपनी इच्छा प्रकट की होती तो, शायद मणि उतने आहत नहीं होते, परन्तु आशु ने तो अपना निर्णय सुनाया था! मणि जब तक कुछ बोलते, आशु का अगला वाक्य सुनकर वे कुछ क्षणों के वास्ते निर्वाक् हो गये! आशु ने कहा था- ''पापा, अमेरिका में बहुत सुख-सुविधा है. हम दोनों को वहां नौकरी मिल गयी है. शादी के बाद अमेरिका चले जाएंगे हमदोनों.''

''प्रतिमा, आपके सुपुत्र बालिग हो गये हैं.'' कहते हुए मणि कुछ क्षण मौन रह स्वयं को सम्हालने के पश्चात् ठहाका मार कर हंस पड़े थे. मणि ने प्रत्यक्षतः ठहाका लगाया था, परन्तु उनके उस ठहाके के पीछे छिपा हाहाकार प्रतिमा से छुपा नहीं रह सका था. आशुतोष दोनों ही पति-पत्नी के लिए अब 'है' से 'हैं' हो चुके थे.

जीवन के पचास-पचपन वर्ष कैसे बीत गये, प्रतिमा यह समझ भी नहीं पायी थी. परन्तु मात्र तीन माह की अवधि उनके लिए तीन युग जैसा हो गया था. मणिशंकर सेवानिवृत हो गये. पेंशन मिलने लगा. बैंक में तो कुछ भी जमा था नहीं. पेंशन भी आधा बेच दिया था, एम॰ डी॰ करने हेतु आशु को अमेरिका जो जाना था!

आशु का जन्म हुआ था तभी से मणिशंकर कितनी ही बार बोले होंगे कि गांव में बहुत गरीबी है, इलाके में अच्छा डॉक्टर भी नहीं है, और जो है भी तो वहां गरीबों के लिए समुचित इलाज उपलब्ध नहीं है. मैं आशु को डॉक्टर बनाऊंगा. वह गांव में ही प्रैक्टिस करेगा. हमलोग भी रिटायरमेंट के बाद गांव में ही रहेंगे. बुढ़ापा आराम से कट जाएगा.

आशु डॉक्टर तो बन गया. मणिशंकर की इच्छा पूरी हुई, मगर आधी इच्छा. उनकी आधी इच्छा ही पूरी हो पायी. आशु दोनों पति-पत्नी अमेरिका चले गये. फोन से बातें होती रहीं. परन्तु इसकी भी अवधि बढ़ती जाने लगी. आशु प्रसन्न है, यह सोचकर प्रतिमा और मणिशंकर संतोष करते रहे. आशु को पुत्ररत्न की प्राप्ति हुई तो उसके माता-पिता की प्रसन्नता की सीमा नहीं रही. बच्चे को देखने के लिए विकल होती थी प्रतिमा, वह मणिशंकर से अमेरिका चलने का कितनी ही बार आग्रह करती. कुछ दिनों तक मणिशंकर प्रतिमा के आग्रह को टालते रहे थे. प्रतिमा को स्मरण नहीं आता कि कभी मणि ने उसकी बात नहीं मानी हो, परन्तु अमेरिका जाने के प्रस्ताव पर उनकी असहमति और उनके स्वर की दृढ़ता के कारण प्रतिमा को फिर इस मुद्दे पर जिद करने का कभी साहस नहीं हुआ. पर अमेरिका जाने का अवसर मिला प्रतिमा को. रिटायरमेंट के पश्चात् दोनों प्राणी पटना छोड़कर गांव आ गये थे. पटना में अपना घर तो था नहीं. मणिशंकर ने हमेशा विश्वविद्यालय के क्वार्टर में रहकर ही अपने दायित्व का निर्वहन किया था. गांव में उन्हें खूब मन लगता था. गांव का स्नेह, गांव की मिट्टी-पानी की सुगन्धि, गांव की आत्मीयता और कहीं मिलती भी तो नहीं थी. मणिशंकर की शालीनता, गरिमायुक्त व्यक्तित्व और व्यवहार कुशलता लोगों को सहज ही आत्मीय बना लेती थी. मणिशंकर चौधरी की पत्नी होने की गरिमा तो प्रतिमा को सहज ही मिल गयी थी, साथ ही उसका अपना सरल व्यक्तित्व और अभिजात्य संस्कार स्वतः दूसरों को अपना बना लेता था.

प्रतिमा भाग्यशाली थीं. उसका मायके और ससुराल भरा-पूरा था. टोले-भर में कहीं भी बहू-बेटी की विदाई होती, तो प्रतिमा ही 'खोंइछ' देती थी. जीवन का उत्तरार्द्ध पति के साथ संतोष से व्यतीत हो रहा था. पांच-छः माह ही तो बीते थे कि मणिशंकर को अचानक 'हार्ट अटैक' आ गया. महिषी जैसे ग्रामीण इलाके में उचित इलाज की व्यवस्था के अभाव में मणिशंकर का स्वर्गवास हो गया था. इसी क्रम में आशुतोष गांव आये थे. क्रिया-कर्म समाप्त हो गया था. अगली सुबह आशु को वापस लौटना था. उस रात मां-बेटा एक ही बिस्तर पर सोये.

मां की गोद में सर रखकर सोने की आदत आशु की पुरानी थी. वे प्रतिमा की गोद में सर रखकर सोये थे. प्रतिमा को सब स्मरण है वैसे-का-वैसा! वे कुछ भूली कहां हैं! आशु जबसे बड़े हो गये तब से प्रतिमा के मात्र बेटे भर नहीं रहे, दोस्त भी हो गये थे. कभी कोई दुश्चिंता हुई तो इस सम्बन्ध में आशु को कहकर वे अपना मन हल्का कर लिया करतीं थीं. आशु बड़े गार्जियन की तरह मां की सारी चिन्ताएं दूर कर दिया करते थे. प्रतिमा के लिए आशु की सलाह से अधिक महत्वपूर्ण होती थी, आत्मविश्वास से भरी उनकी मुखाकृति. आशुतोष की मुस्कान में प्रतिमा की सारी चिन्ताएं क्षण में विलीन हो जाती थीं.

नीरव रात्रि में पुत्र आशु और मां प्रतिमा की मनस्थिति वैसी ही थी. स्तब्धता को भंग करते हुए आशु ने प्रतिमा को अमेरिका चलने का प्रस्ताव देते हुए कहा- '' मां, पापा तो अब नहीं हैं. आप अकेली हो गयी हैं. चलिए हमलोग के साथ ही रहिएगा. आपका मन भी लग जाएगा. आपका पौत्र राह देख रहा है आपकी.''

(क्रमशः)

कविता/गज़ल

अनिल किशोर सहाय

युद्ध

आग की लपटों
और खंडहरों में तब्दील होते घरों के बीच
बंकरों में छुपकर बचने की
जद्दोजहद के बाद भी
नहीं टूटती उम्मीदों की वजह से
तनकर खड़े हो जाते हैं
बख्तरबंद वाहनों के सामने .
ध्वस्त हो जाने के बाद भी
फिर से बसे हैं अनगिनत शहर
बचे रह गए हैं पेड़-पर्वत और
बची रह गई है कई फूलों की रंगत भी
हिरोशिमा पर बमबारी के बाद भी
बची रह गई थी दुनिया
फिर से आबाद होने के लिए.
कुछ वैसा ही होगा
पर साम्राज्यवाद के खत्म होने
और मनुष्यता और प्रेम के बचे होने
पर लगे प्रश्नचिन्हों के साथ ?
(संदर्भ-रूस यूक्रेन युद्ध)

डॉ निवास चंद्र ठाकुर

सच-झूठ

देखो न!
सच एक बार फिर से
झूठी खबरों का शिकार हो गया
किस बुरी तरह से हार गया !

सच था संवेदना से भरा
कोमल हिरण!
झूठ के जबड़े कठोर, खूंखार
भेड़िए जैसे!

सच पांव पांव कुलांचे भरता रहा
झूठ ने छलांगें लगाईं
सच की गर्दन पर पर दांत गड़ाए
उसको जबड़ों में दबोचा और
विजेता की तरह करार हो गया!
झूठ के शौर्य पर जयकारे लगे

सारा जंगल गुलज़ार हो गया!
सच एक बार फिर से
झूठ का आहार हो गया !

सच जब झूठ के पेट में
गल-पच गया, तब
डकार लेकर आंखें खोलते-मूंदते
भेड़िए ने वक्तव्य दिए
सत्य ही जयते!
इस खेल में मेरा कहीं कोई दोष नहीं है
वह तो हिरण था
जो बस यूं ही मेरा शिकार हो गया
असल बात यह है कि
हिरण को ही
हमारे जबड़ों से प्यार हो गया!

आशुतोष प्रसाद

प्रेम की बातें, दिल में सजी हैं

तेरे इश्क में बुलबुलों को भटका दिया,
हर आहट में तेरा ही इंतजार किया.

दिल की धड़कन में तेरा ही नाम बसा है,
प्रेम की बातें, दिल में सजी हैं.

चाहत का सफर, हैरत से भरा हुआ,
तेरे बिना जीना, ये सूना हुआ.

बातों में बसी है वो मिठास,
तेरी बाहों में है सुकून की राहत.

तेरी बातों में है एक खासी मिठास,
प्रेम की कहानी, जो है अद्वितीय बात.

इस इश्क की राहों में हैं ज़हर भी कई,
पर तेरे बिना, हर रास्ता है खाली.

तेरी ये प्रेम की कहानी,
हर पल है नए रंगों में बढ़ती जाती.

प्रणय निवेदन से लिपटी हुई है रातें,
तेरे साथ है सभी ख्वाबों की मुलाकात.

इस इश्क की मिठास में,
है जिंदगी का हर सवाल सुलझा हुआ.

इस प्रेम के रास्तों में हैं गुलाब,
तेरे साथ है सुख-शांति का सारा आब.

तेरी मुस्कान से मिलता है आसमान,
प्रेम की राहों में है सुकून का आसार.

तेरी बातों की मिठास से भरा है दिल,
प्रेम की दुनिया में है बहुत सारा.

नन्दनी प्रनय

कुछ हुआ है मुझको

नहीं आती है मुझे
रात को नींद
बेचैन रहती हूं
बिस्तर पर
शायद कुछ
हुआ है मुझको.
कहते हैं सब
सोचती बहुत हो
निकाल दो ख्याल
जो करते हैं परेशान
कुछ कहते,
सोचो अपने बारे में
खाली पड़ी रहती हो
शायद कुछ हुआ है मुझको.
उठ-उठ कर कभी
चलने लगे जाती हूं
कभी पढ़ने लग जाती हूं
कोई किताब
कभी गुनगुनाती हूं
मन ही मन में
फिर आता है ख्याल
शायद कुछ हुआ है मुझको
सोचती हूं

कैसे सोते हैं सब
रात को और
कुछ दिन में भी
फिर मुझे क्यों
नहीं आती नींद
तीन पहर बीतने पर भी
शायद कुछ हुआ है मुझको.
दुखता है मन
कहूं किससे और
कहूं तो क्या कि
नहीं आती मुझे नींद
परेशान होती हूं
पूरी-पूरी रात
ऐसे होती है कभी सुबह
शायद कुछ हुआ है मुझको
बहुत से हैं सवाल
जिनका अभी
नहीं कोई जवाब
आएगा वक्त
जब ठीक होगा सब
गहरी नींद आएगी
मुझे भी रात भर
अभी शायद कुछ हुआ है मुझको.

अनीता रश्मि

प्रेम से ही बचेगी दुनिया

मुश्किल था बहुत
उससे दूर जाना
जाकर भी वापस न आना
और यह मुश्किल उसने
बहुत आसानी से निभाई
पर खो न सका
दुनिया की भीड़ में
साथी ने जलाए रखा
प्यार को अपने
जैसे जलाए रखते हम

बरसों-बरस
नफरत की बाती को.
कोई मुश्किल भी नहीं,
प्यार को जिलाए
जलाए रखना ताउम्र,
ऊपरवाले ने
दुनिया तो प्रेम से ही
बसाई थी
हमने नफरत की वजहें
ढूँढ डालीं.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

झारखंड में महिला हॉकी : एक प्रमाणिक दस्तावेज

डॉ शहाब आर्यन

समीक्षा

झारखंड की जंगल, पहाड़ों, पेड़ों और झाड़ियों से आच्छादित भूमि खेलों में बड़ी उर्वर रही है. यहां का आदिवासी और मूलवासी समुदाय न केवल नृत्य, गीत और संगीत का धनी है, बल्कि खेल प्रतिभा के मामले में भी बेहद समृद्ध रहा है. तीरंदाजी से लेकर हॉकी तक, झारखंड की विलक्षण प्रतिभाओं ने अपनी कामयाबी के झंडे विश्व स्तर पर गाड़े हैं.

हॉकी विशेष कर महिला हॉकी के क्षेत्र में झारखंड विगत पचास वर्षों से लगातार प्रगति और सफलता के मार्ग पर अग्रसर रहा है. झारखंडी बालाओं ने न केवल राष्ट्रीय बल्कि अंतरराष्ट्रीय हॉकी प्रतियोगिताओं, ओलंपिक, एशियाड, कॉमनवेल्थ खेलों, हर जगह अपनी अलग पहचान स्थापित किया है. सावित्री पूर्ति, हेलेन सोय, सुमराय टेटे, असुंता लकड़ा, सलीमा टेटे, निक्की प्रधान, ब्यूटी डुंगडुंग जैसे नाम आज महिला हॉकी के वैश्विक फलक पर कुछ इस तरह प्रतिष्ठित हो चुके हैं कि वे महिला हॉकी के पर्याय माने जा सकते हैं. इतना होने के बावजूद, झारखंड में महिला हॉकी के विकास, खिलाड़ियों के संघर्ष, अदम्य साहस और गगनचुंबी सफलताओं को रेखांकित करती हुई किसी प्रमाणिक पुस्तक की कमी थी. जिसे डॉ शाहनवाज कुरैशी ने " झारखंड में महिला हॉकी" लिख कर पूरा कर दिया. यह कोई साधारण पुस्तक नहीं है बल्कि झारखंड में महिला हॉकी का प्रमाणिक दस्तावेज है.

पुस्तक की भूमिका राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश जी ने और प्रस्तावना झारखंड के पत्रकारिता के पुरोधा बलबीर दत्त ने लिखी है. पुस्तक का पहला अध्याय " इतिहास के झरोखे से" में डॉ कुरैशी सचित्र जानकारी देते हैं कि प्राचीन मिस्र में आज से चार हजार साल पहले हॉकी का अपरिष्कृत रूप मौजूद था. आगे हॉकी के वैश्विक प्रसार, महिला हॉकी का विकास, भारत में हॉकी का आरंभ और झारखंड में पहले पुरुष तथा कालांतर में महिला हॉकी के विकास और प्रसार की दिलचस्प गाथा है. दूसरे अध्याय में तत्कालीन बिहार में महिला हॉकी के विकास और झारखंड की आदिवासी बालाओं का बड़ी प्रतियोगिताओं के लिए चयन और उनके प्रदर्शन का सजीव वर्णन है. सिमडेगा के करंगागुड़ी और खूंटी के हेसल की चर्चा बड़ी दिलचस्प है. डॉ शाहनवाज कुरैशी ने झारखंड में महिला हॉकी की नर्सरी के तौर पर चार जिलों, रांची, खूंटी, सिमडेगा और गुमला के महत्व, यहां के खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन और इन जिलों की खेल संरचनाओं का विस्तृत वर्णन किया है.

तीसरा अध्याय झारखंड की महिला हॉकी के जगमग सितारों को समर्पित है. इनमें निक्की प्रधान,सलीमा टेटे,संगीता कुमारी, ब्यूटी डुंगडुंग जैसे नामचीन

पुस्तक : झारखंड में महिला हॉकी
लेखक : डॉ शहनवाज कुरैशी
प्रकाशक : ब्लू रोज वन
पृष्ठ - 151, मूल्य-249

खिलाड़ियों के संघर्ष और विजय गाथा का सुंदर समावेश है. यह सिलसिला चौथे अध्याय हम हैं बेमिसाल में भी जारी रहता है जब पाठकों को असुंता लकड़ा, सुमराय टेटे, सावित्री पूर्ति, विश्वासी पूर्ति, अलमा गुडिया, हेलेन सोय, आसरिता लकड़ा, पुष्पा प्रधान, एडलिन केरकेट्टा, मसीरा सुरीन, गुड्डी कुमारी, कांति बा, मारिता तिर्की और बिगन सोय जैसे नाम मिलते हैं और साथ में मिलता है उनके अदम्य साहस, जीवट, संघर्ष और सफलता की रोचक, रोमांचक कहानियों का खज़ाना!

आगे के अध्याय में डॉ कुरैशी ने कुलवंत सिंह, राजपाल सिंह सिधु, नरेंद्र सिंह सैनी और प्रतिमा बरुआ जैसे हॉकी प्रशिक्षकों के त्याग, बलिदान और समर्पण को रेखांकित किया है. खेल प्रशासकों के योगदान की चर्चा के बिना शायद यह पुस्तक अधूरी रहती. भोलानाथ सिंह का कुश्ती महासंघ से महिला के संगठन में प्रवेश की दास्तान वाकई दिलचस्प है. साथ ही, फादर बेनेडिक्ट कुजूर जैसे हॉकी के दीवानों की भी चर्चा है जिन्होंने बिना हॉकी स्टिक के स्कूल आने पर रोक लगा दी थी. कोविड काल में खिलाड़ियों के प्रशिक्षण को जारी रखने में उल्लेखनीय योगदान देने वाले मनोज कोनबेगी का हॉकी प्रेम दिल को छू लेता है. गवर्नमेंट गर्ल्स हाई स्कूल, बरियातू की निवर्तमान प्राचार्य मृदुला सिन्हा का अविस्मरणीय योगदान इस स्कूल की छात्राओं की स्वर्णिम सफलता में झलकता है. सचमुच, सफलता एक दिन में नहीं मिलती न ही ये किसी का एकल प्रयास या उपलब्धि होती है.

कुल मिला कर डॉ शाहनवाज कुरैशी ने झारखंड में महिला हॉकी के विकास की संघर्षपूर्ण यात्रा से लेकर इसकी स्वर्णिम सफलताओं तक का जैसा प्रमाणिक लेखा जोखा एक ही पुस्तक में प्रस्तुत कर दिया है, ये वाकई सराहनीय है.

पुस्तक की भाषा सरल और सहज है. गूढ़ शब्दावलियों से परहेज़ किया गया है ताकि हर कोई इससे लाभान्वित हो सके. छोटी बड़ी, कही अनकही बातों, घटनाओं और किस्सों ने पुस्तक की रोचकता काफी बढ़ा दी है. पुस्तक के अंत में संदर्भ ग्रंथ सूची दी गई है जो पुस्तक को प्रमाणिक और विश्वसनीय बनाती है. डॉ शाहनवाज कुरैशी इस सार्थक, शोधपरक और ऐतिहासिक रचना के लिए बधाई के पात्र हैं.

एडजस्ट का मतलब

डॉ सुरिन्दर कौर नीलम

लघुकथा

"मां..! देखो न..! भैया ने मेरा खिलौना ले लिया"
"कोई बात नहीं बेटा..! तुम दूसरा ले लो...!"
"नहीं मुझे वही चाहिए.."
"बोला न..! लड़कियाँ जिद नहीं करतीं, एडजस्ट करना सीखो..."
नन्हीं अदिति की जुबां पर" एडजस्ट" शब्द का वजन चढ़ नहीं पा रहा था परन्तु, एडजस्ट का मतलब उसकी आंखों से पिघल गया।
"दादी...! दादा जी पापा से क्यों कह रहे थे कि भैया को कॉलेज में पढ़ाना जरूरी है और अदिति की पढ़ाई स्कूल के बाद समाप्त...?"
"तू समझ मेरी लाडो...! तेरी शादी के लिए भी तो पैसा चाहिए न..!"
" पर दादी मैं...!
" चुपकर..! तुम्हें ही एडजस्ट करना होगा"
अब अदिति समझने लगी थी कि एडजस्ट का मतलब है "अपनी इच्छाओं की हत्या"
शादी के समय भी मां ने कहा था- " बड़े नसीब से मिलता है ऐसा घर-परिवार और पढ़ा-लिखा दामाद...! ससुराल में कुछ दिन सब बरदाश्त करके एडजस्ट कर लोगी तो बाद में सब ठीक हो जाएगा..."
नई- नवेली अदिति के हाथों में पति ने एक फ़ार्म देते हुए कहा-" इसपर साइन कर दो"
कांपते हुए- " मुझसे क्या गलती हो गई एडजस्ट करने में...?"
" अरे पगली..! तेरा एडमिशन करवा रहा हूं कॉलेज में...!"
" कल से तुम कॉलेज जाओगी "
"और हां..! मां ..! ये हम सबके लिए अपना सब कुछ छोड़कर आई है अतः हम परिवार का कर्तव्य है कि इसके साथ हम भी एडजस्ट करें..."
फिर हंसते हुए अदिति से-
" समझती हो एडजस्ट का मतलब...?
" जी...! नयी सोच....!"

व्यंग्य >> बर्बरीक

नया अश्वमेध

हर राजा के अंदर दबी हुई इच्छा रहती है कि वह चक्रवर्ती सम्राट बने, निष्कंटक राज करे. हालांकि लोकतंत्र में ऐसी इच्छा नहीं रहनी चाहिए लेकिन लोकतंत्र में जो लोग रहते हैं उनके अंदर भी तो दबी हुई इच्छा रहती है कि कोई उनपर राज करे. इसी वजह से हमारे देश में हजारों राजा हुआ करते थे. अगर कोई नहीं भी चाहे तब भी लोग जयजयकार करके, फूल माला चढ़ा के, गुणगान कर कर के राजा बना ही देते हैं.

अब जब जनता चाहती है तो वह तो जनार्दन है. उसकी इच्छा से ही राजा, सचमुच के राजा वाले हाव भाव अपनाने लगता है - कभी दस बारह लाख का सूट पहनने लगता है, कभी आठ हजार करोड़ के विमान में यात्रा करने लगता है, कभी भगवान् की प्राण प्रतिष्ठा समारोह में खुद भगवान् के स्टाइल में चलने लगता है, सिर्फ बैकग्राउंड में बाहुबली के

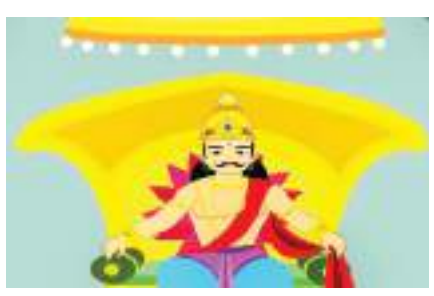

म्यूजिक की कमी रहती है. राजाओं के बॉडी लैंग्वेज को देखेंगे तो उसमें एक खास बात होती है - वह चरम मूर्खता की बात भी पूरे आत्मविश्वास से उंगली दिखा दिखा कर कर सकता है. पुराने समय में राजा लोग अपने को सर्वशक्तिमान साबित करने के लिए अश्वमेध यज्ञ किया करते थे. अश्व को छोड़ दिया जाता था और पीछे पीछे सेना चलती. छोटे मोटे क्षत्रपों को डरा धमका कर उन्हें काबू किया जाता था. जो अधीनता स्वीकार नहीं करते उन्हें सेना औकात दिखाती थी.

मोटे तौर पर मामला बहुत कुछ वैसा ही रहता है. अभी अश्व तो नहीं छोड़ सकते क्योंकि बाद में उस अश्व की बलि देनी पड़ती थी. सारे पशुओं के अधिकार वाले पीछे पड़ जाएंगे. तो अभी नए अश्वमेध यज्ञ का अश्व है ईडी नामक जीव. वही अश्व भी है सेना भी. लोकतंत्र के सबसे बड़े यज्ञ चुनाव यज्ञ के पहले इस अश्व को छोड़ देने का चलन है ताकि निष्कंटक राज किया जा सके. छोटे छोटे क्षत्रप जो अधीनता स्वीकार करने में थोड़ी आनाकानी करते हैं उधर नया अश्व छोड़ दिया जाता है. अब राजनीति में हैं तो कुछ तो दायें बायें रहती है चीज़ें. उन्हीं पर फोकस करता है यह अश्व. फिर तरह तरह से उछल कूद कर दिखाता है. छोटे छोटे क्षत्रप आतंकित होकर अधीनता स्वीकार कर लेते हैं. जो नहीं करते उन्हें यह अश्व नथुने फुला फुला कर भयभीत करता है. लोकतंत्र डरकर कहीं कोने में छुपा रहता है.

राजा सबसे ज्यादा लोकतंत्र बोलता है और अपने सारे कर्मों को जनता की इच्छा बताता है. जनता अपनी इच्छा पांच साल में एक ही बार बता पाती है और बाकी हमेशा राजा की इच्छा चलती रहती है. अश्वमेध यज्ञ चलता रहता है. ईडी नामक अश्व भी अपने खुरों से खोद खोदकर जमीन को हमवार करता है, निष्कंटक करता रहता है. राजा मुस्कराता रहता है. जनता भगत बनकर इस मुस्कराहट पर निसार होती रहती है.

दूसरा टेस्ट

पहली पारी में 253 पर सिमटा इंग्लैंड, भारत की स्थिति मजबूत

भाषा । विशाखापत्तनम

भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की श्रृंखला के दूसरे टेस्ट के दूसरे दिन शनिवार को खेल खत्म होने तक अपनी दूसरी पारी में बिना किसी नुकसान के 28 रन बनाकर मैच पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली. पहली पारी में 396 रन बनाने वाली भारतीय टीम की कुल बढ़त अब 171 रन की हो गयी है. स्टंप्स के समय कप्तान रोहित शर्मा 13 और पहली पारी में 209 रन बनाने वाले यशस्वी जायसवाल 15 रन बनाकर बल्लेबाजी कर रहे थे. दोनों ने पांच ओवर के खेल में तीन-तीन चौके लगाये हैं. इससे पहले जसप्रीत बुमराह (45 रन पर छह विकेट) की अगुवाई में भारतीय गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए इंग्लैंड की पहली पारी को 253 रन पर समेट दिया. बुमराह को वामहस्त स्पिनर कुलदीप यादव का अच्छा साथ मिला, जिन्होंने टेस्ट क्रिकेट में वापसी करते हुए तीन विकेट लिये. इंग्लैंड के लिए सलामी बल्लेबाज जैक क्राउली ने 78 गेंद में 76 और कप्तान बेन स्टोक्स ने 54 गेंद में 47 रन की आक्रामक पारी खेली. दिन के शुरुआती सत्र में भारत की पहली पारी 112 ओवर में 396 रन पर खत्म हुई थी. भारत के लिए सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने 209 रन की शानदार पारी खेली. उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में अपने पहले दोहरे शतक के दौरान 290 गेंदों की पारी में 19 चौके और सात छक्के जड़े. इंग्लैंड के लिए दिग्गज तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन ने 25 ओवर में 47 रन देकर तीन विकेट लिये थे. शोएब बशीर और रेहान अहमद को भी तीन-तीन सफलता मिली थी. जायसवाल के अलावा भारत के अन्य बल्लेबाजों ने निराश किया. जायसवाल के बाद शुभमन गिल 34 रन और पदार्पण कर रहे रजत पाटीदार 32 रन के साथ टीम के सर्वोच्च स्कोरर रहे. भारतीय पारी को जहां जायसवाल ने संवारा वहीं इंग्लैंड की गेंदबाजी का भार 41 साल के दिग्गज जेम्स एंडरसन (47 रन पर तीन विकेट) ने उठाया. आठ ओवर के शुरूआती स्पैल में उन्होंने सीम गेंदबाजी का शानदार नमूना पेश किया.

बुमराह के छक्के से बैकफुट पर अंग्रेज

दोहरा शतक जड़ने वाले तीसरे सबसे युवा भारतीय बने यशस्वी

भारत के युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल दोहरा शतक जड़ने वाले तीसरे सबसे युवा भारतीय बने. अपना छठा टेस्ट खेल रहे 22 साल के जायसवाल ने 290 गेंद की पारी में 19 चौके और सात छक्के की मदद से 209 रन बनाये. वह दिग्गज जेम्स एंडरसन की गेंद पर जॉनी बेयरस्टो को कैच देकर पवेलियन लौटे. सबसे कम उम्र में दोहरा शतक जड़ने वाले भारतीय का रिकॉर्ड विनोद कांबली के नाम है. पूर्व वामहस्त बल्लेबाज कांबली ने 1993 में 21 साल और 335 दिन की उम्र में इंग्लैंड के खिलाफ दोहरा शतक जड़ा था. कांबली ने इसके 20 दिन के बाद जिम्बाब्वे के खिलाफ अपना लगातार दूसरा दोहरा शतक बनाया था. कांबली से पहले महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर लंबे समय तक दोहरा शतक जड़ने वाले भारत के सबसे युवा बल्लेबाज थे. उन्होंने 1971 में वेस्टइंडीज के खिलाफ यह कारनामा किया था.

टेस्ट में भारत के लिए 200 रन बनाने वाले सबसे युवा

- 21 साल 35 दिन की उम्र में **विनोद कांबली** 224, बनाम इंग्लैंड मुंबई, 1993
- 21 साल 55 दिन की उम्र में **विनोद कांबली** 227, बनाम जिमबाब्वे, दिल्ली, 1993
- 21 साल 283 की उम्र में **सुनील गावस्कर** 220, बनाम वेस्टइंडीज पोर्ट ऑफ स्पेन 1971
- 22 वर्ष 37 दिन की उम्र में **यशस्वी जायसवाल** 209, बनाम इंग्लैंड विशाखापत्तनम 2024

टेस्ट में भारत के लिए बाएं हाथ के बल्लेबाजों द्वारा दोहरा शतक

- **239** सैरव गांगुली बनाम पाकिस्तान, बेंगलुरु 2007
- **227** विनोद कांबली बनाम जिम्बाब्वे, दिल्ली 1993
- **224** विनोद कांबली बनाम इंग्लैंड, मुंबई 1993
- **206** गौतम गंभीर बनाम ऑस्ट्रेलिया, दिल्ली 2006
- **209** यशस्वी जायसवाल बनाम इंग्लैंड, विशाखापत्तनम 2024

भारत का पलड़ा भारी

06	विकेट चटकाए बुमराह ने
03	विकेट चटकाए कुलदीप ने
209	रन बनाए जायसवाल ने
171	रनों से अब तक आगे है भारतीय टीम

क्रिकेट जगत ने यशस्वी की पीठ थपथपाई

'मास्टर ब्लास्टर' सचिन तेंदुलकर की अगुवाई में क्रिकेट जगत शनिवार को टेस्ट क्रिकेट में अपना पहला दोहरा शतक जड़ने वाले यशस्वी जायसवाल की तारीफ की .तेंदुलकर ने 'एक्स' पर लिखा कि शाबाश यशस्वी शानदार प्रयास. जायसवाल की पारी की तारीफ भारत के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली ने भी की. इस श्रृंखला की शुरुआती दो टेस्ट से निजी कारणों ने टीम से बाहर रहने वाले कोहली ने कहा कि यशस्वी जायसवाल .... कम उम्र में शानदारी पारी खेली. जायसवाल ने पिछले साल वेस्टइंडीज के खिलाफ अपने पदार्पण टेस्ट मैच में 171 रन बनाए थे. भारत के बायें हाथ के पूर्व तेज गेंदबाज आरपी सिंह ने जायसवाल की तारीफ करते हुए कहा कि युवा यशस्वी जायसवाल का शानदार दोहरा शतक, बधाई. भारतीय महिला टीम की पूर्व कप्तान अंजुम चोपड़ा ने कहा कि एक शतक विशेष होता है और जब आप दोहरा शतक बनाते हैं तो यह एक अलग ही ऊंचाई होती है. यशस्वी... नाम में ही बड़ा अर्थ है. आने वाले समय में आप कई और शतक जड़ेंगे...यशस्वी जायसवाल ने अच्छा खेला. भारत के पूर्व क्रिकेटर और पश्चिम बंगाल सरकार में वर्तमान खेल खेल और युवा मामलों के राज्य मंत्री मनोज तिवारी ने भी जायसवाल को बधाई दी.

ब्रीफ खबरें

पीएचएफ के कर्मचारियों का वेतन बकाया

लाहौर। पाकिस्तान हॉकी महासंघ (पीएचएफ) ने पैसे की तंगी के कारण अपने कर्मचारियों को पिछले छह महीने से वेतन भुगतान नहीं किया है. सूत्र के मुताबिक लाहौर स्थित मुख्यालय और कराची स्थित कार्यालय में पीएचएफ के लगभग 80 कर्मचारी पिछले छह महीनों से अपना वेतन का इंतजार कर रहे हैं. कर्मचारियों के साथ-साथ राष्ट्रीय टीम के खिलाड़ियों को भी पिछले चार-पांच महीनों से अनुबंध के मुताबिक वेतन या भत्ते का भुगतान नहीं किया गया है. ओमान में हाल ही में ओलंपिक क्वालीफायर के दौरान भी खिलाड़ियों को भत्ता नहीं मिला था. इस मामले की जानकारी रखने वाले एक सूत्र ने कहा कि पाकिस्तान के कप्तान इमाद शकील बट और कुछ अन्य खिलाड़ी भी क्वालीफायर के दौरान अपने दैनिक बकाया का भुगतान न करने के मुद्दे पर टीम प्रबंधन से भिड़ गए थे.

कट में जगह बनाने से चूके प्रकाश चौहान

बहरीन। भारत के ओम प्रकाश चौहान तेज हवा और मुश्किल परिस्थितियों के बीच बहरीन गोल्फ चैंपियनशिप में कट में जगह बनाने से चूक गए. भारत के पीजीटीआई सर्किट में 2023 'ऑर्डर ऑफ मेरिट' के विजेता रहे इस खिलाड़ी ने पहले दौर में एक अंडर 71 का कार्ड खेला था लेकिन दूसरे दौर में उनका स्कोर बेहद निराशाजनक 10 ओवर 82 का रहा. वह इस दौरान दो डबल बोगी और सात बोगी के मुकाबले सिर्फ एक बर्डी ही लगा सके.

सिकोकाई ऑल इंडिया कराटे चैंपिनशिप

पहले दिन झारखंड ने जीते चार पदक

संवाददाता । रांची

दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में चल रहे सिकोकाई ऑल इंडिया कराटे चैंपियनशिप में झारखंड के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया. प्रतियोगिता के पहले दिन शनिवार को महिला वर्ग में झारखंड की खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए तीन पदक जीता.

वहीं पुरुष वर्ग में झारखंड ने एक पदक जीता. सभी विजेता खिलाड़ियों को साउथ एशियन कराटे फेडरेशन के अध्यक्ष हंशी भरत शर्मा और कराटे इंडिया ऑर्गेनाइजेशन के महासचिव शिहान संजीव जांगड़ा ने पदक दिया. सफल खिलाड़ियों को सिकोकाई कराटे इंटरनेशनल इंडिया के राज्य प्रतिनिधि सह राष्ट्रीय कोच शिहान सुनील किस्पोट्टा ने बधाई दी. शिहान सुनील किस्पोट्टा ने कहा कि महिला खिलाड़ियों ने जिस प्रकार आज अपने उम्दा प्रदर्शन से राज्य के लिए पदक जीता है यह अन्य खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा साबित होगा.

इन खिलाड़ियों ने जीता पदक

- जूनियर वर्ग में अनुष्का कुमारी ने 48 किलो वजन वर्ग के कुमिते में रजत पदक जीता
- कैडेट वर्ग में खुशबू कुमारी को 68 किलो वर्ग के कुमिते में रजत पदक
- कैडेट वर्ग में पूनम सोनी ने 54 किलो वर्ग के कुमिते में कांस्य पदक जीता
- पुरुष वर्ग में रघु तनमय पहन ने 68 किलो वर्ग के कुमिते में रजत पदक जीता

रणजी ट्रॉफी : जीत के करीब झारखंड

महाराष्ट्र के खिलाफ सौराष्ट्र का पलड़ा भारी

संवाददाता । रांची

जमशेदपुर में मणिपुर और झारखंड के बीच खेले जा रहे रणजी ट्रॉफी मैच में झारखंड के टीम जीत के करीब है. मणिपुर के पहली पारी के जवाब में झारखंड के उत्कर्ष सिंह के 116 , सौरभ तिवारी के नाबाद 105 और अनुकूल रॉय 97 रन के बदौलत दूसरे दिन स्टंप तक झारखंड ने पांच विकेट गंवाकर 473 रन बना लिए है. जयपुर में राजस्थान के पहली पारी में 432 रन बनाने के बाद विदर्भ ने यश राठौड़ के नाबाद 68 रन से स्टंप तक दो विकेट गंवाकर 140 रन बनाये. रोहतक में पहली पारी में 108 रन बनाने वाली सेना ने स्टंप तक दूसरी पारी में चार विकेट गंवाकर 78 रन बना लिये.

सोलापुर (महाराष्ट्र)। सौराष्ट्र के स्पिनर युवराज सिंह डोडिया और पार्थ भुत की शानदार गेंदबाजी से महाराष्ट्र टीम शनिवार को यहां 208 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए रणजी ट्रॉफी ग्रुप ए मैच के दूसरे दिन स्टंप तक 104 रन पर पांच विकेट गंवाकर जूझ रही है. अनुभवी भारतीय बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा मैच में दूसरी बार विफल रहे. उनके शून्य पर आउट होने के बावजूद सौराष्ट्र ने पुछल्ले बल्लेबाज चिराग जानी (43) और कप्तान जयदेव उनादकट (45) के बीच 93 रन की साझेदारी से महाराष्ट्र के सामने चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा करने में सफल रही. सौराष्ट्र ने 69 रन पर आठ विकेट गंवा दिये थे लेकिन इन दोनों की बदौलत 164 रन तक पहुंच गयी. सौराष्ट्र का पूरा शीर्ष क्रम ताश के पत्तों की तरह बिखर गया जिसमें महाराष्ट्र के बायें हाथ के स्पिनर हितेश वालुंज ने शानदार प्रदर्शन किया. उन्होंने 70 रन देकर आठ विकेट चटकाकर अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया. पहले दिन भी उन्होंने 93 रन देकर छह विकेट झटके थे जिससे मैच में 14 विकेट लेकर करियर का सर्वश्रेष्ठ करने में सफल रहे. दूसरे दिन स्टंप तक महाराष्ट्र का शीर्ष क्रम पवेलियन लौट चुका है. सिद्धार्थ म्हात्रे 11 और तरणजीत सिंह ढिल्लों छह रन बनाकर क्रीज पर मौजूद हैं.

थाईलैंड मास्टर्स : अस्मिता चालिहा सेमीफाइनल में हारी

भाषा । बैंकॉक

भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी अस्मिता चालिहा का प्रभावशाली प्रदर्शन शनिवार को यहां थाईलैंड मास्टर्स सुपर 300 टूर्नामेंट के महिला एकल सेमीफाइनल में स्थानीय खिलाड़ी सुपानिडा काटेथोंग से सीधे गेम में हारकर समाप्त हो गया. गुवाहाटी की 24 साल की प्रतिभाशाली खिलाड़ी को विश्व रैंकिंग में 17वें स्थान पर काबिज सुपानिडा ने 35 मिनट तक चले मुकाबले के सीधे गेमों में 21-13, 21-12 से हराया. बाएं हाथ की दो खिलाड़ियों का मुकाबला शुरुआत से एकतरफा रहा. सुपानिडा ने पहले गेम 8-3 की बड़ी बढ़त बनाने के बाद भारतीय खिलाड़ी को वापसी का मौका नहीं दिया. दूसरे गेम में अस्मिता ने सुपानिडा को शुरुआत में टक्कर दी जिससे स्कोर 6-7 था. वह इसके बाद लय जारी नहीं रख सकी .थाईलैंड की खिलाड़ी ने अगले 10 में से नौ अंक अपने नाम कर अस्मिता को मुकाबले से बाहर कर दिया.

बैडमिंटन टूर्नामेंट

- एकतरफा रहा अस्मिता और सुपानिडा के बीच मुकाबला
- सुपानिडा ने अस्मिता को सीधे गेमों में हराया
- 21-13, 21-12 से हारी अस्मिता चालिहा

डब्ल्यूएएपी चैंपियनशिप में संयुक्त 11वें स्थान पर रही अवनी प्रशांत

पटाया (थाईलैंड)। भारतीय गोल्फ खिलाड़ी अवनी प्रशांत महिला एमेच्योर एशिया पैसिफिक चैंपियनशिप (डब्ल्यूएएपी) के तीसरे दौर में एक अंडर 71 का कार्ड खेलने के बाद संयुक्त रूप से 11वें स्थान पर है.

पहले दो दौर में 68 और 69 का स्कोर करने वाली अवनी ने तीसरे दौर में दो बर्डी के मुकाबले एक बोगी लगाई. अवनी का कुल स्कोर आठ अंडर है जबकि तालिका में शीर्ष पर काबिज चीनी ताइपे की चुन-वेई वू (66) का स्कोर 18-अंडर का है. कट में जगह बनाने वाली एक अन्य भारतीय सान्वी सोमू 75 के कार्ड के साथ संयुक्त 48 वें स्थान पर है. यह 15 साल की खिलाड़ी ने दो बर्डी के मुकाबले पांच बोगी कर बैठी.

अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय महिला हॉकी

रांची विश्वविद्यालय बना उपविजेता

संवाददाता । रांची

सावित्रीवाई विश्वविद्यालय के तत्वावधान में खेले गए अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय महिला हॉकी प्रतियोगिता रांची विश्विद्यालय को हार का सामना करना पड़ा. शनिवार को खेले गए फाइनल मुकाबले में ग्वालियर की टीम रांची विश्विद्यालय की टीम को 2-1 से हराकर ट्रॉफी पर कब्जा जमाया. रांची विश्वविद्यालय के खिलाड़ियों ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया लेकिन किस्मत ने ग्वालियर का साथ दिया. रांची विश्वविद्यालय के खिलाड़ियों ने कई अच्छे मौके गंवाए और पूरे मैदान में दर्शकों की खूब वह वाही लूटी. मैच के पहले हाफ में दोनों टीमों को गोल करने का मौका नहीं मिला. दूसरे हाफ के खेल में ग्वालियर के खिलाड़ियों ने एक गोल का टीम को बढ़त दिला दी, लेकिन इसके थोड़ी देर बाद रांची विश्वविद्यालय के खिलाड़ियों ने जमकर मुकाबला किया और गोल दाग कर बराबरी की. रांची के खिलाड़ियों ने कई मौके गंवाए, लेकिन इस बीच खेल के अंतिम क्षणों में ग्वालियर के खिलाड़ियों ने पेनल्टी कॉर्नर का लाभ उठाते हुए गेंद को गोल-जाल में फंसा कर विजेता बनने का गौरव प्राप्त किया. रांची की ओर से एकमात्र गोल अंजना डुंगडुंग ने दागा.

खास बातें

- ग्वालियर ने रांची विवि. को 2-1 से पराजित किया
- रांची विवि. के लिए एकमात्र गोल अंजना डुंगडुंग ने दागा

टेनिस

रामकुमार रामनाथन ने ऐसाम अल हक को और श्रीराम बालाजी ने अकील खान को हराया

डेविस कप में भारत ने पाकिस्तान पर 2-0 की बढ़त बनायी

भाषा । इस्लामाबाद

भारत ने रामकुमार रामनाथन और एन श्रीराम बालाजी के दबाव भरे मैचों में जीत की बदौलत शनिवार को यहां डेविस कप विश्व ग्रुप एक प्लेऑफ मुकाबले में पाकिस्तान पर 2-0 से बढ़त बना ली. ऐसाम उल हक ने शुरूआती एकल में कड़ी चुनौती पेश की लेकिन तीसरे सेट में मांसपेशियों में खिंचाव के कारण पिछड़ गये. रामकुमार ने इस्लामाबाद खेल परिसर में जोश से भरे ऐसाम से पहला सेट गंवा दिया था लेकिन वापसी करते हुए 6-7(3) 7-6(4), 6-0 से जीत हासिल कर भारत को 1-0 से आगे कर दिया. इस मैच में 43 वर्षीय ऐसाम ने 10 डबल फॉल्ट की. ऐसाम कड़कड़ाती ठंड में अपने 'डबल फॉल्ट' पर लगाम नहीं लगा सके जबकि रामकुमार ने जैसे-जैसे मैच आगे बढ़ा अपने रिटर्न बेहतर करना शुरू किया. ऐसाम ने कड़ी टक्कर देने के लिए सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया लेकिन तीसरे सेट के शुरू में मांसपेशियों में खिंचाव के कारण जूझते नजर आये. अंत में लय खो बैठे रामकुमार ने दूसरे सेट में दो ब्रेक प्वाइंट बचाये जो मैच के नतीजे में अहम साबित हुए. ठंड के कारण गेंद भारी हो गयी थी जिससे इस पर काबू करना मुश्किल हो रहा था.

एकतरफा मुकाबले में जीते बालाजी

बारिश से प्रभावित दूसरे एकल में युगल विशेषज्ञ बालाजी को अकील खान ने चुनौती दी लेकिन वह पाकिस्तान के अनुभवी खिलाड़ी को एकतरफा मुकाबले में 7-5, 6-3 से पराजित करने में सफल रहे. बालाजी ने मैच पर शिकंजा कसा हुआ था. उन्होंने दोनों सेट में एक एक बार अकील की सर्विस तोड़ी. उनकी मजबूत सर्विस, ड्रॉप शॉट्स का बखूबी इस्तेमाल और मूवमेंट अंत में उन्हें आसान जीत दिलाने में सफल रहे. भारत अब विश्व ग्रुप एक में जगह बनाने से एक जीत दूर है. युकी भांबरी और साकेत मायनेनी अब रविवार को मुकाबला जीतने की कोशिश करेंगे. तीसरे मैच में उनका सामना मुजम्मिल मुर्तजा और बरकत उल्लाह की जोड़ी से होगा.

राम-क्राजिसेक की जोड़ी जीती

विनियस (लिथुआनिया)

राजीव राम और ऑस्टिन क्राजिसेक ने यूक्रेन के खिलाफ युगल मैच जीतकर 'बेस्ट ऑफ फाइव' क्वालीफाइंग में 3-0 की अजेय बढ़त के साथ डेविस कप फाइनल्स ग्रुप राउंड में अमेरिका का स्थान सुरक्षित किया. राम और क्राजिसेक ने शुक्रवार को इलिया बेलोबोरोडको और ओलेक्सी क्रुतिख की जोड़ी को 6-3 4-6 6-3 से हराया. इससे पहले सेबेस्टियन कोर्डा और क्रिस यूबैंक्स ने एकल वर्ग के मैच में जीत के साथ अमेरिका को शानदार शुरुआत दिलाई थी.

एमेच्योर किकबॉक्सिंग के महासचिव बने ओवैस अराफात

संवाददाता । रांची

झारखंड एमेच्योर स्पोर्ट्स किकबॉक्सिंग एसोसिएशन की वार्षिक आम बैठक शनिवार को संपन्न हुई. यूनाइटेड क्लब हिनू में हुई बैठक में राज्य से के 21 जिला ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई. ओवैस अराफात को महासचिव और प्रवीण कुमार को कोषाध्यक्ष चुना गया. राज्य के संग में 8 नये जिला इकाई संघ में शामिल हुए. जिसमें गुमला,लोहरदगा, गढ़वा, बोकारो, पश्चिमी सिंहभूम, गिरिडीह व सरायकेला शामिल है. संघ ने आने वाली प्रतियोगिताएं और ट्रेनिंग सेमिनार और खिलाड़ियों की उज्जवल भविष्य के लिए कई योजनाओं का शुभारंभ किया.

ब्रीफ खबरें

सीएसपी संचालक से 2.5 लाख रुपये लूटे

पूर्वी चंपारण। जिले के चकिया थाना क्षेत्र के गवंद्रा बाजार स्थित एसबीआई के ग्राहक सेवा केंद्र से अपराधियों ने करीब ढाई लाख रुपये की लूट की घटना को अंजाम दिया है. घटना की जानकारी देते कोईला बेलवा पोखरिया टोला निवासी सीएसपी संचालक रूपेश कुमार ने बताया कि शुक्रवार देर शाम जब सीएसपी को बंद करने की तैयारी कर रहे थे. इसी बीच काले और उजले रंग की दो बाइक पर सवार पांच की संख्या में अज्ञात बदमाश सीएसपी केंद्र में घुसे और हथियार के बल पर करीब ढाई लाख रुपये और मोबाइल लूट लिये.

बुजुर्ग से 50 हजार रुपये लूटकर फरार

भागलपुर। जिले के जगदीशपुर स्थित यूको बैंक से रुपया निकल कर घर जा रहे एक बुजुर्ग की बाइक सवार अपराधियों ने रुपयों से भरा थैला छीनकर फरार हो गया. घटना शनिवार करीब 11 बजे दिन की है. तगेपुर निवासी 55 वर्षीय भोला यादव बैंक से 50 हजार रुपया निकाल कर अपने घर जा रहे थे. तभी भुराहा पोखर के निकट बिरजू चूड़ा मिल के पास पीछे से एक बाइक पर सवार दो युवक आया और हाथ से थैला छीन लिया और फरार हो गया. पीड़ित ने बताया कि थैली में 50 हजार रुपया, पासबुक एवं आधार कार्ड था. साथ ही उन्होंने बताया कि मैंने जमीन खरीदा है. पैसा निकालकर जमीन वाले को देना था. इसीलिए पैसा निकाल कर घर जा रहा था.

जमीन विवाद में भतीजे ने चाचा को मारी गोली

मोतिहारी। पूर्वी चंपारण के सुगौली थाना क्षेत्र में जमीन विवाद को लेकर भतीजा ने चाचा लैश मियां को गोली मार दी. जख्मी लैश मियां को इलाज के लिए सुगौली सीएचसी लाया गया. जहां से चिकित्सकों ने उसे मोतिहारी रेफर कर दिया है. इधर, घटना की जानकारी मिलते ही मोतिहारी पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की छानबीन में जुट गई है. फिलहाल आरोपी फरार बताया जा रहा हैं. वहीं, घटना सुगौली थाना क्षेत्र के पजिअरवा गांव में घटी है. महज दो कट्ठा के लिए यह गोलीबारी की गई है.

बिहार में भाजपा और जदयू की सरकार बनने के छह दिन बाद मंत्रियों के बीच हुआ विभागों का बंटवारा

मुख्यमंत्री नीतीश के पास गृह और सामान्य प्रशासन

संवाददाता । पटना

मुख्यमंत्री
5 विभाग

डिप्टी सीएम
नौ विभाग

डिप्टी सीएम
नौ विभाग

राज्य में भाजपा-जदयू की सरकार बनने के छह दिन बाद शनिवार को मंत्रियों के विभागों का बंटवारा कर दिया गया. मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने एक बार फिर गृह और सामान्य प्रशासन जैसे महत्वपूर्ण विभाग अपने पास रखे हैं. दोनों उप मुख्यमंत्रियों को नौ-नौ विभागों का जिम्मा दिया गया है. नीतीश कुमार के पास सामान्य प्रशासन, गृह, मंत्रिमंडल सचिवालय, निगरानी, निर्वाचन तथा ऐसे सभी विभाग जो किसी को भी आवंटित नहीं किए गए हैं वह उनके पास रहेंगे. उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के पास कुल नौ विभागों का जिम्मा है. इसमें वित्त, वाणिज्य कर, नगर विकास एवं आवास, स्वास्थ्य, खेल, पंचायती राज, उद्योग, पशु एवं मत्स्य संसाधन तथा विधि विभाग हैं. दूसरे उप मुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा के पास भी नौ विभाग हैं. इनमें कृषि, पथ निर्माण, राजस्व एवं भूमि सुधार, गन्ना उद्योग, खान एवं भूतत्व, श्रम संसाधन, कला संस्कृति एवं युवा, लघु जल संसाधन मंत्रालय तथा लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण हैं. जदयू के विजय कुमार चौधरी के पास कुल छह विभाग हैं. इनमें जल संसाधन, संसदीय कार्य, भवन निर्माण, परिवहन, शिक्षा, सूचना एवं जनसंपर्क हैं. विजेंद्र प्रसाद यादव के पास पांच विभाग हैं, जिसमें ऊर्जा योजना एवं विकास, मद्य निषेध उत्पाद एवं निबंधन तथा ग्रामीण कार्य और अल्पसंख्यक कल्याण हैं.

भाजपा के डॉ. प्रेम कुमार के पास सहकारिता, पिछड़ा वर्ग एवं अति पिछड़ा वर्ग कल्याण, आपदा प्रबंधन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन तथा पर्यटन यानी कुल पांच विभाग हैं. जदयू के श्रवण कुमार के पास ग्रामीण विकास, समाज कल्याण, खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग हैं. हम के संतोष कुमार सुमन को सूचना प्रावैधिकी, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण विभाग की जिम्मेदारी दी गई है. निर्दलीय सुमित सिंह को विज्ञान प्रावैधिकी एवं तकनीकी शिक्षा विभाग मिला है.

बिहार की राजनीति में कांग्रेस ने मचाई खलबली

प्रदेश अध्यक्ष ने दिया मांझी को मुख्यमंत्री पद का ऑफर

संवाददाता । पटना

बिहार में एनडीए की सरकार तो बन गई है, लेकिन फ्लोर टेस्ट अभी बाकी है. इसी बीच 'हम' संयोजक जीतन राम मांझी ने कैबिनेट में दो मंत्री पद की मांग कर दी है. इस बीच कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह से जब सवाल पूछा गया कि वो एनडीए सरकार में दो सीटों की मांग कर रहे हैं. इस पर अखिलेश प्रसाद सिंह ने मांझी को खुला ऑफर दे दिया. उन्होंने कहा कि वो हमारे साथ आ जाए हम उन्हें सीएम बनवा देंगे. इस बयान के बाद बिहार की राजनीति में कयासों का दौर शुरू हो गया है. वहीं, इस प्रकरण पर राजद प्रवक्ता मृत्युंजय तिवारी ने कहा कि सभी बातों को सार्वजनिक नहीं किया जा सकता है.

गुस्साए लोगों ने बस में लगायी आग, ड्राइवर को भी पीटा

बस ने छात्रा को रौंदा, मौत के बाद बवाल, बस में लगाई आग

संवाददाता । बिहारशरीफ

नालंदा में भीषण सड़क हादसे में एक छात्रा की मौत हो गई है. वह शनिवार की सुबह कोचिंग पढ़ने जा रही थी. राजगीर-बिहार शरीफ मेन रोड में यात्रियों से भरी बस ने कुचल दिया. घटना दीपनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत दीपनगर का है. इधर, घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया. आसपास के लोगों की भीड़ लग गई. छात्रा की मौत पर आक्रोशित लोगों ने सड़क पर जमकर बवाल किया. इधर, भाग रहे बस चालक को लोगों ने खदेड़ कर पकड़ लिया और बेरहमी से पिटाई कर दी. वहीं, गुस्साए लोगों ने बस में आग लगा दी और सड़क जाम कर प्रदर्शन करने लगे.

मृतक की पहचान पुष्पा कुमारी के रूप में हुई : इधर, सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों को समझाने की कोशिश करने लगी. पुलिस ने काफी मशक्कत के बाद आरोपी बस ड्राइवर को लोगों के चंगुल से छुड़ा लिया. पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया है. छात्रा की पहचान नालंदा थाना क्षेत्र अंतर्गत कमदारगंज गांव निवासी सुगन यादव की 14 वर्षीय पुत्री पुष्पा कुमारी के रूप में की गई है.

उग्र ग्रामीणों को समझाया

घटना के बाद दीपनगर थाना अध्यक्ष नारद मुनि सिंह दलबल के साथ पहुंचे. हालांकि करीब एक घंटे तक समझाने बुझाने का प्रयास किया गया, लेकिन भीड़ पुलिस की बात मानने को तैयार नहीं थी. बाद में लाइन से बल को मंगाया गया. तब जाकर मामला शांत हुआ. फिलहाल पुलिस शव को कब्जे में लेने के प्रयास में जुटी हुई है. घटना की सूचना पर सदर डीएसपी नुरुल हक, सदर बीडीओ अंजन दत्ता, लहेरी थानाध्यक्ष, सोहसराय थानाध्यक्ष दलबल के साथ पहुंचे.

पढ़ाई करने जा रही थी पुष्पा

पुष्पा कुमारी के पिता सुगंन यादव ने बताया कि हर दिन की तरह उनकी बेटी पढ़ाई करने के लिए घर से साइकिल से दीपनगर बाजार जा रही थी. इसी बीच बिहार शरीफ से राजगीर की ओर जा रही अनियंत्रित बस ने उसे कुचल दिया. जिसके कारण घटनास्थल पर ही उनकी बेटी की मौत हो गई. सदर डीएसपी नुरुल हक ने बताया कि सड़क हादसे में छात्रा की मौत हुई है. कुछ असामाजिक तत्वों ने बस में आग लगा दी गई थी. फिलहाल स्थिति सामान्य है और आवागमन शुरू करा दिया गया है. उपद्रव करने वाले लोगों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की जाएगी. घटना के बाद गुस्साए लोगों ने बस ड्राइवर को पकड़ लिया और जमकर धुनाई कर दी. वहीं मौके की नजाकत को देखते हुए पैसेंजर बस से उतरकर अपने-अपने गंतव्य की ओर निकल गए.

घंटे भर बाद पहुंचा फायर ब्रिगेड

बस में आग लगाने की सूचना के उपरांत करीब घंटे भर बाद फायर ब्रिगेड की टीम पहुंची. दमकल की दो गाड़ियों ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया. बताया जा रहा है कि शनिवार को ही दीपनगर बाजार में ही कुशवाहा महासम्मेलन सह अभिनंदन समारोह का आयोजन होने वाला है. जहां उपमुख्यमंत्री के आने का कार्यक्रम है. इंटरमीडिएट परीक्षा का शनिवार को तीसरा दिन है, ऐसे में शनिवार की सुबह हुई इस घटना के बाद परीक्षार्थियों को खासा परेशानियों का सामना करना पड़ा.

नीतीश ने 20 सूत्री समिति भंग की

संवाददाता । पटना

बिहार में एनडीए की सरकार बनने के बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार फुल एक्शन में हैं. नीतीश कुमार ने पुरानी समितियों में बदलाव करना शुरू कर दिया है. सीएम ने महागठबंधन सरकार में गठित 38 जिलों की 20 सूत्री समितियों को भंग कर दिया है. साथ ही सभी जिलों के प्रभारी मंत्रियों को भी हटा दिया है. अब नये सिरे से सभी जिलों में प्रभारी मंत्री बनाये जायेंगे. कैबिनेट विभाग ने शुक्रवार को इससे संबंधित अधिसूचना भी जारी कर दी. इस अधिसूचना के बाद किसी भी जिले में कोई प्रभारी मंत्री नहीं है. बता दें कि बिहार में महागठबंधन की सरकार बनने के बाद सीएम नीतीश कुमार ने 20 सूत्री समिति का गठन करने का फैसला लिया था. इससे बाद 38 जिलों में 20 सूत्री समितियों का गठन किया गया. इससे पहले 10 सालों तक बिहार में 20 सूत्री समितियां नहीं थी. लेकिन एनडीए का हाथ थामने के बाद नीतीश ने 20 सूत्री समिति के अध्यक्ष से लेकर जिलों के प्रभारी मंत्री के मनोनयन से संबंधित मंत्रिमंडल सचिवालय की ओर से जारी अधिसूचना को तत्काल प्रभाव से रद्द कर दिया.

28 जनवरी को नीतीश 9वीं बार सीएम बने

बिहार में 28 जनवरी को सत्ता में बदलाव हुआ था. नीतीश कुमार ने जदयू विधायक दल की बैठक में इस्तीफा देने की घोषणा की. इसके बाद वो सीधे राजभवन पहुंचे और राज्यपाल राजेंद्र अर्लेकर को अपना इस्तीफा सौंपा. राज्यपाल ने नीतीश का इस्तीफा स्वीकार कर लिया. इसके बाद नीतीश कुमार ने शाम चार बजे 9वीं बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली. उनके साथ 8 मंत्रियों ने भी पद और गोपनीयता की शपथ ली. हालांकि अब तक इन 8 मंत्रियों को कोई विभाग नहीं सौंपा गया है. नीतीश कुमार 12 फरवरी को विधानसभा में बहुमत हासिल करने के बाद मंत्रिमंडल का विस्तार करेंगे.

नीतीश ने आडवाणी को दी बधाई व शुभकामनाएं

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पूर्व उप प्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी को देश का सर्वोच्च सम्मान 'भारत रत्न' दिये जाने की घोषणा पर बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं. मुख्यमंत्री ने आडवाणी से दूरभाष पर बात कर उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए उनका अभिनंदन किया. नीतीश ने कहा कि केंद्र सरकार का यह निर्णय स्वागत योग्य है. इसके लिए प्रधानमंत्री का अभिनंदन करता हूं. नीतीश ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि आडवाणी का देश के विकास में बड़ा योगदान है. वाजपेयी की सरकार में उन्होंने देश के गृह मंत्री और उप प्रधानमंत्री के रूप में काफी बेहतर कार्य किया.

लखीसराय में टॉप 10 में शामिल अपराधी भिखारी सिंह गिरफ्तार

संवाददाता । लखीसराय

लखीसराय पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर जिले के टॉप 10 में शामिल कुख्यात अपराधी भिखारी सिंह को गिरफ्तार कर लिया है. गिरफ्तार अपराधी पर सूर्यगढ़ा और मेदिनीचौकी थाने में एक दर्जन से ऊपर मामले दर्ज हैं. जिसकी गिरफ्तारी को लेकर पुलिस लगातार छापेमारी कर रही थी. गिरफ्तारी सुनिश्चित करने को लेकर लखीसराय पुलिस अधीक्षक पंकज कुमार के निर्देश पर एक विशेष टीम गठित कर छापेमारी की गई और अपराधी भिखारी सिंह को गिरफ्तार कर लिया गया है.

20 हजार का इनाम रखा गया था : गिरफ्तार अपराधी के ऊपर दर्जनों लूट, हत्या, रंगदारी आर्म्स एक्ट, सरकारी कार्य में बाधा डालने सोशल सोशल मीडिया पर एसएलआर लहराने का भी मामला दर्ज है. भिखारी सिंह के ऊपर 20000 हजार का इनाम रखा गया था. यह लखीसराय जिले के टॉप टेन सूची में शामिल था, जिसकी गिरफ्तारी लखीसराय पुलिस के लिए बड़ी सफलता मानी जा रही है.

कारोबार

एसबीआई का शुद्ध लाभ 35 प्रतिशत गिरा

नयी दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) का एकल शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में 35 प्रतिशत गिरकर 9,164 करोड़ रुपये रहा है. बीते वित्त वर्ष की समान तिमाही में बैंक का शुद्ध लाभ 14,205 करोड़ रुपये रहा था. एसबीआई ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि दिसंबर 2023 को समाप्त तिमाही में उसकी कुल आमदनी बढ़कर 1,18,193 करोड़ रुपये रही, जो बीते वित्त वर्ष की समान तिमाही में 98,084 करोड़ थी. बैंक की ब्याज आय समीक्षाधीन तिमाही में बढ़कर 1,06,734 करोड़ रुपये हो गई.

अशोक लीलैंड ने इलेक्ट्रिक ट्रक की चाबियां सौंपीं

चेन्नई। हिंदुजा समूह की प्रमुख कंपनी अशोक लीलैंड ने अपने ग्राहकों के लिए इंटरमीडिएट और हेवी ड्यूटी इलेक्ट्रिक ट्रकों की आपूर्ति शुरू कर दी है. कंपनी ने बयान में कहा कि नई दिल्ली में भारत मोबिलिटी वैश्विक प्रदर्शनी 2024 में 14टी बॉस इलेक्ट्रिक ट्रक की चाबियां बिलियन ई-मोबिलिटी को सौंपी गईं. कंपनी के सीईओ शेनू अग्रवाल ने शनिवार को बयान में कहा, अशोक लीलैंड ने शनिवार को अपने ग्राहक को पहला पूर्ण इलेक्ट्रिक वाहन देने पर गर्व है. बॉस 14टी इलेक्ट्रिक ट्रक को पिछले साल वाहन प्रदर्शनी में पेश किया गया था.

औसत वृद्धि दर 6.7 प्रतिशत रहेगी : क्रिसिल

कोलकाता। क्रिसिल ने कहा कि वर्तमान दशक के अंत तक भारतीय अर्थव्यवस्था की औसत वार्षिक वृद्धि दर 6.7 प्रतिशत रहने की उम्मीद है. रेटिंग एजेंसी की एक ताजा रिपोर्ट में कहा गया है कि वित्त वर्ष 2023-24 से 2030-31 के बीच अर्थव्यवस्था इस दर से बढ़ेगी. यह दर महामारी से पहले की औसत वृद्धि दर 6.6 प्रतिशत से थोड़ी अधिक है. क्रिसिल के अनुसार इस प्रवृत्ति में पूंजी का मुख्य रूप से योगदान होगा. रिपोर्ट में कहा गया कि सरकार ने निर्माण गतिविधियों का समर्थन करने के लिए पूंजीगत व्यय में उल्लेखनीय वृद्धि की है और राज्यों के निवेश प्रयासों को बढ़ावा देने के लिए ब्याज मुक्त ऋण दे रही है.

आगे बननेवाले तीन नए रेलवे कॉरिडोर पर केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव बोले

रेल ट्रांसपोर्ट का रूप बदलकर रख देगा

भाषा । नयी दिल्ली

इस कॉरिडोर से कुल मिलाकर 434 प्रोजेक्ट जुड़े हुए हैं

विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने के लिए केंद्र सरकार प्रयासरत है. इसे लेकर आधारभूत संरचना को बेहतर करने पर जोर दिया जा रहा है. इसी के तहत केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अंतरिम बजट में देश में तीन नए बड़े आर्थिक रेलवे कॉरिडोर बनाने की घोषणा की. असल में ये केवल तीन रेल कॉरिडोर तक ही सीमित नहीं है, बल्कि इन तीनों से 434 प्रोजेक्ट जुड़े हुए हैं. ये देश में रेल यात्रा करने वाले और माल ढुलाई की दशा बदल देंगे. 6-8 साल में पूरे होने वाले इन तीनों कॉरिडोर की लंबाई 40 हजार किलोमीटर होगी. इस पर केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इन तीनों कॉरिडोर के बारे में विस्तार से जानकारी दी. उन्होंने कहा कि ये तीनों कॉरिडोर डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर नहीं हैं. इससे फ्रेट और पैसेंजर दोनों को बहुत फायदा होने वाला है. सही मायने में कहा जाए तो रेलवे की यह घोषणा विकसित भारत का नया रोडमैप, ब्लूप्रिंट है. यह 2030-31 तक देश में रेल ट्रांसपोर्ट का रूप बदलकर रख देगा.

वैष्णव ने कहा कि तीनों नए आर्थिक रेल कॉरिडोर बनाना बड़ा काम है. इसके लिए डीपीआर बनाना, राज्य सरकारों के साथ बातचीत और अन्य बहुत सारे काम हैं. तीनों कॉरिडोर के लिए 40 हजार किलोमीटर लंबे रेल ट्रैक बिछाने के लिए आरंभिक लागत 11 लाख करोड़ रुपये आने का अनुमान है. यह लागत बेहद शुरुआती है, क्योंकि इन तीनों प्रोजेक्ट के लिए अभी डीपीआर तैयार करना बाकी है. इसके बाद असल कॉस्ट का पता लग सकेगा. तीनों आर्थिक कॉरिडोर से 434 छोटे-बड़े प्रोजेक्ट जुड़े हुए हैं. उनकी मदद से ही तीन कॉरिडोर वाली बड़ी योजना अमल में आ पाएगी. इन तीनों कॉरिडोर में पहले का नाम- एनर्जी, मिनरल और सीमेंट कॉरिडोर, दूसरा- पोर्ट कनेक्टिविटी कॉरिडोर और तीसरे का नाम हाई स्पीड डेंसिटी कॉरिडोर दिया गया है. रेलवे अधिकारियों का कहना है कि इसका मतलब है कि देश में रेल हर उस मुकाम तक पहुंच बनाएगी, जहां-जहां से भी अधिक, बेहतर और स्पीड के साथ माल ढुलाई की जा सकेगी. साथ ही अधिक से अधिक यात्रियों की पहुंच तक भी रेलवे पहुंचेगी.

ये तीनों कॉरिडोर केवल माल ढुलाई के लिए नहीं हैं. यह बड़ा प्रोजेक्ट यात्रियों के लिए भी है. उम्मीद जताई जा रही है कि 2030-31 तक देश में रेल टिकट बुक कराने वालों के लिए वेटिंग लिस्ट का झंझट खत्म हो सकेगा. रेल से माल ढुलाई या सफर करने वालों के लिए केवल रेल ट्रैक बिछाने से ही काम नहीं चलेगा. इसके लिए जहां-जहां डबल लाइन हैं वहां-वहां उन्हें बढ़ाकर फोर लाइन करना होगा. फोर लाइन को जरूरत के मुताबिक और अधिक बढ़ाना होगा. रेलवे को डिमांड के हिसाब से यात्रियों के लिए ट्रेनों की संख्या बढ़ानी होगी. जिस तेजी से रेल यात्रियों की संख्या बढ़ती जा रही है उस हिसाब से 2030-31 तक वेटिंग लिस्ट को खत्म करने के मकसद में देरी हो सकती है. अधिकारियों का कहना है कि इन तीनों नए रेल कॉरिडोर बनाने और नई ट्रेनों के आने से मौजूदा समय में सालाना 700 करोड़ यात्रियों को सफर कराने वाली रेलवे फिर एक हजार करोड़ यात्रियों को भी यात्रा कराने के लिए पूरी तरह से तैयार होगी.

बढ़ेगी सुविधा

- तीनों कॉरिडोर के लिए 40 हजार किमी रेल ट्रैक बिछेगी
- इसकी अनुमानित आरंभिक लागत 11 लाख करोड़ रु है

पार्क होटल्स ने आईपीओ से 409 करोड़ रुपये जुटाए

नयी दिल्ली। द पार्क ब्रांड के अंतर्गत संचालित एपीजे सुरेंद्र पार्क होटल्स लिमिटेड ने अपने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) से पहले एंकर निवेशकों से 409.5 करोड़ रुपये जुटाए हैं. बीएसई की वेबसाइट पर शुक्रवार को जारी परिपत्र के अनुसार, कंपनी ने 37 निवेशकों को 155 रुपये प्रति शेयर पर 2.64 करोड़ इक्विटी शेयर आवंटित करने का फैसला किया है. यह मूल्य दायरे का ऊपरी स्तर भी है. इसका निचला स्तर 147 रुपये है. एंकर निवेशकों में सोसाइटी जनरल, सिटीग्रुप ग्लोबल मार्केट्स मॉरीशस, इंटीग्रेटेड कोर स्ट्रेटेजीज (एशिया) प्राइवेट लिमिटेड, बजाज अलायंज लाइफ इंश्योरेंस कंपनी, एसबीआई जनरल इंश्योरेंस कंपनी, कोटक महिंद्रा लाइफ इंश्योरेंस कंपनी और सीएलएसए ग्लोबल मार्केट्स प्राइवेट लिमिटेड व अन्य हैं.

इसके अलावा आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल म्यूचुअल फंड, एडेलवीस म्यूचुअल फंड, व्हाइटोक कैपिटल, बंधन म्यूचुअल फंड और क्वांट म्यूचुअल फंड ने भी एंकर चरण में भाग लिया. आईपीओ पांच फरवरी को खुलकर सात फरवरी को बंद होगा. यह आईपीओ 920 करोड़ रुपये का है.

अमेरिका-भारत मंच ने कहा

भारत लाल सागर संकट से उबरने में सक्षम : सीईओ

एजेंसी । नयी दिल्ली

अमेरिका-भारत रणनीतिक साझेदारी (यूएसआईएसपी) मंच ने कहा है कि लाल सागर संकट का भारत में मुद्रास्फीति या वस्तुओं की कमी के लिहाज से कोई असर नहीं होगा. अमेरिका और यूरोप से एशिया आने वाले जलपोत लाल सागर में मिसाइलों की चपेट में आने से बचने के लिए लंबा चक्कर लगाने को मजबूर हैं. इससे यात्रा का समय बढ़ा है, जहाजों की उपलब्धता पर असर पड़ा है और माल ढुलाई तथा बीमा लागत में वृद्धि हुई है. यूएसआईएसपी ने कहा है कि लाल सागर संकट का कोई बड़ा प्रभाव नहीं पड़ने वाला है. सीईओ मुकेश अघी ने कहा, भारत इससे उबरने में सक्षम है. उन्होंने कहा कि वैश्विक व्यापार का लगभग 15 प्रतिशत लाल सागर से होता है. लाल सागर मार्ग का उपयोग नहीं करने पर समय दोगुना हो जाता है और पूंजी तथा कंटेनर अगले तीन सप्ताह के लिए फंस जाते हैं.

अमेजन के 50 मिलियन शेयर अगले साल बेचेंगे जेफ बेजोस

एजेंसी । नई दिल्ली

ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन के संस्थापक जेफ बेजोस अगले 12 महीनों में कंपनी के 50 मिलियन (5 करोड़) शेयरों को बेचने की योजना बना रहे हैं. एक रिपोर्ट के मुताबिक 171.8 डॉलर प्रति शेयर की मौजूदा कीमत पर अमेजन के इन शेयरों की कुल वैल्यू 8.6 अरब डॉलर है. एसईसी फाइलिंग के मुताबिक जेफ बेजोस अमेजन स्टॉक के करीब एक अरब शेयरों के मालिक हैं. अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में उम्मीद से अधिक बिक्री दर्ज करने के बाद अमेजन के शेयर में 8% का उछाल देखा गया.

बरकरार वित्त मंत्री बोलीं- डिसइनवेस्टमेंट परहेज नहीं, कंपनियों का वैल्यूएशन बढ़ाना जरूरी

एसबीआई-ओएनजीसी में अपनी हिस्सेदारी बेच सकती है सरकार

एजेंसी । नयी दिल्ली

सरकार दो पब्लिक सेक्टर कंपनियों, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) और ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉर्पोरेशन (ओएनजीसी) में अपनी कंट्रोलिंग स्टेक्स बेच सकती है. सरकार के पास फिलहाल एसबीआई में 57.49% और ओएनजीसी में 58.89% की हिस्सेदारी हैं. एक रिपोर्ट के मुताबिक, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा है कि सरकारी कंपनियों में अपनी हिस्सेदारी बेचने से सरकार को कोई परहेज नहीं है, ना ही सरकार अपनी कंपनियों में मान्योरिटी स्टेक्स रखने के खिलाफ नहीं है. किसी भी फर्म में 50% से कम की हिस्सेदारी मान्योरिटी हिस्सेदारी है.आने वाले समय में 'दीपम' यानी डिपार्टमेंट ऑफ इन्वेस्टमेंट एंड पब्लिक एसेट मैनेजमेंट धीरे-धीरे बड़ी मात्रा में सरकारी शेयर मार्केट में जारी करेगी, ताकि प्राइवेट ऑनरशिप को बढ़या जा सके. वित्त मंत्री ने कहा कि हम यह सुनिश्चित करने के लिए काम कर रहे हैं कि कंपनियों की वैल्यूएशन बरकरार रहे. उन्होंने बताया कि पब्लिक सेक्टर की लिस्टेड कंपनियों और उनके वैल्यूएशन में वाइब्रेंसी आई है. उनके शेयरों की कीमतें बढ़ीं हैं, पहले के तुलना में डिविडेंड्स में बढ़ोतरी हुई है.

खास बातें

- एअर इंडिया में अपनी कंट्रोलिंग स्टेक्स टाटा ग्रुप को बेची है
- 66,918 करोड़ रुपए का इंटरेस्ट का पेमेंट किया है

इसलिए, डिसइनवेस्टमेंट अलग बात है. लेकिन, हम उन कंपनियों की वैल्यू बढ़ाने और मार्केट को उनके लिए फेवरेबल बनाने के लिए काम कर रहे हैं. बता दें कि सरकार पिछले कुछ सालों से पब्लिक लिस्टेड कंपनियों के डिसइन्वेस्ट पर ज्यादा फोकस रही है. हाल ही में सरकार ने एअर इंडिया में अपनी कंट्रोलिंग स्टेक्स टाटा ग्रुप को बेची है. स्टेट बैंक ऑफ इंडिया का नेट प्रॉफिट सालाना आधार पर 35% घटकर 9,163 करोड़ रुपए रहा है. पिछले साल की समान तिमाही में यह 14,205 करोड़ रुपए था. वित्त वर्ष 24 के पहले 9 महीनों में बैंक ने 40,378 करोड़ रुपए का स्टैंडअलोन नेट प्रॉफिट दर्ज किया.

तीसरी तिमाही में बैंक की इंटरेस्ट इनकम सालाना आधार पर 22% बढ़कर 105,733.78 करोड़ रुपए रही. बैंक ने अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में 66,918 करोड़ रुपए का इंटरेस्ट का पेमेंट किया है.

जर्मनी का सबसे बड़ा ड्यूश बैंक करेगा 3500 कर्मियों की छंटनी

एजेंसी । नयी दिल्ली

जर्मनी के सबसे बड़े बैंकों में से एक ड्यूश बैंक ने बड़े पैमाने पर छंटनी का ऐलान किया है. बैंक ने पिछले दिनों यह जानकारी देते हुए कहा है कि अगले एक साल के भीतर विश्व भर में 3,500 कर्मचारियों की छंटनी की जाएगी, जिसके जरिए बैंक 2.5 बिलियन यूरो यानी 2.70 बिलियन डॉलर की बचत कर पाएगा.

बैंक ने कहा कि छंटनी का सबसे ज्यादा असर उन विभागों पर पड़ेगा, जिनका सीधा ग्राहकों से लेनदेन नहीं है. इसके लिए बैंक ने अपने मार्केटिंग नेटवर्क और कंप्यूटर सिस्टम और सॉफ्टवेयर को अपडेट करके लागत में कमी की तैयारी शुरू कर दी है. ड्यूश बैंक के प्रदर्शन की बात की जाए तो लगातार चार साल से बैंक प्रॉफिट में है. पिछले साल बैंक ने कुल 4.2 बिलियन यूरो यानी 4.5 बिलियन डॉलर का लाभ कमाया है, जो पिछले साल की तुलना में 16 फीसदी कम है.

ऐसे में बैंक ने अपने प्रॉफिट मार्जिन को बढ़ाने के लिए छंटनी का फैसला किया है. ड्यूश बैंक के अलावा कई दिग्गज टेक कंपनियों ने भी 2024 में छंटनी का ऐलान किया है.

▼ ब्रीफ खबरें

ईरान समर्थक समूहों के 85 ठिकानों पर एयर स्ट्राइक

वाशिंगटन । अमेरिका ने जॉर्डन हमले को लेकर इराक और सीरिया के खिलाफ जवाबी कार्रवाई की है. अमेरिका ने ईरान समर्थित मिलिशिया और ईरानी 'रिवोल्यूशनरी गार्ड' के करीब 85 ठिकानों पर हवाई हमले किये हैं. इस एयर स्ट्राइक में कई आतंकियों के मारे जाने की सूचना है. अमेरिकी हमलों में ईरान के अंदर किसी भी स्थान को निशाना नहीं बनाया गया. अमेरिका के रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने यह हमारी जवाबी कार्रवाई की शुरुआत है.

यूएस कोर्ट ने स्थगित की ट्रंप के खिलाफ सुनवाई

वाशिंगटन । अमेरिका में एक संघीय न्यायाधीश ने 2020 में हुए चुनाव के नतीजों को पलटने की साजिश के आरोप में पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ मार्च में शुरू होने वाले मुकदमे की सुनवाई को औपचारिक रूप से स्थगित कर दिया है. डिस्ट्रिक्ट न्यायाधीश तान्या ने चार मार्च को होने वाले मुकदमे की सुनवाई शुक्रवार को स्थगित कर दिया लेकिन इसके लिए अभी कोई नयी तारीख नहीं दी गई. एक संघीय अपीलीय अदालत ने ट्रंप की एक लंबित अपील पर अभी तक फैसला नहीं दिया है.

इमरान खान व बुशरा बीबी को 7 साल की सजा

इस्लामाबाद । एक पाकिस्तानी अदालत ने इमरान खान और पूर्व प्रथम महिला बुशरा बीबी की शादी को गैर इस्लामिक करार दिया है. अदालत ने इमरान खान और बुशरा बीबी को 7 साल जेल की सजा सुनाई गई है. जबकि पाकिस्तान में 4 दिन बाद चुनाव होने वाले हैं. इससे पहले इमरान खान ने बिना नाम लिए आरोप लगाया था कि आर्मी चीफ ने उन्हें ऑफर दिया है कि मैं 3 साल के लिए राजनीति से दूर चला जाऊं तो उनकी यह शादी बच सकती है. इमरान खान ने ऐसा करने से इंकार कर दिया था.

उत्तर कोरिया ने किया मिसाइलों का परीक्षण

सियोल । उत्तर कोरिया ने कहा कि उसने नए प्रकार की विमान रोधी मिसाइल के साथ ही ऐसी क्रूज मिसाइलों का परीक्षण किया है जो नए 'बड़े' हथियारों से लैस है. उत्तर कोरिया के सरकारी मीडिया में शनिवार को यह रिपोर्ट तब आयी है जब एक दिन पहले दक्षिण कोरिया की सेना ने बताया कि उसने उत्तर कोरिया द्वारा पश्चिमी तट पर समुद्र में कई क्रूज मिसाइलों के परीक्षण का पता लगाया है. यह 2024 में इस तरह के हथियारों का देश का चौथे चरण का परीक्षण है.

सशस्त्र समूह ने संरा के हेलीकॉप्टर पर किया हमला

संयुक्त राष्ट्र । पूर्वी कांगो में एक सशस्त्र समूह के सदस्यों ने संयुक्त राष्ट्र के एक हेलीकॉप्टर पर शुक्रवार को गोलीबारी की जिसमें दक्षिण अफ्रीका के दो शांति रक्षक घायल हो गए. संयुक्त राष्ट्र के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र शांति रक्षा विभाग को आशंका है कि यह हमला मसीसी क्षेत्र में उत्तर कीवू प्रांत के करुबा क्षेत्र में एम23 विद्रोही समूह ने किया. पूर्वी कांगो में 120 से अधिक समूह सत्ता, जमीन और कीमती खनिज संसाधनों के लिए लड़ रहे हैं.

नयी दिल्लीः पार्टी के न्याय संकल्प कार्यकर्ता सम्मेलन के दौरान एआईसीसी कोषाध्यक्ष अजय माकन व दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष अरविंदर सिंह लवली के साथ कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे. (पीटीआई फोटो)

रातभर केंद्र सरकार के खिलाफ धरने पर बैठी रहीं ममता बनर्जी

भाषा । कोलकाता

विभिन्न सामाजिक कल्याण योजनाओं के लिए केंद्र से पश्चिम बंगाल के बकाया की मांग को लेकर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का धरना ठंड के बीच रात भर जारी रहा. ममता बनर्जी शनिवार सुबह टहलने भी गयीं. बनर्जी ने अपनी पार्टी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के नेताओं के साथ शुक्रवार दोपहर को कोलकाता के मैदान क्षेत्र में भीमराव आंबेडकर की मूर्ति के सामने प्रदर्शन शुरु किया था. ममता बनर्जी के साथ मंत्री फिरहाद हाकिम और अरूप विश्वास समेत कई नेता रात में धरना स्थल पर ही रुके हुए थे. सुबह वह पास के रेड रोड पर टहलने गयी और एक बास्केटबॉल मैदान का भी दौरा किया. टीएमसी के एक नेता ने बताया, इलाके में घना कोहरा छाया हुआ था इस दौरान बनर्जी अपने सुरक्षाकर्मियों के साथ सुबह की सैर के लिए निकलीं थी. इस बीच एक बास्केटबॉल मैदान में कुछ खिलाड़ियों को देखकर वह ठहर गयीं और उनसे बात की. उन्होंने खेल और इसमें इस्तेमाल की जाने वाली गेंद के बारे में भी जानकारी ली.

महाराष्ट्र में अपराधियों का साम्राज्य स्थापित करना चाहते हैं सीएम

शिवसेना नेता को मारी गोली भाजपा विधायक गिरफ्तार

भाषा । ठाणे

महाराष्ट्र के ठाणे जिले में भूमि संबंधी विवाद के कारण मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के एक नेता को गोली मारकर घायल करने के आरोप में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक को गिरफ्तार किया गया है. अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी. अतिरिक्त पुलिस आयुक्त दत्तात्रेय शिंदे ने मीडिया को बताया कि कल्याण से भाजपा के विधायक गणपत गायकवाड़ ने शुक्रवार रात उल्हासनगर इलाके में हिल लाइन पुलिस थाने के वरिष्ठ निरीक्षक के कक्ष के अंदर शिवसेना की कल्याण इकाई के प्रमुख महेश गायकवाड़ पर गोलियां चलाईं.

अपराधियों का साम्राज्य स्थापित करने की कोशिश : गणपत गायकवाड़ ने अपनी गिरफ्तारी से पहले कहा कि उनके बेटे को पुलिस थाने में पीटा जा रहा था इसलिए उन्होंने गोली चलाई. उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे महाराष्ट्र में अपराधियों का साम्राज्य स्थापित करने की कोशिश कर रहे हैं. महेश गायकवाड़ को पहले एक स्थानीय अस्पताल ले जाया गया जहां से उन्हें ठाणे स्थित एक निजी चिकित्सा केंद्र ले जाया गया. शिवसेना की कल्याण इकाई के प्रभारी गोपाल लांडगे ने कहा, उनका (महेश गायकवाड़ का) ऑपरेशन सफल रहा.

मैंने उन्हें गोली मारी, मुझे कोई पछतावा नहीं

अतिरिक्त पुलिस आयुक्त दत्तात्रेय शिंदे के अनुसार, गणपत गायकवाड़ का बेटा जमीन संबंधी विवाद के सिलसिले में शिकायत दर्ज कराने पुलिस थाने आया था. तभी, महेश गायकवाड़ अपने लोगों के साथ वहां पहुंचे. बाद में गणपत गायकवाड़ भी थाने पहुंचे. अधिकारी ने बताया कि विधायक और शिवसेना नेता के बीच झगड़े के दौरान गणपत गायकवाड़ ने वरिष्ठ निरीक्षक के कक्ष के अंदर महेश गायकवाड़ पर कथित तौर पर गोलियां चलाईं, जिससे वह और उनका सहयोगी घायल हो गये. गणपत गायकवाड़ ने कहा, हां, मैंने खुद (उन्हें) गोली मारी. मुझे कोई पछतावा नहीं है. अगर मेरे बेटे को पुलिस थाने के अंदर पुलिस के सामने पीटा जा रहा है, तो मैं क्या करूंगा.

मुझ जैसे भले आदमी को अपराधी बना दिया

गायकवाड़ ने दावा किया कि उन्होंने पांच गोलियां चलाईं. भाजपा और शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ गठबंधन में शामिल हैं. पुलिस ने गणपत गायकवाड़ के अलावा दो अन्य लोगों को भी गिरफ्तार किया है. एक अधिकारी ने बताया कि उन पर 307 (हत्या का प्रयास) और 120बी (आपराधिक साजिश) सहित भारतीय दंड संहिता की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है. गणपत गायकवाड़ ने कहा, यदि एकनाथ शिंदे मुख्यमंत्री हैं तो महाराष्ट्र में केवल अपराधी पैदा होंगे. आज उन्होंने मुझ जैसे भले आदमी को अपराधी बना दिया.

- पुलिस थाने के वरिष्ठ निरीक्षक के कक्ष में हुई घटना
- मेरे बेटे को पुलिस थाने के अंदर पीटा जा रहा था : विधायक

फडणवीस ने दिए उच्च स्तरीय जांच के आदेश

मुंबई । महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने उल्साहसनगर में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एक विधायक और एक स्थानीय शिवसेना नेता से जुड़ी गोलीबारी की घटना को गंभीर बताते हुए शनिवार को इसकी उच्च स्तरीय जांच के आदेश दिए.

गायकवाड़ ने आत्मरक्षा में उठाया यह कदम

गायकवाड़ ने इस हमले को आत्मरक्षा में उठाया गया कदम बताया. भाजपा विधायक ने मुख्यमंत्री के बेटे और कल्याण से सांसद श्रीकांत शिंदे पर बोर्ड लगाकर उनके द्वारा किये गये काम का श्रेय लेने का आरोप लगाया. उन्होंने कहा, मैंने अपने वरिष्ठों को कई बार बताया था कि ये लोग मेरे नेताओं के खिलाफ हिंसा कर रहे हैं.

शिंदे साहब भाजपा को भी धोखा देंगे: विधायक गायकवाड़ ने कहा कि उनका बेटा जमीन के संबंध में शिकायत दर्ज कराने उल्हासनगर के पुलिस थाने गया था. कहा, मुझे कतई पछतावा नहीं है. एक पिता के तौर पर, मैं यह बर्दाश्त नहीं कर सकता कि कोई मेरे बच्चे को पीटे. कहा, शिंदे साहब ने उद्धव (ठाकरे) साहब को धोखा दिया, वह भाजपा को भी धोखा देंगे.

अपराध की प्रकृति में आमूलचूल परिवर्तन देखा गया है : पीएम

भाषा । नयी दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को न्याय दिए जाने की कानूनी प्रणाली पर पुनर्विचार और उसमें सुधार करने का आह्वान करते हुए शनिवार को कहा कि अपराधी विभिन्न क्षेत्रों में वित्त पोषण और संचालन के लिए नवीनतम प्रौद्योगिकियों का इस्तेमाल कर रहे हैं.

राष्ट्रमंडल विधि शिक्षा संघ (सीएलईए)-राष्ट्रमंडल अटॉर्नी और सॉलिसिटर जनरल सम्मेलन (सीएएसजीसी) में मोदी ने कहा कि देश पहले से ही हवाई यातायात नियंत्रण और समुद्री यातायात के क्षेत्र में एक-दूसरे के साथ काम कर रहे हैं और उन्होंने इस सहयोग को जांच तथा न्याय दिए जाने की प्रक्रिया तक बढ़ाने की पैरवी की. उन्होंने कहा कि जब हम एक साथ मिलकर काम करते हैं तो क्षेत्राधिकार न्याय देने का

जरिया बन जाता है न कि उसमें देरी करने का. उन्होंने कहा कि अपराध की प्रकृति और दायरे में आमूलचूल परिवर्तन देखा गया है.

पीएम शनिवार से असम के दो दिवसीय दौरे पर : गुवाहाटी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आज यानी शनिवार से असम का दो दिवसीय दौरा करेंगे और इस दौरान वह भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की प्रदेश कोर समिति के सदस्यों से मुलाकात किया तथा करीब 11,600 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास किया.

पंजाब के राज्यपाल पुरोहित का इस्तीफा

चंडीगढ़ । पंजाब के राज्यपाल और चंडीगढ़ के प्रशासक बनवारी लाल पुरोहित ने व्यक्तिगत कारणों का हवाला देते हुए शनिवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को अपना इस्तीफा सौंप दिया. पुरोहित ने अपने त्याग पत्र में लिखा कि व्यक्तिगत कारणों और कुछ अन्य प्रतिबद्धताओं की वजह से, मैं पंजाब के राज्यपाल और केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ के प्रशासक के पद से इस्तीफा दे रहा हूं. कृपया इसे स्वीकार करें. पुरोहित ने शुक्रवार को यहां केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की थी. उनकी मुलाकात चंडीगढ़ महापौर चुनाव में भाजपा की जीत के कुछ दिनों बाद हुई थी. महापौर चुनाव में तीनों पदों पर भाजपा को जीत मिली है. इन चुनावों में कांग्रेस- आम आदमी पार्टी गठबंधन को झटका लगा और उसने पीठासीन अधिकारी पर मतपत्रों के साथ छेड़छाड़ का आरोप लगाया है.

दो दिन बाद जम्मू-श्रीनगर एनएच पर यातायात शुरू

जम्मू । भारी बारिश और बर्फबारी के कारण कई जगह हुए भूस्खलन से दो दिन तक बंद रहने के बाद जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर वाहनों की आवाजाही शनिवार तड़के फिर से शुरू हो गई. अधिकारियों ने यह जानकारी दी. हालांकि, यातायात विभाग ने यात्रियों को लेन अनुशासन का पालन करने और सावधानी से वाहन चलाने की सलाह दी क्योंकि रामबन जिले में शेरबीबी के पास मुख्य सड़क का एक हिस्सा एकल-लेन है और कई स्थानों पर फिसलन भी है. कश्मीर को देश के बाकी हिस्से से जोड़ने वाले 270 किलोमीटर लंबे एकमात्र राजमार्ग पर यातायात को शेरबीबी के पास किश्तवाड़ पाथेरी में भूस्खलन से सड़क क्षतिग्रस्त होने के बाद गुरुवार निलंबित कर दिया गया था.

कुरुबा समुदाय के संत ने लगाया जातिगत भेदभाव का आरोप

भाषा । चित्रदुर्ग (कर्नाटक)

चरवाहा कुरुबा समुदाय की कनक गुरु पीठ के संत ईश्वरानंद पुरी स्वामी जी ने आरोप लगाया कि दिसंबर 2023 में 'वैकुंठ एकादशी' के दौरान राज्य सरकार द्वारा संचालित विष्णु मंदिर में उनके दर्शन करने के बाद प्राधिकारियों ने उसकी सफाई करायी थी. होसदुर्ग में सानेहल्ली मठ में कन्नड़ साहित्य सम्मेलन में शुक्रवार रात को संत ने आरोप लगाया कि चित्रदुर्ग जिले के बागुर में चन्नाकेशावा मंदिर में उनके साथ जातिगत भेदभाव किया गया. कुरुबा चरवाहा समुदाय से आते हैं जिससे मुख्यमंत्री सिद्दरमैया भी ताल्लुक रखते हैं. ईश्वरानंद पुरी स्वामीजी ने कहा कि यहां (होसदुर्ग) के समीप बागुर में चन्नाकेशावा मंदिर है. मुझे पता चला कि उन्होंने (मंदिर प्राधिकारियों) मेरे जाने के बाद पूरा मंदिर साफ कराया. स्वामीजी के अनुसार, वह होसदुर्ग में कुंचितिगा मठ में शांतावीर स्वामी जी के साथ गए थे. ईश्वरानंद पुरी ने कहा कि अगर मुझे पता होता कि यह मंदिर राज्य हिंदू धर्म विभाग के तहत आता है तो वह विरोध करते.

उनके अनुसार, पुजारी के परिवार की महिलाओं को मंदिर के अंदर जाने की अनुमति थी, लेकिन बाहर इंतजार कराया गया जबकि वह भी एक हिंदू मठ के संत हैं. स्वामीजी ने कहा कि उन्होंने सभी मंदिरों में जाने का फैसला किया है क्योंकि इससे सभी मंदिरों की सफाई में मदद मिलेगी. उन्होंने कहा कि वह भविष्य में कभी बागुर के चन्नाकेशावा मंदिर नहीं जाएंगे. इस बीच, चन्नाकेशावा मंदिर के पुजारी श्रीनिवास ने कहा कि ऐसी कोई घटना नहीं हुई और स्वामीजी हर साल मंदिर आते रहते हैं.

संस्पेंस खत्म, जिंदा है पूनम पांडे

भाषा । मुंबई

बॉलीवुड मॉडल और एक्ट्रेस पूनम पांडे की 2 फरवरी को मौत की खबर सामने आयी थी. एक्ट्रेस के ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक पोस्ट किया गया था. जिसमें लिखा था कि सर्वाइकल कैंसर से पूनम पांडे की मौत हो गयी है. इस खबर ने लोगों को काफी चौका दिया. हालांकि अब खबर आ रही है कि पूनम पांडे जिंदा है. वो सर्वाइकल कैंसर को लेकर अवेयरनेंस कैंपन कर रही थी. पूनम पांडे ने वीडियो में कहा कि मैं जिंदा हूं. सर्वाइकल कैंसर से मेरी मौत नहीं हुई है. दुर्भाग्य से मैं उन हजारों महिलाओं के लिए ये नहीं कह सकती, जिन्होंने सर्वाइकल कैंसर से जंग लड़कर अपनी जान गंवायी है. वो इसके बारे में कुछ नहीं कर पायीं, क्योंकि उन्हें कुछ पता ही नहीं था. कहा कि मैं आपको यहां बताना चाहती हूं कि किसी दूसरे कैंसर के उलट सर्वाइकल कैंसर को हराना मुमकिन है. आपको बस अपने टेस्ट करवाने हैं और एचपीवी वैक्सीन लगवानी है. दरअसल पूनम पांडे के ऑफिशिअल इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक पोस्ट किया गया है.

कन्नौज में 59 परियोजनाओं के शिलान्यास पर बोले आदित्यनाथ

भगवान राम का विरोध करती है सपा

भाषा । कन्नौज (उप्र)

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को कहा कि आज अगर समाजवादी पार्टी (सपा) की सरकार होती तो अयोध्या में भगवान राम का भव्य मंदिर नहीं बन पाता. उन्होंने कहा कि सपा के लोग अयोध्या में भगवान राम का और कन्नौज में आंबेडकर का विरोध करते हैं लेकिन डबल इंजन की सरकार, जहां एक तरफ विकास कार्यों को तेज गति से पूरा करती है वहीं आस्था का सम्मान भी करती है. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को अशोक नगर स्थित केके इंटर कॉलेज के बोर्डिंग ग्राउंड में जनसभा को संबोधित करते हुए यह बात कही. मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर कन्नौज में 351 करोड़ रुपए की 59 परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास किया. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कन्नौज के सांसद सुब्रत पाठक के पिता ओम प्रकाश पाठक की पांचवीं पुण्यतिथि पर नमन किया. उनकी याद में सांसद द्वारा प्रतिवर्ष दिव्यांगजनों को कृत्रिम अंग और ट्राईसाइकिल दिये जाने की मुख्यमंत्री ने प्रशंसा की. मुख्यमंत्री ने कहा कि दिव्यांगजनों को अगर समाज और सरकार से समर्थन मिले तो बड़ी से बड़ी उपलब्धि भी उनके कदमों में होती है. मुख्यमंत्री ने वरिष्ठ समाजसेवी, उद्योग व्यापार के साथ राष्ट्रवादी मिशन के लिए जीवन समर्पित करने वाले ओम प्रकाश पाठक और भाजपा के वरिष्ठ नेता बनवारीलाल दोहरे को श्रद्धांजलि अर्पित की.

कॅरियर-काउंसिलिंग

हेल्थ सेनेटरी इंस्पेक्टर में बना सकते है अपना करियर

एजुकेशन रिपोर्टर/रजनीश प्रसाद

एचएसआई कोर्स हेल्थ सेनेटरी इंस्पेक्टर बनने के लिए किया जाने वाला कोर्स है. यह आमतौर पर डिप्लोमा कोर्स होता है. हेल्थ सेनेटरी इंस्पेक्टर यानि स्वास्थ्य स्वच्छता निरीक्षक एक स्वास्थ्य स्वच्छ व्यावसायिक व्यापार है. व्यापार की अवधि छह महीने के दो सेमेस्टर के साथ एक वर्ष है. शिक्षण घंटों के दौरान, छात्रों को विभिन्न विषयों जैसे जनता का वर्गीकरणः स्वास्थ्य और खाद्य पदार्थों का महत्व, दैनिक आवश्यकताओं का आकलन सिखाया जाता है. पोषण का, विशेष समूह के लिए पोषण की आवश्यकता का आकलन, संतुलित आहार का कोडिंग, पोषण का आकलन, परिवार की स्थिति, पोषण का सर्वेक्षण, शिक्षा और इसके महत्व और उपचारात्मक पोषण. व्यापार पाठ्यक्रम सफल होने के बाद अन्य व्यवसायों की तरह कैरियर उन्मुख प्रकृति का है.

जानिए एचएसआई

- आप पब्लिक हेल्थ और हाइजीन के बारे में जानेंगे
- आप अपने देश को स्वच्छ बनाने में योगदान करेंगे
- आप बीमारियां और उनका संक्रमण रोक पाने में सक्षम बनेंगे
- आप फ़ील्ड ट्रिप्स पर जा सकेंगे

स्किल्स

- कम्युनिकेशन स्किल्स
- प्रॉब्लम सॉल्विंग स्किल्स
- एनालिटिकल स्किल्स
- आर्गेनाइजेशन स्किल्स
- टाइम मैनेजमेंट स्किल्स
- टेक्निकल स्किल्स
- स्ट्रेस मैनेजमेंट
- रूल्स और रेगुलेशंस का पालन करने की समझ
- ईमानदारी

विदेशी विवि

- जॉर्ज वाशिंगटन यूनिवर्सिटी
- ऑस्ट्रेलियन इंस्टिट्यूट ऑफ़ फूड सेफ्टी
- कैपेला यूनिवर्सिटी
- बेलर यूनिवर्सिटी
- गिलिन स्कूल ऑफ़ ग्लोबल पब्लिक हेल्थ

एचएसआई कोर्स करने के लिए भारत के टॉप कॉलेज के नाम

- एपेक्स प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी
- सनराइज यूनिवर्सिटी, अलवर
- जेएस यूनिवर्सिटी, शिकोहाबाद
- जिज्ञासु एकडेमी, द्वारका
- दिल्ली पैरामेडिकल एंड मैनेजमेंट इंस्टिट्यूट, नई दिल्ली
- स्कूल ऑफ़ हेल्थ इस्पेक्टर, तिरुवनंतपुरम

भारतीय विवि

- ✓ सबसे पहले अपनी चुनी हुई यूनिवर्सिटी की ऑफिशियल वेबसाइट में जाकर रजिस्ट्रेशन करें.
- ✓ यूनिवर्सिटी की वेबसाइट में रजिस्ट्रेशन के बाद आपको एक यूज़र नेम और पासवर्ड प्राप्त होगा.
- ✓ फिर वेबसाइट में साइन इन के बाद अपने चुने हुए कोर्स का चयन करें जिसे आप करना चाहते हैं.
- ✓ अब शैक्षिक योग्यता, वर्ग आदि के साथ आवेदन फॉर्म भरें.
- ✓ इसके बाद आवेदन फॉर्म जमा करें और आवश्यक आवेदन शुल्क का भुगतान करें.
- ✓ यदि एडमिशन, प्रवेश परीक्षा पर आधारित है तो पहले प्रवेश परीक्षा के लिए रजिस्ट्रेशन करें और फिर रिजल्ट के बाद काउंसलिंग की प्रतीक्षा करें. प्रवेश परीक्षा के अंकों के आधार पर आपका चयन किया जाएगा और लिस्ट जारी की जाएगी.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा राजकमल प्लाजा, रूम नंबर 102 जयप्रकाश नगर, डीनोवली स्कूल रोड बरटांड, धनबाद-826001 झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - सुरजीत सिंह, स्थानीय संपादक - दीपक कुमार अम्बष्ठ*. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - JHAHIN/2023/84487 (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)